

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 51] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 19, 1970/अग्रहायण 28, 1892
No. 51] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 19, 1970/AGRAHAYANA 28, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

नोटिस NOTICE

नीचे लिखे भारत के प्रसाधारण राजपत्र 12 अक्टूबर, 1970 तक प्रकाशित किये गये :—

The undermentioned Gazettes of India Extraordinary were published up to the 12th October, 1970.—

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
312	S.O.2816, dated 26th August 1970.	Election Commission of India	Amendment in the name of the territorial division comprised within 96-Kuttanad Constituency.
313	S.O. 2872/18A(1) (b)/IDRA/70, dated 31st August 1970.	Ministry of Industrial Dev. and Internal Trade	Further amendment in the order No. S. O. 3091/18A/IDRA/67, dated the 2nd September 1967.
	का० आ० 2872, दिनांक 31 अगस्त 1970	औद्योगिक विकास और आंतरिक व्यापार मंत्रालय	अधिसूचना आदेश सं० का० आ० 3091/18क/आइ डी आर ए/ 69 तारीख 2 सितम्बर 1967 में और आगे संशोधन।
314	S.O.2873, dated 1st September 1970.	Election Commission of India	List of Contesting candidates for the 9-Mukundapuram Parliamentary Constituency.
	एस० ओ० 2873, दिनांक 1 सितम्बर 1970	भारत निर्वाचन आयोग	9 मकुन्दापुरम् संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची।

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
315	S.O. 2874, dated 1st September 1970.	Ministry of Finance	Names of persons constituting the Life Insurance Corporation of India w.e.f. 1st September 1970.
	का० ग्रा० 2874, दिनांक 1 सितम्बर 1970	वित्त मंत्रालय	1 सितम्बर 1970 से भारतीय जीवन बीमा निगम के सदस्यों के नाम ।
316	S.O. 2875, dated 2nd September 1970.	Ministry of Information and Broadcasting	Approval of the film Indian News Review No. 1141 in all its language versions.
	एस० ग्रा० 2875, दिनांक 2 सितम्बर 1970	सूचना और प्रसारण मंत्रालय	भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1141 फिल्म को सभी भारतीय भाषाओं के रूपांतरों सहित स्वीकृति ।
	S.O. 2876, dated 2 September 1970.	Ditto.	Approval of the film Indian News Review No. 1141 (Western Edition) in its language versions.
	एस० ग्रा० 2876, दिनांक 2 सितम्बर 1970	तद्वैव	भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1141 (पश्चिमी संस्करण) फिल्म को सभी भारतीय भाषाओं के रूपांतरों सहित स्वीकृति ।
317	S.O. 2877, dated 2 September 1970.	Ministry of Finance	Amendment in the notification No. S. O. 2063, dated 4th June 1968.
	एस० ग्रा० 2877, दिनांक 2 सितम्बर 1970	वित्त मंत्रालय	अधिसूचना सं० का० ग्रा० 2063 तारीख 4 जून 1968 में संशोधन ।
	S.O. 2878, dated 2 September 1970.	Ditto.	Notifying the Schemes as schemes to which cl. (vi) of sub-section (3) of section 194A of the Income-tax Act, 1960 applies.
	एस० ग्रा० 2878, दिनांक 2 सितम्बर 1970	तद्वैव	आयकर अधिनियम 1961 की धारा 194क की उपधारा (3) के खण्ड (vi) के अनुसरण में स्कीमों को ऐसी स्कीमों के रूप में लागू होना ।
	S.O. 2879, dated 2 September 1970.	Ditto.	Notifying the Schemes as schemes to which cl. (iii) of sub-section (1) of section 80L of the Income-tax Act, 1961 applies.

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
एस० ओ० 2879, दिनांक 2 सितम्बर 1970		वित्त मंत्रालय	आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80 ठ की उपधारा (i) के खण्ड (iii) के अनुसरण में स्कीमों को ऐसी स्कीमों के रूप में लागू होना ।
S.O. 2880, dated 2 September 1970.		Ministry of Finance	Specification of Certificates for the purpose of sub-cl. (ii) of cl. (15) of etc 10 of the Income-tax Act, 1961.
एस० ओ० 2880, दिनांक 2 सितम्बर 1970		तद्वैध	आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10 के खण्ड (15) के उपखण्ड (ii) के अनुसरण में प्रमाणपत्रों को विनिर्दिष्ट करना ।
S.O. 2881, dated 2 September 1970		Ditto.	Amendment in the Notification No. S O. 2064, dated the 4th June 1968.
एस० ओ० 2881, दिनांक 2 सितम्बर 1970		तद्वैध	अधिसूचना सं० का० आ० 2068 तारीख 4 जून 1968 में संशोधन ।
S.O. 2882, dated 2nd September 1970.		Ditto.	Notifying the Schemes as schemes to which clause (XV) of sub-sec. (1) of Sec. 5 of the Wealth-tax Act, 1957 applies.
एस० ओ० 2882, दिनांक 2 सितम्बर 1970		तद्वैध	धनकर अधिनियम 1957 की धारा 5 की उपधारा के खण्ड (XV) के अनुसरण में स्कीमों को ऐसी स्कीमों के रूप में अधि-सूचित करना ।
318 S.O. 2968, dated 2 September 1970.		Ministry of Foreign Trade.	Order further to amend the Export (Control) Order, 1968.
एस० ओ० 2968, दिनांक 2 सितम्बर 1970		विदेशी व्यापार मंत्रालय	निर्यात (नियंत्रण) आदेश 1968 में और आगे संशोधन का आदेश ।
319 S.O. 2969, dated 2 September 1970.		Ditto.	Taking over of the management of Pratap Spinning, Weaving and Manufacturing Co. Ltd. Amalner (Maharashtra) by the Authorised Controller for a further period upto and inclusive of the 3rd Dec. 1970.

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
का० आ० सितम्बर 1970	2969, दिनांक 2 सितम्बर 1970	विदेशी व्यापार मंत्रालय	प्रताप स्पनिंग, बीविंग एण्ड मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड अमालनेर (महाराष्ट्र) नामक औद्योगिक उपक्रम का निर्दिष्ट प्राधिकृत निर्यातक द्वारा 3 सितम्बर 1970 तक की कालावधि के लिए ले लिया गया ।
	S.O. 2970, dated 2nd September 1970.	Ministry of Foreign Trade	Extension of the term of Shri T. G. Chowdhari for a further period upto and inclusive of the 3rd Dec. 1970.
का० आ० सितम्बर 1970	2970, दिनांक 2 सितम्बर 1970	तदैव	श्री टी० जी० चौधरी की पदावधि को 3 दिसम्बर 1970 तक की अवधि के लिए बढ़ाना ।
320	S.O. 2971, dated 3rd September 1970.	Ditto.	Jute products should be subjected to quality control and inspection prior to export.
321	S.O. 2972, dated 3rd September 1970.	Election Commission of India.	List of contesting candidates to the House of People from 5-Gurdaspur Constituency.
एस० ओ० सितम्बर 1970	2972, दिनांक 3 सितम्बर 1970	भारत निर्वाचन आयोग	5-गुरदासपुर निर्वाचन क्षेत्र से लोक सभा के उप-निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची ।
322	S.O. 2973, dated 4th September 1970.	Ministry of Tourism and Civil Aviation.	Prohibition of styles and services connected with the operation, repair or maintenance of aircraft of Air-India and Indian Airlines.
का० आ० सितम्बर 1970	2973, दिनांक 4 सितम्बर 1970	पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय	एयर-इंडिया और इंडियन एयरलाइन्स के विमानों के परिचालन मरम्मत अथवा अनुरक्षण से संबंधित सेवायें में हड़ताल का निषेध ।
323	S.O. 2974, dated 7th September 1970.	Ministry of Information and Broadcasting.	Approval of the films Indian News Review No. 1142 and Preserve for Prosperity in all its language versions
एस० ओ० सितम्बर 1970	2974, दिनांक 7 सितम्बर 1970	सूचना और प्रसारण मंत्रालय	भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1142 और प्रिजर्व फार प्रास-पेरिटी फिल्मों का सभी भारतीय भाषाओं के रूपान्तरों सहित स्वीकृति ।

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
	S.O. 2975, dated 7th September 1970.	Ministry of Information & Broadcasting.	Approval of the film Indian News Review No. 1142 (Northern Edition) in all its language versions.
	एस० ओ० 2975, दिनांक 7 सितम्बर 1970	सूचना और प्रसारण मंत्रालय	भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1142 (उत्तरी संस्करण) फिल्म का सभी भारतीय भाषाओं के रूपान्तरों सहित स्वीकृति।
324	S.O. 2976, dated 7th September 1970.	Cabinet Secretariat.	Specifying the offences which are to be investigated by the Delhi Police Establishment.
	का० आ० 2976, दिनांक 7 सितम्बर 1970	मंत्रिमंडल सचिवालय	अपराधों के रूप में विनिर्दिष्ट अन्वेषण दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन द्वारा करना।
	S.O. 2977, dated 7th September 1970.	Ditto.	Extension of powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Estt. to the State of U.P. for the investigation of offences.
	का० आ० 2977, दिनांक 7 सितम्बर 1970	तदैव	दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों को शक्तियों और अधिकारिता का प्रयोग अपराधों की अन्वेषण करने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य में विस्तार।
335	S.O. 3001, dated 10th September 1970.	Election Commission of India.	Amendment in the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968, dated the 31st August 1968 published as S. O. 2959 of the same date.
	एस० ओ० 3001, दिनांक 10 सितम्बर 1970	भारत निर्वाचन आयोग	तारीख 31 अगस्त 1968 में का० आ० 2959 के रूप में प्रकाशित निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण) और आवंटन) आदेश 1968 में संशोधन।
	S.O. 3002, dated 10th September 1970.	Ditto.	Amendment in the Notification No. 56/69 -II (S.O. 89) dated the 4th January 1969.
	एस० ओ० 3002, दिनांक 10 सितम्बर 1970	तदैव	अधिसूचना सं० 56/69-II (का० ओ० 89) तारीख 4 जनवरी 1969 में संशोधन।
336	S.O. 3003, dated 11th September 1970.	Ministry of Home Affairs.	Duty of every person serving in Tamilnadu for a period of six months w.e.f. 11th Sept. 1970 as active duty.

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
	एस० ओ० 3003, दिनांक 11 सितम्बर 1970	गृह मंत्रालय	प्रत्येक व्यक्ति की ड्यूटी जो 11-9-70 से 10-3-71 तक छह मास के लिए तामिलनाडु में सवारत होगा वह सक्रिय ड्यूटी होगी।
337	S.O. 3004, dated 11th September 1970.	Ministry of Petro. & Chem. and Mines & Metals.	Composition and terms of reference of the Bureau of Industrial Costs and Prices.
	S.O. 3005, dated 11th September 1970.	Ditto.	Exemption to small scale drugs manufacturing units
338	S.O. 3006, dated 12th September 1970.	Ministry of Foreign Trade.	Fixation of minimum price of Rs. 520 per 100 Kgs. for R.M. A. I grade rubber exclusive of cess and sales tax.
	क्रा० आ० 3006, दिनांक 12 सितम्बर 1970	विदेशी व्यापार मंत्रालय	आर० एस० ए० I ग्रेड रबर का न्यूनतम मूल्य 520 रुपये प्रति 100 किग्रा निर्धारित और इस में उपकर तथा बिक्री कर शामिल नहीं।
339	S.O. 3007, dated 12th September 1970.	Ministry of Finance	Authorization of expenditure by the President of India from and out of the Consolidated Fund of the State of Kerala towards defraying the several charges during the financial year 1970-71.
	एस० ओ० 3007, दिनांक 12 सितम्बर 1970	वित्त मंत्रालय	राष्ट्रपति द्वारा 1970-71 के वित्तीय वर्ष में होने वाले अनेक प्रकार के खर्चों को पूरा करने के लिए केरल राज्य की समेकित निधि से खर्च करने की मंजूरी।
340	S.O. 3113, dated 15th September 1970	Ministry of Information & Broadcasting.	Approval of the films specified in Col. 2 of the Schedule of the order in all its language versions.
	एस० ओ० 3113, दिनांक 15 सितम्बर 1970	सूचना और प्रसारण मंत्रालय	आदेश के अनुसूची के कालम 2 में वर्णित फिल्मों का सभी भारतीय भाषाओं के रूपान्तरों सहित स्वीकृति।
	S.O. 3114, dated 15th September, 1970.	Ditto.	Approval of the Indian News Review No. 1143 (Eastern Edition) in all its language versions.

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
	एस० ओ० 3114, दिनांक 15 सितम्बर 1970	सूचना और प्रसारण तंत्रालय	भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1143 (पूर्वी संस्करण) फिल्म का सभी भारतीय भाषाओं के रूपान्तरों सहित स्वीकृति।
341	S.O 3115, dated 15th September 1970	Ministry of Finance	Exemption from the provisions of sub-section (10) of Section 16 on condition, to every licensed dealer, refiner or other person who makes a consolidated quarterly declaration.
	का० आ० 3115 दिनांक 15 सितम्बर 1970	वित्त मंत्रालय	प्रत्येक अनुज्ञप्त व्याहारी, परिष्कारक या अन्य व्यक्ति को जो समेकित त्रैमासिक घोषणा करता है अधिनियम की धारा 16 की उपधारा (10) के उपबन्धों से मुक्त करना।
342	S.O 3116, dated 15th September 1970.	Ministry of Foreign Trade.	Extension for further period upto and inclusive of the 15th September 1972 in taking over the management of Rai Saheb Rekha Chand Gopaldas Mohta Spinning & Weaving Mills Pvt Ltd, Akola (Maharashtra State) by the Authorized Controller.
	का० आ० 3116 दिनांक 15 सितम्बर 1970	विदेशी व्यापार मंत्रालय	15 सितम्बर 1972 तक के लिए जिसमें यह तारीख भी शामिल है और बना रहेगा मेयाब तक राय साहेब रेखचन्द गोपाल-दास मोहता स्पिनिंग तथा तथा वीविंग मिल्स प्राइवेट लि० अकोला महाराष्ट्र राज्य को प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा ग्रहण।
343	S.O. 3117, dated 16th September 1970	Ministry of Finance	Names of Valuers for a period of 5 years from the date of this Notification.
	का० आ० 3117 दिनांक 16 सितम्बर 1970	वित्त मंत्रालय	अधिसूचना की तारीख से पांच वर्ष की कालावधि के लिए मल्याककों के रूप में व्यक्तियों की नियुक्ति

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
344	S.O. 3118, dated 16th September 1970.	Ministry of Foreign Trade.	Extension of period upto the 15th September 1971 for the taking over of the management of Swadeshi Cotton & Flour Mills Ltd. Indore by the Authorized Controller.
	का० आ० 3118 दिनांक 16 सितम्बर 1970	विदेशी व्यापार मंत्रालय	15 सितम्बर 1971 तक की अवधि के लिए स्वदेशी काटन एण्ड फ्लोर मिल्स लि० इन्दौर नामक औद्योगिक उपक्रम का निदिष्ट प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा ग्रहण।
345	S. O. 3119, dated 17th September 1970.	Ditto.	Fixation of minimum prices of various grades and qualities of rubber.
	का० आ० 3119 दिनांक 17 सितम्बर 1970	तदैव	विभिन्न ग्रेडों तथा किस्मों के रबड़ के न्यूनतम मूल्य निर्धारण।
346	S.O. 3120, dated 17th September 1970.	Ministry of Information & Broadcasting	Approval of the film Indian News Review No. 1144 in all its language versions.
	एस० ओ० 3120 दिनांक 17 सितम्बर 1970	सूचना और प्रसारण मंत्रालय	भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1144 फिल्म का सभी भारतीय भाषाओं के रूपान्तरों सहित स्वीकृति।
	S.O. 3121, dated 17th September 1970.	Ditto	Approval of the film Indian News Review No. 1144 (Southern Edition) in all its language versions.
	एस० ओ० 3121 दिनांक 17 सितम्बर 1970	तदैव	भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1144 (दक्षिणी संस्करण) फिल्म का सभी भारतीय भाषाओं के रूपान्तरों सहित स्वीकृति।
347	S.O. 3122, dated 18th September 1970.	Ministry of Foreign Trade	Amendment in the Notification of the late Ministry of Commerce No. S. O. 1022 dated. 26th March 1966.
	का० आ० 3122 दिनांक 18 सितम्बर 1970	विदेशी व्यापार मंत्रालय	भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 1022 तारीख 26 मार्च 1966 में संशोधन।

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
348	S.O. 3123, dated 18th September 1970.	Ministry of Shipping and Transport.	Appointing the 1st day of October 1970 as the date on which the provisions of Sections 9 and 13, Cl. (a) of Section 16, Cl. (c) of Section 29, Sections 36 and 37, sub-cl. (i) of cl. (a) of Section 44, 45 and 56 of the Act shall come into force.
	का० आ० 3123 दिनांक 18 सितम्बर 1970	पोतपरिवहन तथा परिवहन मंत्रालय	1970 के अक्टूबर के प्रथम दिन को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिस तारीख से अधिनियम की धारा 9 और 13 धारा 16 के खंड (क) धारा 29 के खंड (ड) धारा 36 और 37 धारा 41 के खंड (क) के उपखंड (1) धारा 44 45 और 56 के उपबन्ध प्रवृत्त होंगे।
349	S.O. 3124, dated 19th September 1970.	Ministry of Foreign Trade	Order to further amend the Exports (Control) Order, 1968.
	का० आ० 3124 दिनांक 19 सितम्बर 1970	विदेशी व्यापार मंत्रालय	नियति (नियंत्रण) आदेश 1968 में और आगे संशोधन।
350	S.O. 3125, dated 23rd September 1970.	Ministry of Irrigation & Power.	Declaration of electrical supply by the Damodar Valley Corporation as an essential service.
	का० आ० 3125 दिनांक 23 सितम्बर 1970	सिंचाई और विद्युत मंत्रालय	दामोदर घाटी निगम द्वारा विद्युत शक्ति का प्रदाय आवश्यक सेवा घोषित।
	S.O. 3126, dated 23rd September 1970.	Dirto.	Prohibition of strikes in the supply of electrical energy by the Damodar Valley Corporation.
	का० आ० 3126 दिनांक 23 सितम्बर 1970	तखैव	दामोदर घाटी निगम द्वारा विद्युत शक्ति की प्रदाय में हड़ताल का प्रतिषेध
351	S.O. 3174/18A/IDRA/70, dated 23rd September 1970.	Ministry of Indus. Dev. & Internal Trade.	Further amendment in the Order No. S.O. 3091/18A/IDRA/67, dated the 2nd September, 1967.
	एस० ओ० 3174/18ए आई० डी० आर० ए०/ 70 दिनांक 23 सितम्बर 1970	औद्योगिक विकास तथा आन्तरिक व्यापार मंत्रालय	आदेश सं० का० आ० 3091/18ए/आई० डी० आर० ए०/67 तारीख 2 सितम्बर 1967 में और आगे संशोधन।

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
352	S.O. 3175, dated 24th September 1970.	Ministry of Labour Emp. & Rehabilitation.	Appointing the 27th day of September 1970 as the date on which provisions of the Act, shall come into force in the State of Tamil Nadu.
	का० आ० 3175 दिनांक 24 सितम्बर 1970	श्रम रोजगार और पुनर्वासि मंत्रालय	1970 के सताइसवें दिन को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिस दिन से अधिनियम के अध्याय तमिलनाडु राज्य में प्रवृत्त होंगे ।
353	S.O. 3176, dated 25th September 1970.	Ministry of Law	Shri A. C. George declared elected to the House of the People from the 9-Mukundapuram Parliamentary Constituency in the State of Kerala.
	का० आ० 3176 दिनांक 15 सितम्बर 1970	विधि मंत्रालय	श्री ए० सी० जार्ज केरल राज्य के 9-मुकुन्दपुरम संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से लोक सभा के लिए निर्वाचित ।
354	S.O. 3177, dated 25th September 1970.	Election Commission of India.	Appointment of Returning and Assistant Returning Officers in the Parliamentary Constituencies in the Union Territory of Himachal Pradesh.
	एस० आ० 3177 दिनांक 25 सितम्बर 1970	भारत निर्वाचन आयोग	रिटनिंग तथा सहायक रिटनिंग आफिसरों का हिमाचल प्रदेश संघ राज्य क्षेत्र के हर एक संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से नियुक्ति ।
355	S.O. 3178, dated 26th September 1970.	Ministry of Home Affairs.	Nomination of 3 persons to the Provincial Legislative Assembly of Meghalaya as representative to the minority communities of Assamese, Bengalese and Nepalese.
	का० आ० 3178 दिनांक 26 सितम्बर 1970	गृह मंत्रालय	मेघालय की अन्तिम विधान सभा में असमी बंगाली और नेपाली अल्पसंख्यक समुदायों का प्रतिनिधित्व करने के लिए तीन व्यक्तियों के नाम निर्देशित ।
356	S.O. 3179, dated 28th September 1970.	Election Commission of India.	Designating the Collector of each district in the State of Andhra Pradesh as District Election Officers.
	एस० आ० 3179 दिनांक 28 सितम्बर 1970	भारत निर्वाचन आयोग	आन्ध्र प्रदेश राज्य के प्रत्येक जिले के कलेक्टर को जिला निर्वाचन आफिसर के रूप में ।

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
357	S.O. 3180, dated 28 th September 1970. एस० आ० 3180, दिनांक 28 सितम्बर 1970	Ministry of Food, Agri, Com. Dev. & Co-operation. खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय	Appointment of a Commission of Inquiry on the demand for Nationalization of Sugar Industry. राष्ट्रीयकरण की मांग के प्रसंग में जांच आयोग की नियुक्ति ।
358	S.O. 3181, dated 28th September 1970 . का० आ० 3181, दिनांक 28 सितम्बर 1970	Ministry of Law विधि मंत्रालय	Shri Prabodh Chandra declared elected to the House of the People from 5- Gurdaspur Parliamentary Constituency in the State of Punjab. श्री प्रबोध चन्द्र पंजाब राज्य [के 5-गुरदासपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से लोक सभा के लिए नियुक्ति ।
359	S.O. 3271, dated 1st October 1970. का० आ० 3271, दिनांक 1 अक्टूबर 1970	Ministry of Foreign Trade विवेशी व्यापार मंत्रालय	Rules to amend further the Export of Minerals and Ores —Group II (Inspection) Rules, 1965. खनजों और अयस्कों का निर्यात ग्रुप 2 (निरीक्षण) नियम 1965 में और आगे संशोधन के लिए नियम ।
360	S.O. 3272, dated 3rd October 1970.	Ministry of Lab., Emp. & Rehabilita- tion	Award on the Industrial dispute between the employers in relation to the Life Insurance Corporation of India and their workmen.
361	S.O. 3273, dated 3rd October 1970. एस० आ० 3273, दिनांक 3 अक्टूबर 1970	Ministry of Finance वित्त मंत्रालय	Appointment of Valuers for a period of 5 years from the date of this Notification. अधिसूचना की तारीख से पांच वर्ष की कालावधि के लिए मूल्यांककों के रूप में व्यक्तियों की नियुक्ति ।
362	S.O. 3274, dated 5th October 1970. का० आ० 3274, दिनांक 5 अक्टूबर 1970	Ministry of Foreign Trade विवेशी व्यापार मंत्रालय	Rules to amend further the Export of Footwear (Inspection) Rules, 1967 published in the late Min. of Commerce No. S.O. 2385, dt. 17th July 1967. अंशों का निर्यात (निरीक्षण) नियम 1967 में जो की भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० एस० आ० 2385, ता० 17 जुलाई 1967 में प्रकाशित हुए हैं उसमें और आगे संशोधन का नियम ।

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
363	S.O. 3275, dated 6th October 1970. का० आ० 3275, दिनांक 6 अक्टूबर 1970	Ministry of Foreign Trade विदेशी व्यापार मंत्रालय	Proposal for the amendment in the notification of the late Ministry of Commerce No. S. O. 1608, dated the 3rd May 1968. भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 1608 तारीख 3 मई 1968 में संशोधन का प्रस्ताव।
364	S.O. 3310, dated 7th October 1970. का० आ० 3310, दिनांक 7 अक्टूबर 1970	Ditto. तद्व	Specifications for pesticides and their formulations for the development of the export trade of India. नाशिकीटमार और उनके निरूपणों निर्यात व्यापार के विकास के लिए विनिर्देश।
	S.O. 3311, dated 7th October 1970. का० आ० 3311, दिनांक 7 अक्टूबर 1970	Ditto. तद्व	Making of the rules called the Export of Pesticides and their Formulations (Inspection) Rules, 1970. नाशिकीटमार और उनके निरूपणों का नियति (निरीक्षण नियम) 1970 का नियम बनवाना।
	S.O. 3312, dated 7th October 1970. का० आ० 3312, दिनांक 7 अक्टूबर 1970	Ditto. तद्व	Recognising some agencies for the inspection of pesticides and their formulations. नाशिकीटमार और उनके निरूपणों के निरीक्षण के लिए अधिकारणों के रूप में मान्यता प्रदान।
	S.O. 3313, dated 7th October 1970. का० आ० 3313, दिनांक 7 अक्टूबर 1970	Ditto. तद्व	Recession of the Notification of the late Ministry of Commerce No. S. O. 2150, dated the 19th July 1966. भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 2150, तारीख 19 जुलाई 1966 को विखण्डित।
365	S. O. 3314, dated 7th October 1970. का० आ० 3314, दिनांक 7 अक्टूबर 1970	Ministry of Indus. Dev. & Internal Trade. औद्योगिक विकास तथा आन्तरिक व्यापार मंत्रालय	Recognition to the Kanpur Oils and Oilseeds Exchange Ltd., Kanpur for a further period of one year from 10-10-70 to 9-10-71 in linseed. कानपुर आयल एण्ड ऑयलसीड्स एक्सचेंज लि० कानपुर को 10 अक्टूबर 70 से 9 अक्टूबर 70 तक एक वर्ष की कालावधि के लिए मान्यता प्रदान।

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
366	S.O. 3315, dated 7th October 1970.	Ministry of Indus. Dev. and Internal Trade.	Recognition to the Jalna Merchants Association Ltd. Jalna for a further period of one year from 10-10-70 to 9-10-70 in cottonseed.
	का० ग्रा० 3315, दिनांक 7 अक्टूबर 1970	औद्योगिक विकास तथा आंतरिक व्यापार मंत्रालय	जलना मर्चेन्ट्स एसोसियेशन लि० जलनों को 10 अक्टूबर 70 से 9 अक्टूबर 70 तक एक वर्ष की कालावधि के लिए मान्यता प्रदान।
367	S.O. 3316, dated 8th October 1970.	Department of Communications.	Introduction of Measured Rate system in Anakapalle Telephone Exchange, Andhra Pradesh Circle on the 26th October 1970.
	एस० ग्रा० 3316, दिनांक 8 अक्टूबर 1970	संचार विभाग	अनकापल्ली टेलीफोन केन्द्र आन्ध्र प्रदेश में ता० 26-10-70 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू।
368	S.O. 3317, dated 7th October 1970.	Ministry of Food, Agriculture, Com. Dev. and Co-operation.	Fixation of maximum prices of vegetable oil products at various zones w.e.f. 8th October 1970.
	का० ग्रा० 3317, दिनांक 7 अक्टूबर 1970	खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय	वनस्पति तेल उत्पादों का अधिकतम कीमते विभिन्न जोनों में 8 अक्टूबर 1970 से निर्निर्दिष्ट।
369	S.O. 3318, dated 12th October 1970.	Ministry of Foreign Trade.	Amendment to the Notification of the late Ministry of Commerce No. S. O. 1004, dated the 23rd March 1967.
	का० ग्रा० 3318, दिनांक 12 अक्टूबर 1970	विदेशी व्यापार मंत्रालय	भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० ग्रा० 1004 तारीख 23 मार्च 1967 में संशोधन।
	S.O. 3319, dated 12th October 1970.	Ditto.	Rules to amend the Export of Rubber Hoses (Inspection) Rules, 1967.
	का० ग्रा० 3319, दिनांक 12 अक्टूबर 1970	तबख	रबर होजों का निर्यात (निरीक्षण) नियम 1967 में संशोधन करने का नियम।
	S.O. 3320, dated 12th October 1970.	Ditto.	Amendment in the Notification of the late Ministry of Commerce No. S. O. 496, dated the 14th February 1966.

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
	का० ग्रा० 3320, विदेशी व्यापार मंत्रालय भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय की अधि- दिनांक 12 अक्टूबर 1970		सूचना सं० का० ग्रा० 496 तारीख 14 फरवरी 1966 में संशोधन।

ऊपर लिखे प्रसाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांगपत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी। मांगपत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तारीख से 10 दिनों के भीतर पहुंच जाने चाहिए।

Copies of the Gazettes Extraordinary mentioned above will be supplied on demand to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these Gazettes.

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ क्षेत्र प्रशासन को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकरणों द्वारा जारी किये गये विधिक आदेश और अधिसूचनाएं।

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories).

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel)

New Delhi, the 11th November 1970

S.O. 3943.—In exercise of the powers conferred by proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor General of India in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964, namely—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Conduct) Fifth Amendment Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 21 of the Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964:—

(i) for the marginal heading, the marginal heading "Restriction regarding marriage" shall be substituted;

(ii) after sub-rule (2) the following sub-rule shall be added, namely:—

“(3) A Government servant who has married or marries a person other than of Indian Nationality shall forthwith intimate the fact to the Government.”

[No. 25/10/70-Ests(A).]

P. S. VENKATESWARAN, Under Secy.

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्यक विभाग)

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 1970

का० प्रा० 3943.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक और अनुच्छेद 148 के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारतीय संपरीक्षा और लेखा विभाग में काम कर रहे व्यक्तियों के संबंध में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात् राष्ट्रपति एतद्वारा केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1964 के और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1 (1) ये नियम केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) पंचम संशोधन नियम, 1970 कहें जा सकेंगे।

(2) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1964 के नियम 21 में:—

(1) हाशिया शीर्षक के स्थान पर विवाह के बारे में निर्बंधन" हाशिया शीर्षक प्रतिस्थापित किया जाएगा;

(11) उपनियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम जोड़ दिया जाएगा, अर्थात्:—

(3) वह सरकारी सेवक जिसने जो भारतीय राष्ट्रियता से भिन्न राष्ट्रियता के व्यक्ति से विवाह किया है या करता है, यह तथ्य सरकार को तत्काल प्रज्ञापित करेगा।

[सं० 25/10/70—प्रकाशन (ए)]

पी० एस० वेन्कटेश्वरन, अपर सचिव।

VICE-PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 24th November 1970

S.O. 3944.—The Vice-President of India, in his capacity as Chancellor of the Punjab University, Chandigarh, has in exercise of his powers under Section 17 Clause (3), of the Panjab University Act, cancelled the appointments of:—

- (a) Shri Ram Singh Sachdev, Principal, Lyallpur Khalsa College, Jullundur, as a nominated Fellow of the Panjab University Senate, consequent on his retirement from the Principalship of the College; and
- (b) Shri Tara Singh, Principal, Guru Nanak Engineering College, Ludhiana as a nominated Fellow of the Punjab University Senate, consequent on his retirement from the Principalship of the College.

Further, in exercise of his powers under Sub-Section (1)(j) of Section 13, of the Punjab University Act, the Chancellor is pleased to nominate.

- (i) Shri Gurbachan Singh Talib, Guru Nanak Professor of Sikh Studies, and
- (ii) Dr. Kartar Singh Thind, Fellow of the National Academy of Sciences of India and Professor of Botany at Panjab University,

as ordinary Fellows, in the vacancies caused vide (a) and (b) above, respectively.

[No. 700/800-VC/DS.]

V. PHADKE, Secy.
to the Vice-President.

उप-राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली 24 नवम्बर, 1970

एस० आर० 3944.—भारत के उप-राष्ट्रपति, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ के कुलाधिपति की हैसियत से पंजाब विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 17 के खण्ड (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों से निम्नलिखित व्यक्तियों को नियुक्तियों को रद्द करते हैं :—

- (क) लायलपुर खालसा कालिज, जालन्धर के प्राचार्य-पद से अवकाश ग्रहण करने पर राम सिंह सचदेव को पंजाब विश्वविद्यालय वरिष्ठ सभा (सोनेट) की मनोनीत सदस्यता से, तथा
- (ख) गुरु नानक इन्जोनिगिर कालिज, लुधियाना के प्राचार्य-पद से अवकाश ग्रहण करने पर श्री तारा सिंह को पंजाब विश्वविद्यालय वरिष्ठ सभा (सोनेट) की मनोनीत सदस्यता से ।

पंजाब विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (1) (जे) द्वारा प्रदत्त शक्तियों से कुलाधिपति उपरोक्त (क) तथा (ख) के रिक्त स्थानों पर क्रमशः निम्नांकित व्यक्तियों को साधारण पार्षद के रूप में मनोनीत करते हैं :—

- (1) श्री गुरबचन सिंह तालिब, सिक्ख अध्यापन के गुरु नानक प्राध्यापक
- (11) डा० करतार सिंह थिन्ड, भारतीय विज्ञान राष्ट्रीय अकादमी के सदस्य तथा पंजाब विश्वविद्यालय में वनस्पति विज्ञान के प्राध्यापक ।

[सं० 700/800-बी० सी०/डी० एस०]

दि० पडके,

भारत के उप-राष्ट्रपति के सचिव ।

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDERS

New Delhi, the 12th November 1970

S.O. 3945.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Lagan Singh, R/o Village Tribhuwan Bigha, P.O. Bansdih District Patna, Bihar, a contesting candidate for mid-term election to the Bihar Legislative Assembly held in February, 1969 from 201-Hilsa Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Lagan Singh, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/201/69(125).]

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1970

एस० नो० 3945.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि बिहार विधान सभा के लिए फरवरी 69 में हुए मध्यावधि निर्वाचन के लिए 201—हिलसा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम लगन सिंह निवासी ग्राम त्रिभुवन बिगहा, पो० बासडीह, जिला पटना (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः उक्त, उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ; तथा निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 10—क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री राम लगन सिंह को संसद के दोनों सदनों में से किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० बिहार—वि० सं०/201/69 (125)]

New Delhi, the 19th November 1970

S.O. 3946.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kailashpati Sahay, R/o village & P.O. Akorha, District Shahabad (Bihar), a contesting candidate for mid-term election to the Bihar Legislative Assembly held in February, 1969 from 228-Dinara Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kailashpati Sahay, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/228/69(126).]

By Order,

ROSHAN LAL, Secy.

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 1970

एस० नो० 3946.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि बिहार विधान सभा के लिए फरवरी, 69 में हुए मध्यावधि निर्वाचन के लिए 228—दिनारा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कैलासपति सहाय निवासी ग्राम तथा पो० अकोड़ा जिला शाहाबाद (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं।

और यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है; तथा निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद् द्वारा उक्त श्री कैलासपति सहाय को संसद के दोनों सदनों में से किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि० सं०/228/69 (126)]

आदेश से,

रोशन लाल, सचिव।

ORDER

New Delhi, the 23rd November 1970

S.O. 3947.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bharat Singh, Village Shadipur, P.O. Julana, District Jind (Haryana), a contesting candidate for bye-election to the Haryana Legislative Assembly from 29-Julana Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bharat Singh, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. HN/LA/29/70(BYE) (36).]

By Order,

K. S. RAJAGOPALAN, Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 23 नवम्बर, 1970

एस० नो० 3947.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि हरयाणा विधान सभा के 29-निर्वाचन के लिए 29 जुलाना निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भरत सिंह, ग्राम शादीपुर, डाकखाना जुलाना, जिला जींद (हरयाणा), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा घोषित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है; तथा निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद् द्वारा उक्त श्री भरत सिंह को संसद के दोनों सदनों में से किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान

सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य जन्मे जने और होने के लिए, इस प्रदेश की तारीख से तीन वर्ष की कामावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० हरयाणा-वि० सं०/29/70 (उप)/(36)]

आदेश से,

के० एस० राजगोपालन, सचिव।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Office of the Controller of Capital Issues)

New Delhi, the 26th November 1970

S.O. 3948.—In exercise of the powers conferred by Section II of the Capital Issues (Control) Act, 1947 (29 of 1947) and in supersession of the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, S.O. 2982 dated the 22nd August 1968, the Central Government hereby reconstitutes the Advisory Committee on Capital Issues Control consisting of the following members:—

1. Shri R. S. Bhatt.
2. Shri Tulsidas Dasappa, M.P.
3. Shri N. M. Wagle.
4. Shri C. P. Mukherjee.
5. Dr. L. C. Gupta.

Shri R. S. Bhatt shall be the Chairman of the Advisory Committee.

2. The Advisory Committee shall have a tenure of two years.

[No. F. 18(4)-CCI/70.]

RAJ K. NIGAM,
Director (Investments).

वित्त मंत्रालय

(अर्थ विभाग)

(पूँजी निगम के नियंत्रक का कार्यालय)

नई दिल्ली, 26 नवम्बर, 1970

एस० ओ० 3948.—पूँजी निर्गम (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 29 वां) की धारा II के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के अर्थ विभाग के 22 अगस्त 1968 के सांविधिक आदेश 2982 की अधिसूचना का अधिक्रमण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा पूँजी निर्गम नियंत्रण सलाहकार समिति का पुनर्गठन करती है जिसके निम्नलिखित सदस्य होंगे :—

1. श्री आर० एस० भट्ट
2. श्री तुलसीदास दासप्पा, संसद सदस्य
3. श्री एन० एम० वागले
4. श्री सी० पी० मुखर्जी

5. डाक्टर एल० सी० गुप्त

श्री आर० एस० भट्ट इस सलाहकार समिति के अध्यक्ष होंगे ।

2 सलाहकार समिति का कार्यालय दो वर्ष होगा ।

[स० 16 (4)—सी० सी० आई०/70]

राज क० निगम,

निदेशक (निवेश) ।

(Department of Banking)

New Delhi, the 27th November 1970

S O. 3949.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendation of the Reserve Bank of India, extends for a further period of one year till the 31st December, 1971, the exemption granted in S O. 7, dated the 3rd January, 1970 to the National Bank of Pakistan, Calcutta and the Habib Bank Ltd, Bombay, from the provisions of sub-section (2) of section 11 of the said Act.

[No F. 17(11)-BC/69.]

(बैंकिंग विभाग)

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1970

एस० ओ० 3949.—बैंकिंग विनियम अधिनियम, 1949 (1949 का दसवा) की धारा 53 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, ने भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, दी नेशनल बैंक आफ पाकिस्तान, कलकत्ता तथा दी हबीब बैंक लिमिटेड, बम्बई को, उपर्युक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (2) के उपबन्धों से 3 जनवरी, 1970 के सांविधिक आदेश 7 के अन्तर्गत दी गयी छूट को एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि, अर्थात् 3 जनवरी, 1970 तक के लिए बढ़ा दिया है ।

[संख्या एफ० 17(11)—बी० सी०/69]

New Delhi, the 7th December 1970

S. O. 3950.—Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, as on the 27th November, 1970.

BANKING DEPARTMENT

LIABILITIES		Rs.	ASSETS		Rs.
Capital Paid Up	.	5,00,00,000	Notes	.	18,23,66,000
	.		Rupree Coin	.	10,09,000
Reserve Fund	.	150,00,00,000	Small Coin	.	3,66,000
	.		Bills Purchased and Discounted :—		
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	.	172,00,00,000	(a) Internal	.	..
	.		(b) External	.	..
	.		(c) Government Treasury Bills	.	18,99,67,000
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	.	37,00,00,000	Balances held Abroad*	.	125,53,23,000
	.		Investments**	.	116,64,55,000
National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	.	95,00,00,000	Loans and Advances to :—		
	.		(i) Central Government	.	..
	.		(ii) State Governments@	.	158,73,18,000
Deposits :—			Loans and Advances to :—		
(a) Government			(i) Scheduled Commercial Banks†	.	134,09,20,000
(i) Central Government	.	103,60,64,000	(ii) State Co-operative Banks††	.	282,08,07,000
	.		(iii) Others	.	1,77,00,000

LIABILITIES	Rs.	ASSETS	Rs.
(i) State Governments	7,04,85,000	Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund :—	
		(a) Loans and Advances to :—	
		(i) State Governments	34,33,20,000
		(ii) State Co-operative Banks	21,71,76,000
		(iii) Central Land Mortgage Banks
		(b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	9,57,02,000
(b) Banks		Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund :—	
(i) Scheduled Commercial Banks	181,12,71,000		
(ii) Scheduled State Co-operative Banks	7,68,60,000	Loans and Advances to State Co-operative Banks	5,38,28,000
(iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	82,66,000	Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund :—	
(iv) Other Banks	32,55,000	(a) Loans and Advances to the Development Bank	26,26,71,000
(c) Others	99,59,19,000	(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank
Bills Payable	56,78,47,000	Other Assets	38,96,92,000
Other Liabilities	71,46,53,000		
	<u>Rupees . 987,46,20,000</u>		<u>Rupees . 987,46,20,000</u>

*Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities.

**Excluding investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.

@Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including temporary overdrafts to State Governments.

†Includes Rs. 62,20,25,000 advanced to Scheduled commercial banks against usance bills under section 17(4)(c) of the Reserve Bank of India Act.

††Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

Dated the 2nd day of December, 1970.

An Account pursuant to the Reserve Bank of India Act, 1934, for the week ended the 27th day of November 1970.

ISSUE DEPARTMENT

LIABILITIES	Rs.	Rs.	ASSETS	Rs.	Rs.
Notes held in the Banking Department			Gold Coin and Bullion :—		
Notes in Circulation	18,23,66,000		(a) Held in India	182,53,11,000	
	3937,62,01,000		(b) Held outside India	
Total Notes issued		3955,85,67,000	Foreign Securities	376,42,00,000	
			TOTAL		558,95,11,000
			Rupee Coin		59,57,47,000
			Government of India Rupee Securities		3337,33,09,000
			Internal Bills of Exchange and other commercial paper
TOTAL LIABILITIES		3955,85,67,000	TOTAL ASSETS		3955,85,67,000

Dated the 2nd day of December, 1970.

S. JAGANNATHAN,
Governor.

[No. F.3(3)-BC/70.]

K. YESURATNAM, Under Secy.

CORRIGENDUM

In the Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India Banking Department as on the 22nd May, 1970 published in Hindi at page No. 2561 of Part II Section 3(ii) of the Gazette of India issue dated 6th June, 1970 the figures printed under the head "Investments" and the sub-head "State Co-op. Banks" under head "Loans and Advances" on the Assets side of the said statement should be read as 96,93,00,000 and 226,14,69,000 instead of 96,03,00,000 and 226,14,39,000 respectively.

नई दिल्ली, 7 दिसम्बर, 1970

एस० नो० 3950.—27 नवम्बर, 1970 को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

देयताएं	रुपये	भास्तियां	रुपये
चुक्ता पूंजी	5,00,00,000	नोट	18,23,66,000
आरक्षित निधि	150,00,00,000	रुपये का सिक्का	10,09,000
		छोटा सिक्का	3,66,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण	172,00,00,000	खरीदे और भुनाये गये बिल :—	
(दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि		(क) देशी
राष्ट्रीय कृषि ऋण	37,00,00,000	(ख) विदेशी
(स्थिरीकरण) निधि		(ग) सरकारी खजाना बिल	18,99,67,000
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण	95,00,00,000	विदेशों में रखा हुआ बकाया*	125,53,23,000
(दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि		निवेश**	116,64,55,000
जमा-राशियां :—		ऋण और अग्रिम :—	
(क) सरकारी		(i) केन्द्रीय सरकार को
(i) केन्द्रीय सरकार	103,60,64,000	(ii) राज्य सरकारों को @	158,73,18,000
(ii) राज्य सरकारें	7,04,85,000	ऋण और अग्रिम :—	
(ख) बैंक		(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को†	134,09,20,000
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक	181,12,71,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को††	282,08,07,000
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	7,68,60,000	(iii) दूसरों को	1,77,00,000
		राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि से	
		ऋण, अग्रिम और निवेश :—	

(क) ऋण और अग्रिम :—

(iii) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	82,66,000	(i) राज्य सरकारों को	34,33,20,000
(iv) अन्य बैंक	32,55,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को	21,71,76,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों को	..
(ग) अन्य	99,59,19,000	(ख) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश	9,57,02,000
		राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम	
देय बिल	56,78,47,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम	5,38,28,000
		राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश :—	
अन्य देयताएं	71,46,53,000	(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम	26,26,71,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/डिबेंचरों में निवेश	..
		अन्य आस्तियां	33,96,92,000
रुपये	987,46,20,000	रुपये	987,46,20,000

*नकदी, आवधिक जमा और अल्पकालीन प्रतिभूतियां शामिल हैं।

* *राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि और राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि में से किये गये निवेश शामिल नहीं हैं।

@राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं, परन्तु राज्य सरकारों के अस्थायी ओवरड्राफ्ट शामिल हैं।

†रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया अधिनियम की धारा 17 (4) (ग) के अधीन अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को मीयादी बिलों पर अग्रिम दिये गये 62,20,25,000/ रुपये शामिल हैं।

††राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं।

तारीख : 2 दिसम्बर, 1970।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया अधिनियम, 1934 के अनुसरण में नवम्बर 1970 की 27 तारीख को समाप्त हुए सप्ताह के लिए लेखा

इसू विभाग

देयताएं	रुपये	रुपये	आस्तिया	रुपये	रुपये
बैंकिंग विभाग में रखे हुए			सोने का सिक्का और बुलियन :—		
नोट . . .	18,23,66,000		(क) भारत में रखा हुआ	182,53,11,000	
संचलन में नोट . . .	3937,62,01,000		(ख) भारत के बाहर रखा हुआ	
			विदेशी प्रतिभूतियां	376,42,00,000	
जारी किए गए कुल नोट . . .		3955,85,67,000	जोड़ . . .		558,95,11,000
			रुपये का सिक्का . . .		59,57,47,000
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां . . .		3337,33,09,000
			देशी विनिमय बिल और दूसरे वाणिज्य-पत्र
कुल देयताएं . . .		3955,85,67,000	कुल आस्तिया		3955,85,67,000

तारीख : 2 दिसम्बर, 1970

एस० जगन्नाथन,
गवर्नर।

[सं० एफ० 3 (3)—बी० सी०/70]

के० येसुरत्नम, अनुसचिव।

शुद्धि पत्र

भारतीय राजपत्र के 6 जून 1970 के अंक के भाग II, खंड 3 (ii) के प्रष्ठ 2561 में हिंदी में प्रकाशित 22 मई 1970 के रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप के विवरण में उक्त विवरण के आस्तियों वाले पक्ष में शीर्ष 'निवेश' और शीर्ष 'ऋण और अग्रिम' के उपशीर्ष 'राज्य सहकारी बैंक' के सामने क्रमशः 96,03,00,000 और 226,14,39,000 के जो आंकड़े छे हैं उनके बदले क्रमशः 96,93,00,000 और 226,14,69,000 पढ़ा जाए।

(Department of Revenue and Insurance)

INCOME-TAX

New Delhi, the 25th November 1970

S.O. 3951.—It is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Medical Research, the “prescribed authority” for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961):

Institution

The Association of Otolaryngologists of India, Bombay.

[No. 188/F. No. 203/12/70-IT(AII).]

S. N. NAUTIAL, Dy. Secy.

(राजस्व और बीमा विभाग)

आयकर

नई दिल्ली, 15 नवम्बर 1970

एस० नो० 3951.—सर्व साधारण की सूचना के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित संस्था को भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् द्वारा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए “विहित प्राधिकरण” नियत किया गया है।

संस्था

भारतीय कर्ण कण्ठविज्ञानी (ओटोलैरिजोलोजिस्ट्स) संगम मुम्बई।

[सं० 1488 एफ० सं० 203/12/70—आई० टी० (ए० II)]

एस० एन० नौटियाल,

उप सचिव।

(Department of Revenue and Insurance)

ORDER

STAMPS

New Delhi, the 19th December 1970

S.O. 3952.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds of the value of one crore and ten lakhs of rupees, to be issued by the Delhi Development Authority, are chargeable under the said Act.

[No. 18/70-Stamp/F. No. 1/48/70-Cus.VII.]

P. K. KAPOOR, Under Secy.

(राजस्व एवं बीमा विभाग)

आदेश

स्टाम्प

नई दिल्ली 19 दिसम्बर, 1970,

एस० नो० 3952.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार

एतद्द्वारा उस शुल्क से जिसके द्वारा दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा जारी किए जाने वाले एक करोड़ दस लाख रुपए मूल्य के बन्ध पत्र उक्त अधिनियम, के अधीन प्रभार्य है, छूट देती है।

[सं 18/70-स्टाम्प/फा० सं० 1/48/70-पीसा शुल्क-VII]

पी० के० कपूर, अवसर सचिव।

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

INCOME-TAX

New Delhi, the 29th September, 1970

S. O. 3953.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment to the schedule appended to its notification No. 20 (F. No. 55/1/62-IT) dated the 30th April, 1963 published as S.O. 1293 on pages 1454-1457 of the Gazette of India, part II Section 3 sub-section (ii) dated the 11th May, 1963 as amended from time to time.

Existing entries under columns (1), (2) and (3) against S. No. 15A shall be substituted by the following entries :—

Income-tax Commissioner	Headquarters	Jurisdiction
15A Kanpur	Kanpur	<ol style="list-style-type: none"> 1. Circle-I, Kanpur 2. Circle-II, Kanpur 3. Salary Circle, Kanpur 4. Companies Circle, Kanpur 5. Special Circle, Kanpur 6. Estate Duty-cum-Income-tax Circle, Kanpur. 7. Banda 8. Unnao 9. Orai 10. Jhansi 11. Fatehgarh 12. Etawah 13. Mainpuri 14. Rerozabad 15. Circle-I, Agra 16. Circle-II, Agra 17. Etah 18. Mathura 19. Aligarh 20. Hathras 21. Meerut 22. Hapur 23. Salary Circle, Meerut 24. Ghaziabad 25. Muzaffarnagar 26. Roorkee 27. Saharanpur 28. Dehradun 29. Estate Duty-cum-I. T. Circle, Dehradun 30. Special Ward, Agra

This notification shall come into force with immediate effect.

[No. 162/F. No. 187/14/70-IT (AI)]

L. N. GUPTA, Under Secy.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

आयकर

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1970

एस० आ० 3953.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड समय समय पर यथा संशोधित अपनी अधिसूचना सं० 20 (एफ० सं० 55/1/62-आई० टी०) तारीख 30 अप्रैल, 1963 के संलग्न अनुसूची में, जो भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (II) तारीख 11 मई, 1963, के पृष्ठ 1454-1457 पर का० आ० 1293 के रूप में प्रकाशित हुई थी, निम्नलिखित संशोधित करती है।

क्रम सं० 15 क के सामने स्तंभ (1), (2) और (3) के अन्तर्गत विद्यमान प्रविष्टियां निम्नलिखित प्रविष्टियों द्वारा प्रतिस्थापित की जायगी:—

आयकर आयुक्त	मुख्यालय	अधिकारिता
1	2	3
15क कानपुर	कानपुर	<ol style="list-style-type: none"> सर्किल-I, कानपुर सर्किल-II, कानपुर सम्बलम् सर्किल, कानपुर कम्पनी सर्किल, कानपुर विशेष सर्किल, कानपुर मम्पदा शुल्क-एवं-आयकर कार्यालय कानपुर बांदा उन्नाव ओराई झांसी फतेहगढ़ इटावा मैनपुरी फिरोजाबाद सर्किल-I, आगरा सर्किल-II, आगरा एटा मथुरा अलीगढ़ हाथरस मेरठ हापुड़, मेरठ में सम्बलम् सर्किल, मेरठ

1

2

3

24. गाजियाबाद
25. मुजफ्फरनगर
26. रुड़की
27. सहारनपुर
28. देहरादून
29. सम्पदा-शुल्क एवं आयकर सर्किल, देहरादून
30. विशेष वार्ड, आगरा

यह अधिसूचना तुरन्त प्रवृत्त होगी ।

[सं० 162/एफ० सं० 187/14/70-आई० टी० (ए।)]

एल० एन० गुप्ता,
अवर सचिव ।

MINISTRY OF HEALTH, FAMILY PLANNING AND WORKS, HOUSING AND URBAN DEVELOPMENT

(Department of Health)

New Delhi, the 11th November 1970

S.O. 3954.—Whereas the Central Government have, in pursuance of the provisions of clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), nominated in consultation with the Government of Gujarat, Dr. T. B. Patel, MBBS, D. Hy. D.P.H. (London), Director of Medical and Health Services, Gujarat, to be a member of the Medical Council of India with effect from the 26th August, 1970;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby directs that Dr. T. B. Patel, who is already a member of the Medical Council of India and whose name appears in the notification of the Government of India, in the late Ministry of Health No. 5-13/59-MI, dated the 9th January, 1960, against serial No. 14 under the heading "Nominated under clause (a) of sub-section (i) of section 3" shall continue to be a member of the Medical Council of India for a further period of five years with effect from the 26th August, 1970 or until his successor shall have been duly nominated, whichever is longer.

[No. F. 4-26/69-MPT.]

M. C. MISRA, Dy. Secy.

स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, निर्माण, आवास एवं नगर विकास मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 1970

एल० ओ० 3954.—यतः भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार ने गुजरात सरकार के परामर्श से डा० टी०बी० पटेल, एम०बी०बी०एस०, डी० एच०आई० डी० पी० एच० (लन्दन), चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा निदेशक, गुजरात को 26 अगस्त, 1970 से भारतीय चिकित्सा परिषद का सदस्य मनोनीत किया है ;

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निदेश देती है कि डा० टी० बी० पटेल जो कि पहले ही भारतीय चिकित्सा परिषद के सदस्य है और जिनका नाम स्वास्थ्य मंत्रालय में भारत सरकार की दिनांक 9 जनवरी, 1960 की अधिसूचना संख्या 5-31/59—एम० आई०, “धारा 3 की उप धारा (1) के खण्ड (क) के अधीन मनोनीत शीर्षक के अन्तर्गत क्रमांक 14 के सामने है, 26 अगस्त, 1970 से पांच वर्ष की एक और अवधि के लिए अथवा, जब तक कि उनका उत्तराधिकारी सम्यकरूपेण मनोनित होता है, जो भी अवधि लम्बी हो, भारतीय चिकित्सा परिषद के सदस्य बने रहेंगे।

[प०सं० 4-26/69—एम० पी० टी०]

महेश चन्द्र मिश्र, उप सचिव।

(Department of Health)

New Delhi, the 27th November 1970

S.O. 3955.—Whereas in pursuance of clause (e) of sub-section (2) of Section 3 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954) the State Government of Uttar Pradesh has nominated Shri D. R. Mittra, Public Analyst, Government of U.P., Lucknow as a member of the Central Committee for Food Standards with effect from the 10th July, 1970 *vice* Dr. R. S. Srivastava whose term has expired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. SRO-1236, dated the 1st June, 1955, namely:—

In the said Notification against item No. 13 for the entry “Dr. R. S. Srivastava, Public Analyst, Government of Uttar Pradesh Lucknow,” the following entry shall be substituted, namely:—

“Shri D. R. Mittra, Public Analyst, Government of Uttar Pradesh, Lucknow.”

[No. F. 14-1/70-PH.]

K. SATYANARAYANA, Under Secy.

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 27 नवम्बर 1970

एस० ओ० 3955.—यतः खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 3 की उप धारा (2) के खण्ड (ड) का पालन करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने डा० आर० एस० श्रीवास्तव का कार्यकाल समाप्त हो जाने पर उनके स्थान पर श्री डी० आर० मित्रा जन विश्लेषक उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ को 10 जुलाई, 1970 से उस सरकार का प्रतिनिधित्व करने के लिए केन्द्रीय खाद्य मानक समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत किया है।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय के 1 जून 1955 की अधिसूचना सं० एस० आर० ओ० 1236 में आगे और निम्नलिखित संशोधन करती है, नामतः:

उक्त अधिसूचना की मद संख्या 13 के सामने उल्लिखित प्रविष्टि “डा० आर० एस० श्रीवास्तव, जन विश्लेषक, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ” के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रख दी जाय :—

“श्री डा० आर० मित्रा,

जन विश्लेषक, उत्तर प्रदेश सरकार,

लखनऊ।

[प० सं० 14-1/70 जन स्वा०]

के० सत्यनारायण, अवर सचिव।

(Department of Health)

New Delhi, the 27th November 1970

S.O. 3956.—In pursuance of clause (e) of Section 5 of the Postgraduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh Act, 1966 (No. 51 of 1966), the Central Government hereby nominate Shri S. S. Grewal, Chief Secretary to the Government of Punjab., as a member of the Postgraduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, vice Shri A. N. Kashyap, resigned.

[No. F. 1-117/70-ME(PG).]

PREMA JOHARI, Jt. Secy.

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1970

एस०ओ० 3956.—स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान चण्डीगढ़ अधिनियम, 1966 (1966 का 51) की धारा 5 के खण्ड (ङ) का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा पंजाब सरकार के मुख्य सचिव श्री एस० एस० ग्रेवाल को श्री ए० एन० कश्यप के स्थान पर, जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया है, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान चण्डीगढ़ का एक सदस्य मनोनीत करती है।

[प० स० 1-117/70-एम०ई० (पी० जी०)]

प्रेमा जौहरी, संयुक्त सचिव ।

(Department of Health)

ORDER

New Delhi, the 1st September 1970

S.O. 3957.—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 16-5/62-MI, dated the 23rd July, 1962, the Central Government has directed that the Medical qualification, "M.D." granted by the University of Georgetown, Washington, United States of America shall be recognised medical qualification for the purposes of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956);

And whereas Dr. (Miss) Eileen Niedfield who possesses the said qualification is for the time being attached to the Holy Family Hospital, Mandar, Ranchi District for the purposes of Charitable work;

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies—

- (i) a period upto the 31st December, 1970, or
- (ii) the period during which Dr. (Miss) Eileen Niedfield is attached to the said Holy Family Hospital, Mandar, Ranchi District whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. F.19-21/70-MPT.]

R. MURTHI, Under Secy.

(स्वास्थ्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1970

एस०ओ० 3957.—यतः सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की दिनांक 23 जुलाई, 1962 की अधिनूचना संख्या 16-5/62-एम 1 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने निदेश दिया है कि भारतीय चिकित्सा

परिषद् अधिनियम 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनों के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के वाशिंगटन स्थित जार्जटाउन विश्वविद्यालय द्वारा अनुदत्त "एम०डी०" नामक चिकित्सा-अर्हता मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी।

और यतः डा० (कुमारी) एलीन नीडफील्ड को जिनके पास कि उक्त अर्हता है फिलहाल जिला रांची, मन्दार स्थित होली फेमिली हास्पिटल के साथ धर्मार्थ कार्य के प्रयोजनों के लिए लगाया गया है ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 14 की उप धारा (1) के परन्तुक के खण्ड (ग) का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा

(i) 31 दिसम्बर, 1970 तक की अवधि को अवकाश

(ii) डा० (कुमारी) एलीन नीडफील्ड के जिला रांची, मन्दार स्थित होली फेमिली हास्पिटल से संबद्ध रहने की अवधि को,

जो भी कम हो, वह अवधि विनिर्दिष्ट करती है जिसमें कि पूर्वोक्त डाक्टर को मेडिकल प्रैक्टिस सीमित होगी।

[प० सं० 19-21/70-एम०पी०डी०]

आर० मूर्ति, अवसर सचिव।

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 26th November 1970

S.O. 3958.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952), read with proviso below sub-rule (2) of rule 4 of the Cinematograph (Censorship) Rules, 1958, the Central Government hereby appoints Shri R. Streenuvasan, Director, Advertising and Visual Publicity, New Delhi, as Chairman, Central Board of Film Censors, Bombay with effect from October 20, 1970 to April, 19, 1971.

[No. F. 2/101/70-FC.]

VIRENDRA D. VYAS, Dy. Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 26 नवम्बर 1970

एस० ओ० 3958.—चलचित्र (सेंसर) नियमावली, 1958, नियम 4 के उप-नियम 2 के साथ पठित चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने श्री आर० स्ट्रीनवासन निदेशक, विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय, नई दिल्ली को, 20 अक्टूबर 1970 से 19 अप्रैल, 1971 तक के लिए केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड, बम्बई का अध्यक्ष नियुक्त किया है।

[फाइल संख्या 2/101/70-एफ (सी)]

वीरेन्द्र देव व्यास, उप सचिव।

ORDERS

New Delhi, the 27th November 1970

S. O. 359.—In pursuance of directions issued under the provisions of the enactment specified in the First Schedule annexed hereto the Central Government after considering the recommendations of the Film Advisory Board, Bombay hereby approves the film specified in column 2 of the Second Schedule annexed hereto in all its language versions to be of the description specified against it in column 6 of the said Second Schedule.

THE FIRST SCHEDULE

(1) Sub-section (4) of the Section 12 and Section 16 of the Cinematograph Act, 1952 (Central Act XXXVII of 1952).

(2) Sub-Section (3) of Section 5 and Section 9 of the Bombay Cinemas (Regulation) Act 1953 (Bombay Act, XI of 1953).

THE SECOND SCHEDULE

Sl. No.	Title of the Film.	Length 35 min.	Name of the Applicant.	Name of the Producer.	Whether a Scientific film or a film intended for educational purposes or a film dealing with news & Current events or a documentary film.
1	2	3	4	5	6
1.	maharashtra News NO:221.	299.00M.	Director of Publicity, Government of Maharashtra, 68—Film Centre, Tardoo Road, Bombay—34.		Film dealing with news and current events (For release in Maharashtra Circuit only).

[No. F. 28/1/70-FP App. 1523]

आदेशों

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1970

एस० जी० 3959—इसके साथ लगी प्रथम अनुसूची में निर्धारित प्रत्येक अधिनियम के उपबन्ध के अन्तर्गत जारी किए गये निदेशों के अनुसार, केन्द्रीय सरकार, फिल्म सलाहकार बोर्ड बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के बाद, एतद्वारा, इसके साथ लगी द्वितीय अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्म को उसके सभी भाषाओं के रूपान्तरों सहित जिसका विवरण उसके सामने उक्त द्वितीय अनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है :—

प्रथम अनुसूची

(1) चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37 वां केन्द्रीय अधिनियम) की धारा 12 की उपधारा (4) तथा धारा 16।

(2) बम्बई सिनेमा (विनियम) अधिनियम, 1953 (1953 का 11 वां बम्बई अधिनियम) की धारा 5 की उपधारा (3) तथा धारा 9।

द्वितीय अनुसूची

क्र.	फिल्म का नाम	लम्बाई 35 मि० मी०	आवेदक का नाम	निर्माता का नाम
संख्या				क्या वैज्ञानिक फिल्म है या शिक्षा सम्बन्धी फिल्म है या समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म है या डाकु- मैन्ट्री फिल्म है
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
(1)	महाराष्ट्र 299.00 समाचार संख्या मीटर 221	प्रचार निदेशक, महाराष्ट्र सरकार, 88- फिल्म सेंटर, तारदेमो रोड, बम्बई-34	समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (केवल महाराष्ट्र सर्किट के लिए)	(6)

[संख्या फा० 28/1/70-एफ० पी० परिशिष्ट 1523]

S. O. 3960 In pursuance of the directions issued under the provisions of the enactment specified in the First Schedule annexed hereto the Central Government after considering the recommendations of the Film Advisory Board, Bombay hereby approves the films specified in column 2 of the Second Schedule annexed hereto in all its language versions to be of the description specified against it in column 6 of the said Second Schedule.

THE FIRST SCHEDULE

(1) Sub-Section (4) of the Section 12 and Section 16 of the Cinematograph Act, 1952 (Central Act XXXVII of 1952).

(2) Sub-Section (3) of Section 5 of Andhra Pradesh Cinemas (Regulation) Act, 1955 (President's Act 4 of 1955).

THE SECOND SCHEDULE

Sl. No.	Title of the film	Length 35 mm	Name of the Applicant	Name of the Producer	Whether a Scientific film or a film intended for educational purposes or a film dealing with news and current events or a documentary film
1	2	3	4	5	6
1.	Nadu Nedu	356.62 M.	Shri P. J. Hanmanth Reddy 1-8-540/1 Chikkaol Pally, Hyderabad-20.		Film intended for education purposes (For release in Andhra Pradesh Circuit Only).

[No: F. 28/1/70-FP App. 1526]

S. Padmanabhan, Under Secy.

एस० ओ० 3990.—इसके साथ लगी प्रथम अनुसूची में निर्धारित प्रत्येक अधिनियम के उपबन्ध के अन्तर्गत जारी किए गये निदेशों के अनुसार, केन्द्रीय सरकार, फिल्म सलाहकार बोर्ड, बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के बाद, एतद्वारा इसके साथ लगी द्वितीय अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्म को उसके सभी भाषाओं के रूपान्तरों सहित जिसका विवरण उसके सामने उक्त द्वितीय अनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती :—

प्रथम अनुसूची

(1) चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37वां केन्द्रीय अधिनियम) की धारा 12 की उपधारा (4) तथा धारा 16,

(2) आंध्र प्रदेश सिनेमा (विनियम) अधिनियम 1955 [राष्ट्रपति के 1955 के अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (3)]

द्वितीय अनुसूची

क्रम सं०	फिल्म का नाम	लम्बाई 35 मि० मी०	आवेदक का नाम	निर्माता का नाम	क्या वैज्ञानिक फिल्म है या शिक्षा सम्बन्धी फिल्म है या समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म है या डाकु-मैत्री फिल्म है
----------	--------------	-------------------	--------------	-----------------	--

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. नाडू नेडू	356.62 मीटर	श्री पी० जी० हनमैथ रेड्डी चिकोल पाली, हैदराबाद-20	1-8-540/1	शिक्षा सम्बन्धी फिल्म (केवल आंध्र प्रदेश सर्किट के लिए)	

[संख्या फ० 28/1/70—एफ० पी० परिशिष्ट 1526],

एस० पदमनाबन, अव्वर सचिव ।

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, the 28th November 1970

S.O. 3961.—In exercise of the powers conferred by rule 75 of the Aircraft Rules, 1937 (the Central Government hereby appoints Shri R. Prasada, Director of Air Safety, Civil Aviation Department, as an assessor in place of Shri G. R. Kathpalla to assist the Court of Inquiry in the investigation of the accident to an Indian Airlines Fokker Friendship F-27-400 Aircraft VT-DWT on the 29th August, 1970 and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Tourism and Civil Aviation No. S.O. 3033, dated the 3rd September, 1970, namely:—

In the said notification, for the entry

“(1) Shri G. R. Kathpalla, Director of Air Safety, Office of the Director General of Civil Aviation, New Delhi”, the entry “(1) Shri R. Prasada, Director of Air Safety, Civil Aviation Department” shall be substituted.

[No. F. 7-A/32-70.]

S. N. KAUL, Dy. Secy.

पर्यटन तथा नागर विमान मंत्रालय

नई दिल्ली दिनांक 26 नवम्बर 1970

एस० प्रा० 3961.—एयरक्राफ्ट नियम, 1937 के नियम 75 द्वारा प्रदान की गयी शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा नागर विमानन विभाग में वैमानिक सुरक्षा के निदेशक श्री आर० प्रसाद को 29 अगस्त 1970 को हुई इंडियन एयरलाइन्स फोकर फ्रेंडशिप एफ-27-400 विमान बी०टी०-डी०-डब्ल्यू०टी० की दुर्घटना की जांच करने में जांच अदालत को सहायता करने के लिये श्री जी० आर० कठपालिया के स्थान पर असेसर के रूप में नियुक्त करती है तथा भारत सरकार के पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या सां०आ० 3033, दिनांक 3 सितम्बर 1970 में निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, प्रविष्टि

“(1) नागर विमानन महा निदेशक के कार्यालय नई दिल्ली में वैमानिक सुरक्षा के निदेशक श्री जी० आर० कठपालिया” के स्थान पर प्रविष्टि “(1) नागर विमानन विभाग में वैमानिक सुरक्षा के निदेशक श्री आर० प्रसाद” प्रतिस्थापित कर दी जाये।

[फाईल सं० 7-ए/32-70]

सुरेन्द्र नाथ कौल, उप सचिव ।

**MINISTRY OF FOREIGN TRADE
ORDERS**

New Delhi, the 19th November 1970

S.O. 3962.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Coir Retting (Licensing) Order, 1968, namely:—

1. This Order may be called the Coir Retting (Licensing) Second Amendment Order, 1970.

2. In the Coir Retting (Licensing) order, 1968, for clause 6, the following clause shall be substituted, namely:—

“6. *Power to fix price of husks.*—The licensing officer may, with the previous approval of the Central Government, fix:—

- (a) the price at which any green or raw husk or type of raw husks may be sold for any retting purposes, or
- (b) the ex-retting price at which any retted husks or type of retted husks may be sold,

in the locality determined under clause 3, either by publishing the price in a leading newspaper circulating in the locality or by communicating, by letters or otherwise, the price to the persons in possession of such husks.”

[No. F. 23(8)/TEX.(D)/68-TEX.(E).]

P. K. SAMAL, Jt. Secy.

**(Office of the Jt. Chief Controller of Imports & Exports)
(C.L.A.)**

New Delhi, the 20th May 1970

S.O. 3963.—M/s. G. & H. Bawa Bros. Majlith Mandi, Amritsar were granted an Established importers licence No. P/E/017141, dated 18th August 1969 for Rs. 2,701

for import of Crude Drugs for Ayurvedic & Unani Medicines. They have applied for the duplicate customs purpose copy of the said licence on the grounds that the original has been lost or misplaced. It is, further stated by the firm that the original Customs Purpose Copy of the licence was registered with Customs House, Bombay and utilized partly to the extent of Rs. 780 only.

In support of this declaration, the applicant has filed an affidavit duly attested stating that the original Customs Purpose Copy of the licence has been lost or misplaced.

I am satisfied that the original Customs Purpose Copy of the said licence has been lost and direct that a duplicate Customs Purpose Copy for the balance amount of Rs. 1921 should be issued to the applicant. The original Customs Purpose Copy of the licence is cancelled.

[No. CD/18/AM.70/QL/CLA.]

SARDUL SINGH,

Dy. Chief Controller of Imports & Exports,
for Jt. Chief Controller of Imports & Exports.

बिबशी रक्षापार मंत्रालय

(संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात कार्यालय)

केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र

आदेश

नई दिल्ली 20 मई, 1970

एस० डी० 3963.—सर्वश्री एन्ड एच बाबा ब्रादर्स, मजीठ मंजी, अमृतसर को आयुर्वेदिक और यूनानी दवाइयों के लिए अपरिष्कृत औषध का आयात करने के लिए 2,701 रुपये का संस्थापित आयातक लाइसेंस संख्या पी०ई०0171419, दिनांक 18-8-69 प्रदान किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-शुल्क कार्य सम्बन्धी प्रति के लिए आवेदन किया है इसके लिए यह आधार प्रस्तुत किया है कि मूल प्रति खो गई है या गलत जगह पर रख दी गई है। फर्म द्वारा आगे यह भी बताया गया है कि मूल सीमा-शुल्क कार्य सम्बन्धी प्रति सीमा-शुल्क कार्यालय, बम्बई में पंजीकृत की गई थी और मात्र 780 रुपये तक उसका आंशिक उपयोग किया गया था।

अपनी घोषणा के समर्थन में यह बताते हुए आवेदक ने विधिवत माध्याकित एक शपथपत्र जमा किया है कि मूल सीमा-शुल्क कार्य सम्बन्धी प्रति खो गई है या गलत जगह पर रख दी गई है।

मैं इन बातों से संतुष्ट हूँ कि उक्त लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क कार्य सम्बन्धी प्रति खो गई है और निदेश देता हूँ कि 1921 रुपये की शेष धन राशि के लिए अनुलिपि सीमा-शुल्क कार्य सम्बन्धी प्रति आवेदक को जारी की जानी चाहिए। लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क कार्य सम्बन्धी प्रति रद्द की जाती है।

[संख्या : सी० डी०/18/ए० एम०/70/व्य० एल०/सी० एलए०.]

सरदूल सिंह,

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात,
वास्तविक संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।

(Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports)

(Central Licensing Area)

CANCELLATION ORDER

New Delhi, the 26th August 1970

S.O. 3964.—M/s. Nava Bharat Enterprises (P) Ltd., 4-1-920 Tilak Road, Dinbad Estate, Hyderabad-1 were granted licence No. P|W|2614996|C|XX|34|D| 29.30/Engg. dated 25th March 1970 for Rs. 26,700. They have applied for the duplicate copy of Custom Purpose copy and Exchange Control copy, of licence on the ground that the original custom purpose copy and Exchange Control copy have been lost. It is further stated that the original licence was not registered and not utilized.

In support of this contention, the applicant has filed an affidavit. I am satisfied that the original custom purpose copy and exchange control copy of licence No. P/W/2614996 dated 25th March 1970 has been lost and directed that the duplicate licence (custom purpose copy and exchange control copy) should be issued to the applicant. The original Custom purpose copy and the Exchange Control copy of licence is cancelled.

[No. EXP-HOUSE-2/A.M.70/SC.IV/CLA.]

D. S. MORKRIMA,

Dy. Chief Controller of Imports & Exports.

for Joint Chief Controller of Imports and Exports.

(मू य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

(कन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र)

लाइसेंस रद्द करने का आदेश

नई दिल्ली 26 अगस्त 1970

एस० ओ० 3964.—नव श्री नव भारत इन्टरप्राइजेज (प्रा०) लि० 4-1-920, तिलक रोड, दीनबाद इस्टेट, हैदराबाद-1 को 26,700 रुपये के लिए लाइसेंस संख्या पी/डब्लू०/2614996/सी०/एक्स०/एक्स०/34 डी/29-30/इंजी०, दिनांक 25-3-70 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने लाइसेंस की सीमा-शुल्क कार्य संबंधी तथा मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि के लिए आवेदन किया है, इसके लिए यह आधार दिया है कि मूल सीमा शुल्क कार्य संबंधी तथा मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई है। आगे यह बताया गया है कि मूल लाइसेंस न तो पंजीकृत किया गया था और न उसका उपयोग ही किया गया था।

इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र जमा किया है। मैं इस बात से संतुष्ट हूँ कि लाइसेंस सी० पी० डब्लू०/2614496 दिनांक 25-3-70 की मूल सीमा शुल्क कार्य संबंधी तथा मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई है और निदेश देता हूँ कि आवेदक को अनुलिपि लाइसेंस (सीमा शुल्क कार्य संबंधी तथा मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रति) जारी किया जाना चाहिए। लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क कार्य संबंध तथा मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति रद्द की जाती है।

[संख्या एक्सपोर्ट-हाउस-2/ए० एम० 70/एस० सी० 4/सी० एम० ए०]

डी० एन० मोरक्रिमा,

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात।

(Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports)

ORDERS

Bombay, the 7th September 1970

SUB.—Cancellation of Licence No. P/U/1321477 dated 24th June, 1969 for Rs. 1158 (both copies) issued to M/s. Macneill and Barry Ltd., Bombay-1.

S.O. 3965.—M/s. Macneill and Barry Ltd., Bombay have been granted licence No. 1321477 dated 24th June, 1969 for Rs. 1158 (Rs. one thousand one hundred and

fifty eight only) for import of Dyes and Chemicals permissible varieties. They have applied for duplicate copy of (Customs Purpose/Exchange Control Purpose) the said licence on the ground that the original licence has been lost/misplaced.

It is further stated that the said original licence is not registered with Customs and unutilised.

In support of their claim applicant firm have filed an affidavit.

I am satisfied that the original copy of (Custom Purpose/Exchange Purpose) of the licence No. P/U/1321477 dated 24th June, 1969 has been lost/misplaced and direct that the duplicate copy of the said licence should be issued to the applicant firm.

The original licence (Custom Purpose/Exchange Control Purpose) copy is cancelled.

[No. 307/197634/L/OD.68/EPS.I.]

संयुक्त मुरय नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आवेदना

बम्बई 7 सितम्बर 1970

विषय : सर्वश्री मैकनेल एण्ड बेरी, लि०, बम्बई-1 को 1158 रुपये के लिए जारी किया गया लाइसेंस संख्या पी०/यू०/1321477, दिनांक 24-6-69 (दोनों प्रतियों) का रद्द किया जाना ।

एस० ओ० : 965.—सर्वश्री मैकनेल एण्ड बेरी लि०, बम्बई-1 को स्वीकार्य विभिन्न प्रकार के रंगों और रसायनों के आयात के लिए 1158 रुपये (एक हजार एक सौ अठान्न रुपये मात्र) का लाइसेंस संख्या 1321477, दिनांक 24-6-1969 प्रदान किया गया है । उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि (सीमा-शुल्क कार्य संबंधी तथा मुद्रा विनिमय नियंत्रण कार्य सम्बन्धी) के लिए आवेदन किया है, इसके लिए यह आधार प्रस्तुत किया है कि उनका मूल लाइसेंस खो गया है । गलत जगह पर रख दिया गया है ।

आगे यह बताया गया है कि मूल लाइसेंस किसी सीमा-शुल्क कार्यालय में पंजीकृत नहीं किया गया है और न उसका कोई उपयोग ही किया गया है । अपने दावे के समर्थन में आवेदक फर्म ने एक शपथ पत्र जमा किया है ।

मैं इस बात से संतुष्ट हूँ कि लाइसेंस संख्या पी०/यू०/1321477, दिनांक, 24-6-1969 की मूल प्रति (सीमा शुल्क कार्य सम्बन्धी/मुद्रा-विनिमय कार्य संबंधी) खो गई है। गलत जगह पर रख दी गई है और निवेश देता हूँ कि उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि आवेदक को जारी की जानी चाहिए ।

मूल लाइसेंस (सीमा-शुल्क कार्य सम्बन्धी/मुद्रा-विनिमय नियंत्रण कार्य सम्बन्धी) प्रति रद्द की जाती है ।

[संख्या 307/197634/एल०/ओ० डी० 68/ई० पी० एम० 1]

Bombay, the 11th September 1970

Sub.—Cancellation of licence No. P/U/2608553 dated 7th May, 1970 issued to M/s. Surekha Dyeing and Ptg. Works, Bombay.

S.O. 3966.—M/s. Surekha Dyeing and Ptg. Works, New Market, Garamkhara Lalbagh, Bombay-12 have been granted Licence No 2608553 dated 7th May, 1970 for Rs. 12,075 for import of Dyes and Chemicals permissible varieties. They have applied for duplicate copies of the said licence on the ground that the original Customs/Exchange Control Purpose copy is lost.

It is further stated that the original licence has not been registered with the Customs and has not been utilised.

In support of their claim, applicant firm have filed an affidavit. I am satisfied that the original copy of Exchange Control/Customs Purpose of the licence No. P/U/2608553 dated 7th May, 1970 has been lost/misplaced and direct duplicate copy of the licence should be issued to the applicant firm.

The original licence (both copies) is cancelled.

[File No. Cotton/14/G.16/JM68/EPL.II.]

D. D'SOUSA,

Dy. Chief Controller of Imports and Exports,
for Jt. Chief Controller of Imports and Exports.

बम्बई, 11 सितम्बर 1970

विषय: सर्वश्री सुरेखा डाइंग एन्ड पैटिंग वर्क्स, बम्बई को जारी किया गया लाइसेंस संख्या पी०/यू०/2608553, दिनांक 7-5-70 का रद्द किया जाना।

एस० नो० 3966—सर्वश्री सुरेखा डाइंग एन्ड पैटिंग वर्क्स, न्यू मार्केट, गरमखारा, लाल बाग बम्बई-12, को स्वीकार्य विभिन्न प्रकार के रंगों और रसायनों के आयात के लिए 12,075 रुपये का लाइसेंस संख्या 2608553, दिनांक 7-5-70 प्रदान किया गया है। उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि के लिए आवेदन किया है इसके लिए उन्होंने यह आधार प्रस्तुत किया है कि मूल सीमा-शुल्क/मूद्रा-विनिमय नियंत्रण कार्य सम्बन्धी प्रति खो गई है।

आगे यह बताया गया है कि मूल लाइसेंस किसी सीमाशुल्क कार्यालय में पंजीकृत नहीं किया गया है और न उसका कोई उपयोग ही किया गया है।

अपने दावे के समर्थन में आवेदक फर्म ने एक शपथ पत्र जारी किया है। मैं इस बात से संतुष्ट हूँ कि लाइसेंस संख्या पी०/यू०/2608553, दिनांक 7-5-1970 की मुद्रा विनिमय नियंत्रण सीमा शुल्क कार्य सम्बन्धी प्रति की मूल प्रति खो गई है। गलत जगह पर रख दी गई है और निदेश देता हूँ कि लाइसेंस की अनुलिपि आवेदक को जारी की जानी चाहिए।

मूल लाइसेंस (दोनों प्रतियां) रद्द किया जाता है।

[सं० रोई/14/जी० 16/जे० एम० 68/ई० पी० एल० II]

डी० वे सूजा,

उपमुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात,
वास्ते संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात।

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

New Delhi, the 14th September 1970

S.O. 3967.—M/s. Air Conditioning Corporation Ltd., 17, Taratolla Road, Calcutta-53 were granted Licence No. P/D/2169540 dated 24th May, 1969 for Rs. 24,000 for import of copper billets. They have applied for issue of duplicate licence both custom and Exchange Control copies, on the ground that the original custom and exchange copies have been misplaced/lost without having been utilised at all.

In support of their contention M/s. Air Conditioning Corporation, Calcutta, have produced an affidavit. The undersigned is satisfied that the original licence both Customs and Exchange copies, have been lost/misplaced. Therefore, in

exercise of the powers conferred under clause 9(cc) of the Import Control Order 1955 dated 7th December, 1955 (as amended) the original licence both customs Exchange copies are hereby cancelled.

Duplicate, (Custom and Exchange Control copies) of the licence are being issued separately.

[No. Air Cond/11(4)68-69/RMS.]

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आदेश

नई दिल्ली, 14 सितम्बर 1970

एस० ओ० 3967.—सर्वश्री एयर कन्डिशनिंग कारपोरेशन लि०, 17, ताराटोला रोड, कलकत्ता-53 को ताबे के घड़ों के आयात के लिए 24,000/-रुपये का लाइसेंस संख्या पी०/डी०/2159540, दिनांक 24-5-69 प्रदान किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा शुल्क कार्य सम्बन्धी तथा मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रतियां जारी करने के लिए अनुरोध किया है, इसके लिए उन्होंने यह आधार दिया है कि मूल सीमा-शुल्क कार्य सम्बन्धी तथा मुद्रा-विनियम नियंत्रण प्रतियां बिना उपयोग किए ही खो गई हैं। लागत स्थान पर रख दी गई है।

अपने तर्क के समर्थन में सर्वश्री एयर कन्डिशनिंग कारपोरेशन कलकत्ता ने एक शपथ पत्र प्रस्तुत किया है। अधोहस्ताक्षरी इस बात से संतुष्ट है कि मूल सीमा शुल्क कार्य सम्बन्धी तथा मुद्रा विनियम नियंत्रण दोनों प्रतियां खो गई हैं। गलत स्थान पर रख दी हैं। इसलिए आयात (नियंत्रण) आदेश 1955, दिनांक 7-12-1955 की उपधारा 9(सी सी) के अन्तर्गत संशोधित शक्तियों को प्रयोग करते हुए मूल लाइसेंस सीमा-शुल्क कार्य सम्बन्धी तथा मुद्रा विनियम नियंत्रण दोनों प्रतियां एतद्वारा रद्द की जाती हैं।

उक्त लाइसेंस की अनुलिपि, (सीमा शुल्क तथा मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रतियां) अलग में जारी की जा रही हैं।

[संख्या : एयर कन्ड/11(4) 68-69 आर० एम० 6]

S.O. 3968.—M/s. Air Conditioning Corporation Ltd., 17, Taratolla Road, Calcutta 53 were granted licence No. P/D/2171079/R/GN/32/H/29-30 dated 16th August, 1969 from West German Credit for import of Copper Tubes valued at Rs 43,400 they have requested for the issue of duplicate copy of the licence on the ground that the original Customs and Exchange Control copies of the licence have been lost by them. It has been further reported by the licensee that the licence has not been registered with any collector of Customs.

In support of their contention the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Customs and Exchange Control purpose copies of the licence No. P/D/2171079/R/GN/32/H/29-30 dated 16th August, 1969 have been lost and directs that duplicate Customs and Exchange Control purpose copies of the said licence should be issued to them. The original licence (both copies) is cancelled. A duplicate copy of the licence is being issued separately.

[No. Air Cond/9(1)/69-70/RMS.]

G. S. SHARMA,

Dy. Chief Controller of Imports and Exports.

एस० क्रो० : 968—सर्वश्री एयर कन्डिशनिंग कारपोरेशन, 17, तालकटोरा रोड, कलकत्ता 53 को पश्चिम जर्मनी ऋण से कापर ट्यूबों के आयात के लिए 43,400/रुपये मूल्य का आयात लाइसेंस संख्या पी०/डी०/2171079/आर०/जी० एन०/32/एच०/29-30, दिनांक 16-8-1969, प्रदान किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि प्रतियां जारी करने के लिए अनुरोध किया है, इसके लिए यह आधार दिया है कि मूल सीमा-शुल्क तथा मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रतियां खो गई हैं। लाइसेंस धारी द्वारा आगे यह बताया गया है कि लाइसेंस किसी भी सीमा-शुल्क समा-हर्ता के पास पंजीकृत नहीं किया गया है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र जमा किया है। अधोहस्ताक्षरी इस बात से संतुष्ट है कि लाइसेंस संख्या पी०/डी०/2171079/आर०/जी० एन०/32/एच०/29-30, दिनांक 16-8-69 की मूल सीमा-शुल्क तथा मुद्रा-विनियम प्रतियां खो गई हैं और निदेश देता है कि उन्हें उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-शुल्क तथा मुद्रा-विनियम नियंत्रण प्रतियां जारी की जानी चाहिए। मूल लाइसेंस (दोनों प्रतियां) रद्द की जाती हैं। अनुलिपि लाइसेंस अलग से जारी किया जा रहा है।

[संख्या : एयर कन्ड/9(1)/69-70/ आर० एम० 6]

जी० एस० शर्मा,
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।

(Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports)
ORDER

New Delhi, the 12th October 1970

S.O. 3969.—Vimal Enterprises Pvt. Ltd., Bombay, were granted an import licence No. P/C/2061307/S/AN/33/H/29-30/CG.III dated 15th December 1969 for Rs 5,54,000 (Rupees five lakh and fifty four thousand only). They have applied for a duplicate Exchange Control Purposes copy of the said import licence on the ground that the original Exchange Control Purposes Copy has been lost/misplaced without having been utilised at all. In support of this contention, the applicant has filed an affidavit.

I am accordingly satisfied that the original Exchange Control Purpose Copy of the said licence has been lost. Therefore, in exercise of the powers conferred under Sub-clause 9(cc) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7th December 1955 as amended, the said original Exchange Control Purposes Copy of Import Licence No. P/C/2061307/S/AN/33/H/29-30/CG.III dated 15th December 1969 issued to M/s. Vimal Enterprises Pvt. Ltd., Bombay, is hereby cancelled.

A duplicate Exchange Control Purposes Copy of the said Import Licence is being issued separately to the licensee.

[No. CG.III/6(16)/67-68.]

S. A. SESHAN,
Dy. Chief Controller of Imports & Exports.

(मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

आदेश

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर, 1970

एस० क्रो० 3969.—विमल इन्टर-प्राइजेस, लि०, बम्बई-9 को 5,54,000 रुपये (पांच लाख, चौरावन हजार रुपये मात्र) का आयात लाइसेंस सं० पी०/सी०/2061307/एस०/ए० एन०/33/एच०/29-30 / सी० जी०-3, दिनांक 15-12-1969 प्रदान किया गया था। उन्होंने

उक्त लाइसेंस को प्रतिलिपि मुद्रा-विनियम नियंत्रण प्रति के लिए आवेदन किया है। इस के लिए यह आधार दिया है कि मूल-विनियम नियंत्रण प्रति बिना उपयोग किए खो गई है। गलत स्थान पर रख दी गई है।

नदनुसार मैं इस से संतुष्ट हूँ कि उक्त लाइसेंस को मूल मुद्रा-विनियम नियंत्रण प्रति खो गई है। इसलिए आयात (नियंत्रण) आदेश 1955, दिनांक 7-12-1955 को, उपधारा 9 (सी० सी०) के अन्तर्गत संगोषित प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सर्वश्री विमल इन्टर-प्राइजेज प्रा० लि० बम्बई को जारी किया गया उक्त लाइसेंस सं० पी०/सा०/ 2061307/एन०/ए० एन०/ 33/एन०/29-30/सी० जी० 3, दिनांक 15-12-1969 को मूल मुद्रा-विनियम नियंत्रण प्रति पुनर्द्वारा रद्द की जाती है।

उक्त लाइसेंस को एक प्रतिलिपि मुद्रा-विनियम नियंत्रण प्रति लाइसेंस-धारक को अलग से जारी की जा रही है।

[संख्या : सी० जी०-3/6 (16)/67-68]

एम० ए० सेशन,

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।

(Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

Bombay, the 15th October 1970

Subject:—Cancellation of Licence No. 2606781 dated 25th February 1970 for Rs. 6414 (both copies) issued to M/s. Shree Ganesh Dyeing and Printing Works, Bombay, Cotton Mills Compound, Kalachowki Road, Bombay-33.

S.O. 3970.—M/s. Shree Ganesh Dyeing & Printing Works Bombay 33 have been granted licence No. 2606781 dated 25th February 1970 for Rs. 6,414 (Rupees Six thousand four hundred and fourteen only) for import of Dyes and Chemicals permissible varieties. They have applied for duplicate copy of (Customs Purpose/Exchange Control Purpose) the said licence on the ground that the original licence had been lost/misplaced.

It is further stated that the said original licence is not registered with Customs and un-utilised.

In support of their claim the applicant firm have filed an affidavit.

I am satisfied that the original copy (Customs Purposes/Exchange Control Purpose) of the licence No. 2606781 dated 25th February 1970 has been lost/misplaced and direct that the duplicate copy of the said licence should be issued to the applicant firm.

The original licence (Custom Purpose/Exchange Control Purpose copy) is cancelled.

[File No. 37/210347/OD.69/L/EPSC.I.B.]

Smt. M. D'COSTA,

Dy. Chief Controller of Imports and Exports.
for Jt. Chief Controller of Imports & Exports.

(संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

आदेश

बम्बई, 15 अक्टूबर, 1970

विषय:—सर्वश्री गणेश डाइंग एंड प्रिंटिंग वर्कस, बम्बई काटन मिलज कम्पाउंड कालाचोकी रोड, बम्बई—33 को 6414 रुपये के लिए जारी किए गए आयात लाइसेंस सं० 2606781 दिनांक 25-2-1970 (दोनों प्रतियां) को रद्द करना।

एस० ओ० 3970—सर्वश्री गणेश डाइंग एंड प्रिंटिंग वर्कस, बम्बई को स्वीकृत किस्मों के रंगों तथा रसायनों के आयात के लिए 6414 रुपये (छः हजार चार सौ चौदह रुपये मात्र) का आयात

लाइसेंस सं० 2606781 दिनांक 25-2-1970 प्रदान किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि प्रति (सीमा-शुल्क कार्य-संबंधी तथा मुद्रा-विनियम नियंत्रण) के लिए आवेदन किया है, इसके लिए यह आधार दिया है कि मूल लाइसेंस खो गया है। गलत स्थान पर रख दिया गया है।

आगे यह बताया गया है कि मूल लाइसेंस किसी सीमा-शुल्क कार्यालय में पंजीकृत नहीं हुआ है और न उस का उपयोग ही किया गया है।

अपने दावे के समर्थन में आवेदक फर्म ने एक शपथ-पत्र जमा किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि लाइसेंस सं० 2606781 दिनांक 25-2-1970 की मूल प्रति (सीमा-शुल्क कार्य संबंधी तथा मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति) खो गई है गलत स्थान पर रख दी गई है और निदेश देता हूँ कि उक्त लाइसेंस की अनुलिपि प्रति आवेदक फर्म को जारी की जानी चाहिए।

मूल लाइसेंस (सीमा-शुल्क कार्य संबंधी/ मुद्रा-विनियम नियंत्रण प्रति) रद्द किया जाता है।

[सं० 37/210347/ओ० डी० 69/एल०/ई० पी० एम० सी० आई० बी०

श्रीमति एम० डि'कोस्टा,

उप-मुख्य, नियंत्रक आयात-निर्यात,

कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात।

(Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports)
(C.I.A.)

ORDER

New Delhi, the 23rd October 1970

S.O. 3971.—M/s. Hindustan Tools Mfg. Co., 1503 Pataudi House, Darya Ganj, Delhi were granted an import licence No. P/S/1613245, dated 21st March 1969, for the import of permissible Ball Bearings of 1" bore internal diameter and below as specified in 14(a)/B of AM-69 Red Book (2) Permissible taper roller bearings other than those specified in appendix 14(6) of AM-69 Red Book on Rupee Payment Area for Rs. 3,274 only (Three thousand two hundred and seventy four only). They have applied for the issue of Duplicate Custom Purpose Copy of the licence on the ground that Custom Purpose copy of the licence has been misplaced without having been utilised.

2. The applicant have filed an affidavit on stamped paper in support of their contention as required under para 299(2) read with appendix 8 of the I.T.C. Hand Book of Rules and Procedure 1970. I am satisfied that the original Custom Purpose copy of the licence has been misplaced.

3. In exercise of the powers conferred on me under clause 9(cc) Imports (Control) Order, 1955 dated 7th December, 1955 as amended up-to-date, I order cancellation of Customs Purpose copy of Licence No. P/S/1613245, dated 21st March, 1969.

4. The applicants case will not be considered for issue of a Duplicate Custom Purpose Copy of the said licence in accordance with para 313(1) of ITC Hand Book of Rules and procedure, 1970.

A

[No. F.H-15/AM/69/AU-UT-CLA.]

A. T. MUKHERJEE,

Dy. Chief Controller of Imports and Exports.

(समुस्त-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय :)

(केन्द्रीय लाइसेंसिंग क्षेत्र)

आदेश

नई दिल्ली, 23 अक्तूबर, 1970

एस०ओ० 3971.—महेश्वरी हिन्दुस्तान टूलज मैनुफैक्चरिंग क० 1503, पटोदी हाउस, दया गंज, दिल्ली का राज्य में भुगतान क्षेत्र से अप्रैल-मार्च, 1969 रैडबुक के परिशिष्ट 14(ए)/बी में विशिष्ट कृत "1 बोर के आयात के व्यापार तथा इससे नीचे के स्वीकृत बाल बेयरिंग के आयात के लिए (2) अप्रैल-मार्च 1969 रैडबुक के परिशिष्ट 14(6) में विशिष्ट कृत के प्रतिरिक्त अन्य स्वीकृत टेपर रोलर बेयरिंग के आयात के लिए 3,274/- रुपये मात्र (तीन हजार दो सौ चौहतर रुपये मात्र) का आयात लाइसेंस संख्या पी/एस/1613245 दिनांक 21-3-69 प्रदान किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-शुल्क कार्य सम्बन्धी प्रति जारी करने का अनुरोध किया है, इसके लिए यह आश्वासन दिया है कि सीमा-शुल्क कार्य सम्बन्धी प्रति बिना उपयोग किए गलत स्थान पर रख दी गई है।

2. अपने तर्क के समर्थन में आयातक ने आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा कार्यविधि हैन्ड बुक 1970 के परिशिष्ट 8 की कड़िका 299(2) के अन्तर्गत माने गए अनुसार स्टाम्प कागज पर एक शपथ पत्र जमा किया है। मैं इसके समुष्ट हूँ कि उक्त लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क कार्य सम्बन्धी प्रति गलत स्थान पर रख दी गई है।

3. आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 दिनांक 7-12-1955 के अनुसार सशोधित उपधारा 9 (सी सी) के अन्तर्गत प्रवृत्त शक्तियाँ का प्रयोग कर मैं लाइसेंस संख्या पी/एस/1613245, दिनांक 21-3-69 की सीमा-शुल्क कार्य सम्बन्धी प्रति को रद्द करने का निदेश देता हूँ।

4. आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा कार्यविधि हैन्ड बुक, 1970 की कड़िका 313(1) के अनुसार आयातक को अनुलिपि सीमा-शुल्क कार्य सम्बन्धी प्रति जारी करने के मामले पर दखल देखा किया जाएगा।

[संख्या एच०-15/ए०एम०-69/एयू म्टी०साएसए०]

ए० टी० मुखर्जी,

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।

(Office of the Dy. Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

Panjim, the 23rd November 1970

S.O. 3972.—M/s. Madhuprasad Mahabirprasad of Vasco-da-Gama, Goa, were issued import licence No. P/A/1282897/H/KQ/32/G/27-28, dated 13th August, 1969, under U.K. India/Non-Project 5th kipping loan 67 for the import of spare parts for mining machinery—spares for barges and its diesel engines valued at Rs. 17,378 under I.T.C. No. 89/V, 30-F-III/II. They have requested for issue of duplicate Customs Purposes Copy of the licence on the ground that the original Customs Purposes Copy of the licence has been lost. It has further been reported by the party that the licence is lost without having been registered with any Customs Authority and utilised at all.

In support of their contention, the applicants have filed an affidavit on a stamped paper duly attested by the Notary Public, Vasco-da-Gama, Goa. The undersigned is satisfied that the original Customs Purposes Copy of the licence

No. P/A/1282897/H/KQ/32/G/27-28, dated 13th August 1969, has been lost and direct that duplicate Customs Purposes Copy of the said licence should be issued to them.

In exercise of the powers conferred on me under Section 9(cc) of Import Control Order, 1955 dated 7th December 1955, I order the cancellation of Customs Purposes Copy of the licence No. P/A/1282897/H/KQ/32/G/27-28, dated 13th August 1969.

The applicant is now being issued a duplicate copy of Customs Purposes Copy of this licence in accordance with the provisions contained in para 313(1) of the ITC Hand Book of Rules and Procedure, 1970.

[No. AU/MIN-163/AM'69.]

C. K. RAMACHANDRA RAO,

Dy. Chief Controller of Imports and Exports.

(उप-मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

आदेश

पंजिम, 23 नवम्बर, 1970

एत० श्री० 3972.—सर्वश्री माधो प्रसाद महावीर प्रसाद, वास्को-डी-गामा, गोवा को हंगलैड—भारत/गैर-प्रायोजना, पांचवें किपिंग लोन 67, के अन्तर्गत 1,73,78 रुपये के मूल्य के खनन शरीरों के फालतू पुर्जे—नौकाओं के पुर्जे तथा इम के डीजल इंजिनों के आयात के लिये आयात व्यापार नियंत्रण सं० 89/बी, 30-एफ-3/2 के अन्तर्गत आयात लाइसेंस संख्या पी/ए/1282897/एच/के ब्यू/32/जी/27-28, दिनांक 13-8-69 जारी किया गया था। उन्होंने लाइसेंस की सीमा-शुल्क प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि इस की मूल सीमा-शुल्क प्रति खो गई है। पार्टी द्वारा आगे यह सूचना दी गई है कि लाइसेंस किसी सीमा-शुल्क प्राधिकारी से पंजीकृत कराए बिना और बिल्कुल उपयोग किये बिना खो गया है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदकों ने स्टाम्प कागज पर वास्को-डी-गामा, गोवा के नोटरी पब्लिक द्वारा विधिवत साक्ष्यकित एक शपथ-पत्र जमा किया है। अधी हस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेंस सं० पी/ए/1282897/एच/के ब्यू 32/डी/27-28, दिनांक 13-8-69 की मूल सीमा-शुल्क प्रति खो गई है और निवेश देता है कि उनको उक्त लाइसेंस की सीमा-शुल्क प्रति की अनुलिपि जारी की जाए।

आयात नियंत्रण आदेश 1955, दिनांक 7-12-1955 के भाग 9 (सी सी) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं लाइसेंस सं० पी/ए/1282897/एच/के ब्यू/32/जी/27-28, दिनांक 13-8-69 की सीमा-शुल्क प्रति को रद्द करने का आदेश देता हूँ।

आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा कार्यविधि पुस्तक की कंडिका 313(1) में निहित शर्तों के अनुसार अब आवेदक के इस लाइसेंस की सीमा-शुल्क प्रति की अनुलिपि जारी की जा रही है।

[संख्या एयू०/मिन-163/ए० एम० '69]

सी० के० रामाचन्द्रा राव,

उप-मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात।

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

ORDERS

New Delhi, the 26th November 1970

S.O. 3973.—M/s. Fritz and Singh Pvt. Ltd., 227, Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta-47 were granted import licence No. P/D/2180748/S/IN/36/H/29-30, dated 9th July 1970 for import of impregnated filter paper, glass fibre valued Rs. 2,43,000 under 4th IDA Credit. The firm have stated and also furnished an

affidavit to this effect that the customs copy of the above cited licence has been lost/misplaced without having been registered with any customs authority or utilised.

The undersigned is satisfied and directs that a duplicate customs copy in lieu of the lost/misplaced one may be issued for Rs. 2,43,000 under 4th IDA Credit. The original Customs copy of the said licence is hereby cancelled.

Details of the licence.

Licence No. & Date.	Description	Country	Validity	Value	Amount already utilised.
P/D/2180746/S/ IN/36/H/29-30 dt 9-7-70.	Impregnated filter paper & glass fibre paper.	IDA Countries	upto 31-3-71	Rs. 2,43,000/-	Nil

[No. F. Auto-44(5)/AM-70/RM-4.]

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आदेश

नई दिल्ली 26 नवम्बर, 1970।

एस० श्री० 3973.—सर्वश्री फ्रिट्ज़ एंड सिंह प्रा० लि० नेताजी सुभाष चन्द्र, रोड, कलकत्ता-47 को चौथे आई०डी०ए० क्रेडिट के अन्तर्गत संसिक्त छम्मा पत्र, ग्लास फाइबर के आयात के लिए 2,43,000 रु० मूल्य का आयात लाइसेंस सं० पी/डी/2180746/एस/आई एन/36/एच/29-30, दिनांक 9-7-70 प्रदान किया गया था। फर्म ने यह बताते हुए एक शपथ पत्र भी जमा किया है कि किसी भी सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास वर्जनीकृत कराए और उपयोग किए बिना ही उक्त लाइसेंस की सीमा-शुल्क प्रति खो गई है / गलत स्थान पर रख दी गई है।

अधोहस्ताक्षरी इस से संतुष्ट है और मिदेश देता है कि कोई हुई/गलत स्थान पर रखी गई प्रति के बदले चौथे आई०डी०ए० क्रेडिट के अन्तर्गत 2,43,000 रुपये के लिए अन्तरिम सीमा-शुल्क प्रति जारी की जाए। उक्त लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क प्रति एतद्वारा रद्द की जाती है।

[मि० संख्या: आटो-44(5)/ए०एम०70/आर एम०-4]

S.O. 3974.—M/s. Fritz & Singh Pvt. Ltd., 227, Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta-47 were granted import licence No. P/D/2179105/M/LI/35/H/29-30 dated 23rd April 1970, for import of impregnated filter paper valued Rs. 2,31,000 from UK under UK India Maintenance Loan. The firm have stated and have also furnished an affidavit to this effect that the customs copy of the above cited licence has been lost/misplaced without having been utilised and registered with any customs authority.

The undersigned is satisfied and directs that a duplicate customs copy in lieu of the lost/misplaced one may be issued for Rs. 2,31,000 under UK/India Maintenance Loan. The original Customs copy of the above cited licence is hereby cancelled.

Details of the Licence

Licence No. & date	Description	Country	Value	Validity	Amount already utilised.
P/D/2179105/M/ LI/35/H/29-30 dt. 23.4.70	Impregnated Filter Paper	UK	Rs. 2,31,000/—	12 months from the Date of issue i.e. 3.4.70	Nil

[No. F. Auto-44(4)/AM-70/RM-4.]

G. D. BAHL,
Dy Chief Controller of Imports and Exports.

एस० ओ० 3974.—सर्वश्री फिट्ज एंड सिंह प्रा० लि०, 227 नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड कलकत्ता-47 को य०के० भारत अनुरक्षण ऋण के अन्तर्गत य०के० से ससिवत छप्पा पत्र के आयात के लिए 2,31,000 रु० मूल्य का आयात लाइसेंस सं० पी/डी/2179105/एम/एल आई/35/ब/29-30 दिनांक 23-4-70 प्रदान किया गया था। फर्म ने यह बताते हुए एक शपथ-पत्र जमा किया है कि किसी भी सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराए और उपयोग किए बिना ही उक्त लाइसेंस की सीमा-शुल्क प्रति खो गई है / गलत स्थान पर रख दी गई है।

अधोहस्ताक्षरी इस से संतुष्ट है और निदेश देता है कि खोई हुई, गलत स्थान पर रखी गई प्रति के स्थान पर ००के०/भारत अनुरक्षण ऋण के अन्तर्गत 2,31,000 रुपये के लिए अनुलिपि सीमा-शुल्क प्रति जारी की जाए। उक्त लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क प्रति एतद्वारा रद्द की जाती है।

[मि० संख्या: आटो-44(4)/ए एम-70/आर एम-4]

जा० डी० बहल,

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

New Delhi, the 26th November 1970

S.O. 3975.—M/s. Associated Battery Makers (Eastern) Ltd., Barlow House, 59C, Chowringhee Road, Calcutta-20 were granted import licence No. P/D/2178423/R/IN, dated 1st April, 1970, under 4th IDA Credit for import of Raw, Materials/Components for the manufacture of Storage Batteries as per list attached to it, valued at Rs. 62,35,000 only. They have requested for the issue of duplicate Exchange Purpose Copy of the licence on the ground that the original Exchange Copy of the licence has been lost by them. It has been further reported by the licensee that the licence had an unutilized balance of Rs. 22,90,006. The licence was registered with Calcutta Customs Office.

2. In support of their contention, the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Exchange Purposes Copy of the licence No. P/D/2178423/R/IN, dated 1st April 1970, has been lost and directs that a duplicate Exchange Purposes Copy of the said licence should be issued to the applicant. The original Exchange Copy is cancelled.

The duplicate Exchange Purposes Copy is being issued separately.

[No. F. Battery/1(4)/69-70/R M.I.I.]

G. D. BAHL,

Dy. Chief Controller of Imports & Exports.
for Chief Controller of Imports & Exports.

(मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

आदेश

नई दिल्ली, 26 नवम्बर 1970

एस० ओ० 3975.—सर्वश्री एसोशिएटेड बैटरी मेकर्स (ईस्टर्न) लि० बारलौ हाउस, 59 सी, चोरंगी रोड कलकत्ता-20 को चौथे आई डी ए क्रेडिट के अन्तर्गत संचयन बैटरियों के निर्माण के लिए लाइसेंस के साथ मेलन सूची के अनुसार कच्चे माल/संघटकों के आयात के लिए 62,35,000 रु० मात्र का आयात लाइसेंस सं० पी/डी/2178423/आर/आई एन दिनांक 1-4-70 प्रदान किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि उन के द्वारा मूल मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई है। लाइसेंसधारी द्वारा आगे यह बताया गया है कि लाइसेंस में 2290006 रुपये शेष थे जिन का उपयोग नहीं किया गया था। सीमा-शुल्क कार्यालय, कलकत्ता के पास लाइसेंस पंजीकृत किया गया था।

उपरोक्त के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र जमा किया है। अधोहस्ताक्षरी इससे संतुष्ट है कि लाइसेंस सं० पी/डी/2178423/आर/आई एन दिनांक 1-4-70 की मूल मुद्रा-विनिमय

नियंत्रण प्रति जो गई है और निदेश देना है कि उक्त लाइसेंस की अनलिपि मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रति आवेदक को जारी की जानी चाहिए। मूल मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रति रद्द की जाती है।

अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[सं० मिसिल सं० बैटरी/1(4)/69-70/आर एम 2]

जी० डी० बहल,

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

कुते-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।

MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 12th November 1970

S.O. 3976.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri T. K. Dongle to be an Inspector for the whole of the State of Maharashtra for the purposes of the said Act and of any Scheme framed thereunder, in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government, or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oil field or a controlled industry.

[No. 21(8)/69-PF.I.]

DALJIT SINGH, Under Secy.

श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय

(श्रम और रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1970

का० प्र० 3976.—कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद् द्वारा श्री टी० के० डोंगले को उक्त अधिनियम और उसके अधीन विरचित किसी स्कीम के प्रयोजनों के लिए केंद्रीय सरकार का या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्थापन के संबंध में सम्पूर्ण महाराष्ट्र राज्य के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है।

[संख्या 21 (8)/69—पी०एफ०—1]

दलजीत सिंह, प्रवर सचिव।

(Department of Labour & Employment)

New Delhi, the 12th November 1970

S.O. 3977.—In exercise of the powers conferred by sub-sections (3) and (4) of section 5A of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), the Central Government hereby appoints Brigadier R. J. Nerurkar, Chief Engineer (Project), Mormugao Port Trust as the Chairman and Member of the Mormugao Dock Labour Board vice Shri V. Srinivasachary with effect from the afternoon of the 20th October, 1970 and makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2930, dated the 20th August, 1968, namely:—

In the said notification, for the words and letter "Shri V. Srinivasachary" in both places where they occur, the words and letters "Brigadier R. J. Nerurkar" shall be substituted.

[No. 57/8/68-Fac. II/P&D.]

C. RAMDAS, Dy. Secy.

(श्रम और रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1970

का० प्र० 3977.—डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 5-क उपधाराओं (3) और (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार

एतद्वारा त्रिगडियर आर० जे० नेहरुकर, मुख्य अभियंता (परियोजन), मोरुंगाओ रोड ट्रस्ट को श्री बी० श्रीनिवासाचार्य के स्थान पर 20 अक्टूबर, 1970 के अपरान्त से मोरुंगाओ डाक श्रम बोर्ड के अध्यक्ष और सदस्य के रूप में एतद्वारा नियुक्त करती है और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 2930, ता० 20 अगस्त, 1968 में और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, नमः—

उक्त अधिसूचना में “श्री बी० श्रीनिवासाचार्य” शब्दों और वर्णों के, उन दोनों स्थानों में जहाँ वे आते हैं, स्थान पर “त्रिगडियर आर० जे० नेहरुकर” शब्द और वर्णों का प्रतिस्थापन किया जायेगा

[सं० 57/8/68—फक०—2] ।

सी० रामदास, उप सचिव ।

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 30th November 1970

S.O. 3978.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Hyderabad, in the industrial dispute between the employers in relation to the Allahabad Bank Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th November, 1970.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT:

Sri T. Chandrasekhara Reddy, B.A., B.L., Chairman, Industrial Tribunal, Andhra Pradesh, Hyderabad.

INDUSTRIAL DISPUTES No. 20 of 1969

BETWEEN

Workmen of Allahabad Bank Ltd. Hyderabad Branch, Hyderabad.

AND

Employers of Allahabad Bank Ltd., Calcutta.

APPEARANCES:

Sri A. Sundara Rao, General Secretary, Andhra Pradesh Bank Employees' Federation, Hyderabad, for the workmen.

Sri B. K. Seshu, Joint Honorary Secretary, A. P. Chamber of Commerce & Industry, Hyderabad, for the Employers.

AWARD

By an Order dated 17th July, 1969 the Government of India through the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) the dispute between the employers in relation to the Allahabad Bank Limited and their workman in respect of the matter specified below had been referred to the Industrial Tribunal of which Sri Mohammad Najmuddin was the Presiding Officer. Subsequently after the expiry of the tenure of Sri Mohammad Najmuddin, the dispute has been referred to me for adjudication along with other matters. The dispute referred for adjudication is the following:—

Whether, having regard to the terms of Settlement under Chapter V of item (xviii) under the head “Head Cashier-Category E” in Appendix B of the Bi-partite settlement dated the 19th October, 1966, the management of Allahabad Bank Limited, Calcutta, is justified in denying special allowance of Rs. 70 per mensem to Shri Balakrishna Reddy, Head Cashier in the Hyderabad Branch? If not, to what relief is the workman entitled?

2. The workmen of the Allahabad Bank represented by the Allahabad Bank Employees Union, Hyderabad, has filed a claims statement through its General Secretary alleging inter alia that the workman, Balakrishna Reddy, has been working as Assistant Cashier since 6th October, 1960 in the Hyderabad Branch of the Allahabad Bank and was discharging the responsibilities of Head Cashier. So the said Balakrishna Reddy represented to the Management of the Bank on 15th October, 1968 to pay him the difference between A category Head Cashier's allowance and E category Head Cashier's allowance from May, 1967 onwards for which the Management did not send a reply. So an industrial dispute was raised before the Assistant Commissioner of Labour (Central), Hyderabad, on 26th October, 1968 because it was apprehended that the Bank Authorities might withdraw the clearing department duties from the purview of the Head Cashier so as to deprive him of the above allowance as they did in the Bangalore Branch. As the conciliation failed, the present industrial dispute has been referred to the Tribunal.

3. In view of the Bi-partite settlement effected on 19th October, 1966, the employers of the Allahabad Bank had to complete the reallocation of special allowance duties to the staff members within three months from the date of the Bi-partite settlement, i.e., within 19th January, 1967. According to the Bi-partite settlement referred to above, the duties of the Head Cashier of Category A were: holding of the Bank's cash, keys, and/or other valuables in safe custody jointly with an officer and being accountable for them and being responsible for the running of cash department. However, the employers were entrusting the same duties, which the previous Head Cashier was doing, to the said Balakrishna Reddy although they did not give anything in writing in regard to the nature of duties he should perform with the result that he continued to do the duties which his predecessor was doing including the clearing duties. In other words, it is pleaded that the said Balakrishna Reddy was performing more duties than those prescribed for A category Head Cashier and some of them fell within the purview of E category Head Cashier. He was doing opinion compilation work and verification of vernacular signatures and was in charge of the Clearing Department and thus he was performing the duties mentioned under sub-items (ii) and (iii) of items (xviii) of Chapter V, Appendix B of the settlement. Yet, he was paid only the special allowance of Rs. 27 per month from May, 1967, which is payable to an A category Head Cashier. So they prayed the Tribunal to direct the management to pay Balakrishna Reddy the difference between E category Head Cashier special allowance of Rs. 70 per month and A category Head Cashier special allowance of Rs. 27 per month.

4. The employers of the Allahabad Bank filed their written statement admitting that Balakrishna Reddy was first appointed as Assistant Cashier in the Hyderabad Branch of the Bank on 6th October, 1960, that he was entrusted with the duties of the Head Cashier of the Bank from May, 1967, consequent on the death of the previous Head Cashier, that as he was performing the duties of the Head Cashier of Category A in terms of the Bi-partite Settlement, dated 19th October, 1966, he was paid the allowance of A category Head Cashier and that the said Balakrishna Reddy made a representation claiming E category allowance. Even before the Bank's decision could be communicated, the said Balakrishna Reddy raised an industrial dispute before the Assistant Labour Commissioner (Central) Hyderabad and as the conciliation failed, a reference was made to this Tribunal. The employers also admitted that Balakrishna Reddy was performing the duties which his predecessor was performing, that he was paid Rs. 27 per mensem as special allowance payable to A category Head Cashier and that he was doing more or less the same duties as mentioned in paragraph 4 of the statement of claims but they did not agree with the interpretation placed by the workmen in regard to the relevant provision of the Bi-partite Settlement. They denied that Balakrishna Reddy was doing the supervision of the clearing section and the opinion compilation work or any of the duties mentioned in paragraph 6 of the statement of claims and asserted that he was not entitled to the special allowance of Rs. 70 per mensem payable to E Category Head Cashier. According to the Bank, Balakrishna Reddy was performing the duties of Head Cashier even prior to 19th October, 1966, when the Bi-partite Settlement came into force but under the Bi-partite Settlement a distinction was made in the special allowance payable to Head Cashiers discharging different types of duties. Under the terms of the Bi-partite Settlement a Head Cashier performing all or any of the duties on a regular assignment only was entitled to the higher special allowance of Rs. 70 per mensem payable to E Category Head Cashier and Balakrishna Reddy was not at all performing the duties of discharging/endorsing bills, cheques etc. and guaranteeing the cash staff under

him and that he was not in-charge of clearing and godown departments etc. on a regular assignment or in any other manner so as entitle him to the special allowance of Rs. 70 per mensem. He was also not doing opinion compilation work and verification of vernacular signatures on a regular assignment or in any other manner so as to entitle him to the special allowance of Rs. 70 per mensem. In any event, it was averred that even assuming that Balakrishna Reddy had occasionally attended to opinion compilation work in view of the note appended to the duties of Head Cashier of Category A (vide Appendix B of Bi-partite Settlement, dated 19th October, 1966), the additional allowance that can be claimed in respect of that duty was only Rs. 5 per mensem and not Rs. 70. It was also pleaded that the duties performed by Balakrishna Reddy did not involve any element of supervision on his part over the work of the clearing section and so his claim for Rs. 70 per mensem on that ground was not maintainable and he had to prove that he was "Incharge of Clearing and Godown Department etc." So they contended that the claim was untenable and that the same may be rejected.

5. The question for determination is whether Balakrishna Reddy the Head Cashier of the Hyderabad Branch of the Allahabad Bank is entitled to the special allowance of Rs. 70 payable to E category Head Cashier as per Chapter-V of item (xviii) of the Bi-partite Settlement, dated 19th October, 1966. It is common ground that the special allowance prescribed in Rule 5.2 of the Bi-partite Settlement, dated 19th October, 1966, is intended to compensate a workman for performing or discharging certain additional duties and functions requiring greater skill or responsibility over and above the routine duties and functions of a workman in the same cadre. But Rule 5.6 mentions that special allowances were not intended to be paid for casual or occasional performance or discharge of such duties or functions and that in order that a person to be entitled to special allowance such additional duties and functions should constitute the normal part of the duties and functions performed or discharged by a workman. However, it was not necessary that a workman should continue to perform such duties or discharge such functions, whole time, in order to be entitled to such allowance. As stated already, the additional duties and functions involving greater skill or responsibility, which entitle a workman to a special allowance have been enumerated for each category of workman in Appendix B. Rule 5.7 mentions that special allowance would be payable for all or any of the duties listed in Appendix B except where it is specifically provided therein that for a particular category the additional duties entitling to a special allowance include or involve all the duties listed under that category. Under Rule 5.8 a workman would be entitled to a special allowance if he was required to perform duty or duties and/or undertakes the responsibilities listed against the category irrespective of his designation or nomenclature or any general authority vested in him. Rule 5.11 mentions that wherever a bank requires a workman to work in a post carrying special allowance, it would normally be done by an order in writing and Rule 5.12 mentions that Banks will, as early as possible, use in all their records, correspondence, etc. nomenclatures used in appendix B hereto for appropriate duties. It may also be mentioned here that Head Cashiers of Category A working in Banks other than the Subsidiary Banks of the State Bank of India would be entitled to Rs. 27 as special allowance, while Head Cashiers in Category E would be entitled to Rs. 70 as special allowance. Head Cashiers in Category C would be entitled to special allowance of Rs. 45 per month. It would be pertinent to mention at this stage the duties of the several categories of Head Cashiers as mentioned at page 67 of the printed book.

(xiv) Head Cashiers "Category A" (For Banks other than the Subsidiary Banks of the State Bank of India):

Their duties involve:—

Holding the bank's cash, keys and/or other valuables in safe custody jointly with an officer and being accountable for them and being responsible for the running of the Cash Department.

NOTE:—In banks where such practice is in existence, the opinion compilation work and verification of vernacular signatures/endorsements may, if the bank so desires, be continued to be done by the employees under this category without disturbance, in which case the Head Cashier shall be entitled for an additional Special Allowance of Rs. 5/- p.m.

- (xv) Head Cashier 'Category B' (For the Subsidiary Banks of the State Bank of India):

Their duties involve—

- (i) holding the bank's cash, keys and/or other valuables in safe custody jointly with an officer and being accountable for them and being responsible for the running of the Cash Department, and
- (ii) opinion compilation, and
- (iii) verification of vernacular signature|endorsements.

- (xvi) Head Cashiers, 'Category C' (For Banks other than the Subsidiary Banks of the State Bank of India):

Their duties involve:

- (i) holding the bank's cash, keys and/or other valuables in safe custody jointly with an officer and being accountable for them and being responsible for the running of the Cash Department, and
- (ii) countersigning cheques and/or drafts (on selves or correspondents), payment orders, deposit receipts etc.

NOTES:—(1) In banks where such practice is in existence, the opinion compilation work and verification of vernacular signatures|endorsements will continue to be done by employees under this category without disturbance.

(2) 'Countersigning' means signing in a manner whereby the primary responsibility for ensuring that all the formalities are complete, rests with the other signatory.

(3) In banks where the practice of discharging bills|hundies, for payment received only, is in existence it may be continued to be done by this category.

- (xvii) Head Cashiers 'Category D' (For the Subsidiary Banks of the State Bank of India):—

Their duties involve—

- (i) holding the bank's cash, keys and/or other valuables in safe custody jointly with an officer and being accountable for them and being responsible for the running of the cash Department, and
- (ii) Opinion compilation work, and
- (iii) Verification of vernacular signatures|endorsements,
- (iv) attending to Government Treasury Work.

- (xviii) Head Cashiers 'Category E' (For all Banks including the Subsidiary Banks of the State Bank of India):

Their duties are the same as those of Head Cashiers in Category (A) or (B) or (C) or (D) plus all or any of the following duties:—

- (i) discharging|endorsing bills, cheques, etc;
- (ii) opinion compilation work and verification of vernacular signatures (to the extent it is not already covered under Categories A, B, C or D);
- (iii) being in charge of clearing and go-down departments etc;
- (iv) guaranteeing the cash staff under them.

6. We have to examine the case of the claimant in the light of the above terms of the Settlement. The main contention of the workmen is that as Balakrishna Reddy the claimant was Incharge of the Clearing and Cash Departments and was doing opinion compilation work, he was entitled to the special allowance of Rs. 70/- payable to E category Head Cashiers, that the Authorities of the Allahabad Bank had wrongfully withheld payment of that allowance and that instead they paid him only Rs. 27/- treating him as A category Head Cashier. In this connection it is also mentioned that the order issued to him by the Agent of the Bank merely mentions that he will be paid Rs. 27/- as special allowance without mentioning either the category or specifying the duties he had to perform and that he was entrusted with all the duties which his predecessor was doing. But the management of the Bank contends that the claimant was not supervising the clearing section or doing the opinion compilation work, that Balakrishna Reddy was not attending to the clearing of the good in the godowns and was attending partially to clearing of cheques, that there was no clearing department as such in their Branch at Hyderabad, that opinion compilation work was done by the Manager of the Bank, that except that in a few instances when Balakrishna Reddy had done

the opinion compilation work at the behest of the Manager, he was not regularly doing that work, that therefore the management did not violate the terms of the Bi-partite Settlement of 1966 and that Balakrishna Reddy was appropriately paid A category Head Cashier's allowance of Rs. 27/- per month. It is also contended on behalf of the respondent Bank that it would be necessary for the claimant of the special allowance of Rs. 70/- payable to E category Head Cashier to prove that he was "Incharge of Clearing and Godown Departments etc." In support of their contentions the workmen have examined five witnesses including Balakrishna Reddy, while the Manager of the Hyderabad Branch of the Bank is examined as M.W. 1 on behalf of the Bank. In addition, Exs. W1 to W8 have been marked for the workmen, while on behalf of the Bank Exs. M1 to M9 have been exhibited. I will now briefly refer to the oral and documentary evidence let in by the parties.

7. W.W. 1 is Balmukand Lahoti, the Head Cashier of Begum Bazar Branch of the Central Bank of India which is also an A Class Bank like the Allahabad Bank. He was Incharge of the Clearing Department in the Central Bank of India. According to him, he receives the cheques presented by the customers drawn on other Banks in the twin cities, and not on Banks outside the twin cities, and issues receipts therefor and if the parties deposit cash he signs on the counter-foil issued to the parties and it constitutes a valid receipt to the parties. In regard to the cheques presented by the customers on other banks in their Bank he would merely issue a receipt. He would say that no other officer of the Bank signs those receipts, that he was not Incharge of the Godown Department, that he also submits financial credit reports with respect of prospective borrowers after making the required enquiries and he was also verifying the vernacular signatures. It was only after consulting him that the Agent was granting leave to members of the Staff in the Cash and the Clearing Departments. It is in his evidence that he was paid the special allowance of E Category Head Cashier. His evidence is un-challenged.

8. W.W. 2 is the Head Cashier of the Nampally Branch of the Central Bank of India. It was started on 17th October 1969. He was C Grade Head Cashier and was paid special allowance of Rs. 45. Prior to the starting of the Nampally Branch of the Central Bank of India, he was working as Assistant Cashier of the main office in the Central Bank, Hyderabad. Then his only duty was paying cash or receiving cash across the counter, but after the Branch at Nampally was opened, he was promoted as Head Cashier and he was in sole charge of the Cash Department. In the beginning he was Incharge of the Clearing Department also for three months and was paid Rs. 70 then as special allowance as he was E category Head Cashier. But since the time when subsequently the clearing department was taken out of his charge he is paid special allowance of Rs. 45 which is payable to a C grade Head Cashier. He further stated that even when he was Incharge of the Clearing Department, he was not Incharge of the godown department, that the godown department was under the charge of an officer of the Bank, that he as a C grade head cashier was issuing receipts for cash received from the customers but was not issuing receipts for cheques lodged for local clearance. As C grade Head Cashier he was making reports about the financial credit of prospective borrowers and verifying vernacular signatures. The members of the staff in the cash department were given leave by the Branch Manager only after consulting with him.

9. W.W. 3 is Damodara Rao, Head Cashier at Hyderabad Branch of the Punjab National Bank for the past twenty years. He was Incharge of the Cash Department, i.e., one of the two double lock keys of the strong room where cash was kept was in his custody while the other key was with the Manager. It was his responsibility to tally the cash transactions. According to him, he was not signing the receipts for cash deposits by customers and was not making financial credit reports in respect of prospective borrowers. He was not verifying vernacular signatures and was not also Incharge of the Clearing Department or Godown Department. He was paid special allowance of Rs. 27 per month following the implementation of the Bi-partite Settlement.

10. W.W. 4 is Nalin Kumar Jain. He was working as Assistant Cashier in the Hyderabad Branch of the Allahabad Bank. He was previously making cash payments in the cash department but he was deputed by Balakrishna Reddy, the Head Cashier to work in the clearing department. His duties as enumerated by him are: he enters the cheques in the register for local clearance and then sends them to the Head Cashier. If any mistake had been committed in making entries, the Head Cashier gives the necessary instructions to rectify them and receipts for cheques also were signed by the head cashier. It was he that used to carry cheques twice every day to the clearing house, which was

situated near the State Bank of Hyderabad at Gunfoundry, and was paid Rs. 0-75 Ps. per trip. He used to prepare settlement vouchers and then show them to the head cashier, whose duty it was to see whether they were in order. Then he would enter them in the clearing token book and thereupon they would be sent to the ledger clerk. He takes the cheques to the clearing house. He would inform the Head Cashier on the telephone whether the position is favourable or adverse. If the position was adverse, the head cashier would provide necessary funds. He denied the suggestion that he was informing the Manager on the telephone from the clearing house and not the Head Cashier. According to him, he brings cheques drawn on his bank, sort them, enter the number of cheques in a token book meant for different clerks and deliver them to the concerned clerks under their acknowledgements and then the ledger clerk sends to him the cheques which have to be returned from out of the inward clearing and the objection memo attached to such a cheque is signed by the Manager.

11. W.W. 5 is Balakrishna Reddy, the Head Cashier, Hyderabad Branch of the Allahabad Bank. According to the witness, in their branch there were departments relating to Current Account, Cash Credit, Savings Bank, Drafts, Bills, Godown, Cash and Clearing. He was paid Rs. 27 per month as special allowance according to the order Ex. W1, dated 3rd January 1968. That Ex. W1 does not mention specifically the duties he had to perform or the category of the head cashier in which he was placed. According to him, the management had not given him in writing the duties he had to perform inspite of the specific terms of the Bi-partite Settlement to that effect. However, he was Incharge of the Cash Department, Clearing Department and was giving financial credit certificates to the prospective borrowers and opinions in that connection and reports were called for from other banks in respect of customers of the Allahabad Bank. He states that the Manager would sign the cash balance every day and that on that count only it could not be said that the Manager was Incharge of the Cash Department. It was he that signed in the clearance register after checking the items in the vouchers and the entries at pages 245 and 246 dated 4th March 1969 marked as Ex. W2(a), in W2 the local register showed that he signed after checking them and tallying them with the main clearing schedule and with the cash book. According to him, none else would initial them in token of the correctness of the entries and without his signature upon the voucher, the ledger clerk would not post them in the ledger. Ex. W3, dated 28th July 1967 was a clearing credit voucher to the credit of one Mir Ashraf Ali signed by him. He denied the suggestion that his signature was only there to show that it was received by him and sent for clearance. He asserted that his signature would prove that the party could be afforded credit to the extent of the amount mentioned therein. His signature in respect of cash deposit vouchers would also indicate that the amounts mentioned therein could be credited to that party and it was only thereafter all vouchers were passed by the manager and others. Further he alone signed the receipts for cash and cheques received in their branch. If such a cheque was lost or misplaced, he was responsible for that. Even for the cheque drawn on an out station branch, i.e., outside the twin cities, he was issuing receipts and the department which collects out station cheques was called Bills Department. But he admitted that he was not Incharge of that Department. He was allotting duties to the staff in the clearing and cash departments. Members of the staff in those two departments had to make applications for leave through him and leave was granted if approved by him. He was also giving financial credit certificates to the prospective borrowers and was giving his opinions in that respect in regard to the customers of their branch whenever a report was called for from other Banks. Exs. W4, W5 were instances where such financial reports were called for in respect of Alam Ali Khan and M/s. K. S. Mohinder Singh, respectively Ex. W6 was an instance of conveyance charge paid to him for going out to collect the information in connection with the opinion compilation. In 1968, he says, he had given a number of credit opinion reports and even in 1969 he had given some such reports but since the middle of 1969 he was not asked to give such reports.

12. He was a Treasurer of the All India Allahabad Bank Employees Co-ordination Committee and in that capacity he knew about the functioning of the cash departments in the several branches of the Allahabad Bank. According to him, the Head Cashier in the Branch at Guntur and Bangalore were not Incharge of the clearing department and they were paid the special allowance of Rs. 27 only. Further, he was also the Treasurer of the Andhra Pradesh Bank Employees Federation. So he knew about other Banks also. He asserted that there was no Bank in which the godown department was incharge of a Head Cashier. He admitted that he was not Incharge of the goods. He corroborated

the evidence of W.W. 4. He admitted that he does not sign the settlement voucher that he does not endorse or discharge the bills and that he had not guaranteed cash staff working under him.

13. As against the above evidence led on behalf of the workmen, M.W. 1 the Manager of the Allahabad Bank deposed that the claimant Bala Krishna Reddy was working as Head Cashier since May 1967 after the death of Sundermal Jain the previous Head Cashier. Ex. W1 is the order appointing the claimant as Head Cashier and issued by him. According to him, the claimant did not ask for clarification with regard to the duties of the Head Cashier and he did not also raise any objection when he received the order allowing him the special allowance of Rs. 27. It is significant to note that Ex. W1 does not mention to which category the special allowance granted to the claimant pertained or the duties of the Head Cashier, W.W. 5. About the clearing of cheques and clearing of goods he would say that there was no department as such in their branch for clearing either in respect of cheques or goods and various members of the staff dealt with them at different stages. However, he enumerated the duties of the claimant in respect of clearing of cheques by saying that the claimant receives the cheques, signs in vouchers relating to them, tallies the total amount of the cheques received with that sent to the clearing house and gets them corrected if there were any errors in writing the amount of cheques or receipts. After the Head Cashier issues the receipt, the cheques must be entered in the clearance register and the head cashier is responsible to see that such an entry is made. The register in which the entries involving local cheques are made is an important register and the entries are checked and verified by the head cashier. As soon as a cheque is received it is the duty of the head cashier to affix on it the bank's cross stamp. Similarly it is also the duty of the head cashier to collect the amount of cheques and if he fails to collect, he will be responsible. According to him, the claimant does not pass any vouchers and it is only the manager that passes it. But he admitted that before these vouchers are posted in the ledger, they are signed by the head cashier in token of having received the cheque and included among the other clearing cheques and after the amount is realised the ledger clerk posts it in the ledger and depending upon the amount involved, it goes to him or the Assistant Officer or to the special Assistant and the voucher is sent to the ledger keeper for posting before it goes to the clearing section. Even according to him vouchers do not contain his signatures before they are posted in the ledger. Opinion compilation work was done by the manager in their branch but he admitted that there is no rule or a written order to that effect. He also stated that in a few instances, viz., twice in 1966 and once in 1967, he had asked the claimant, Balakrishna Reddy, to do opinion compilation work. However, he asserted that since the commencement of 1968 there were 17 such instances where he (the witness) himself had attended to that work. He denied that the head cashier alone was called upon to make financial credit reports and he had stopped asking the claimant to do that work after the claimant took the matter to conciliation but admitted that the claimant made an application to him asking for special allowance payable to E grade head cashier and that Ex. W8 was a copy of the application given to him.

14. On the basis of the above material it is argued for the claimant, Balakrishna Reddy, that as Head Cashier of the Hyderabad Branch of the Allahabad Bank, which is an A Class Bank, he was the custodian of the double lock safe keys and was receiving cash and cheques and issuing receipts and signing vouchers relating to them and was responsible to see that such entries are made in the register and checking the entries in the register and was thus Incharge of the Cash Department. It is further urged that he was also Incharge of the Clearing Department and all leave applications in the Cash and Clearing Departments were sanctioned by the Manager only after the approval of the Head Cashier. It is also urged that he was doing opinion compilation work. According to the claimant, the above duties performed by him involved the duties of the Head Cashier of A Category specified in the Bi-partite Settlement, dated 19th October 1966 and also some of the duties, viz., duties mentioned in sub-items (ii) and (iii) of Item 18 of Appendix B of Chapter V and so he was entitled to the special allowance payable to E Category Head Cashier. But it is pointed for the respondent Bank that the claimant was not Incharge of the Godown Department and that he was not performing either all or any of the duties specified in Item 18 of Chapter V of Appendix B on a regular assignment and that therefore the claimant was not entitled to the special allowance of E Category Head Cashier. Sri B. K. Seshu for the Management contends that the conjunction "and" occurring in sub-items (ii) and (iii) in Item 18 of Appendix B clearly shows that a Head Cashier should be Incharge of not only opinion compilation work but also verification of vernacular signatures or should be Incharge of not

only Clearing department but also Godown department or should be doing all or any of the duties mentioned in sub-items (i) to (iv) in order to claim E Category special allowance. According to Sri B. K. Seshu, the expression "any of the duties" mentioned in item XVIII means any of the duties in full mentioned in each of the sub-items (i) to (iv) in item No. XVIII. He further submits that each sub-item of Item XVIII mentions one duty and that each of sub-items (ii) and (iii) also mentions only one duty and not two duties as is contended for the claimant. At best, it is urged for the Management that on the basis of the note under the duties of the Head Cashier of Category A at page 67 the claimant will be entitled to Rs. 5 per mensem for the period he had given financial credit reports and not Rs. 70 payable to E Category Head Cashier. Sri Sunder Rao, the representative of the workmen, submits that the Hyderabad Branch of the Allahabad Bank had no godown department, that the evidence of W.W. 5, the claimant discloses that at no time and in no Bank the Head Cashier was Incharge of the Godown Department, that Balakrishna Reddy, the claimant was Incharge of the Clearing Department and was giving financial credit reports and so he would be entitled to E Category Head Cashier's special allowance. In support of his above contention he urges that giving opinion compilation reports constituted a separate duty and had nothing to do with verification of vernacular signatures, that similarly being Incharge of the Clearing Department constituted a separate duty unconnected with being Incharge of the Godown Department and that the conjunction had no meaning at all. According to him, the expression "any" occurring in Item XVIII means any one of the above duties. He submits that the evidence of W.W. 1 and W.W. 2 would establish that even when they were only Incharge of the Clearing Department without being Incharge of the Godown Department, each of them was paid Rs. 70 as special allowance payable to E Category Head Cashier. According to him, the evidence of W.Ws. 1 and 2 would go to show as to how the parties to the settlement understood the above terms of the settlement. It is also urged for the claimant that the evidence of W.Ws. 1 and 2 is not at all challenged and that therefore the above contention advanced on behalf of the management has no force. In paragraph 5 I have already extracted the duties assigned to Head Cashiers of Category E for all Banks including the Subsidiary Banks of the State Bank of India. It is significant to note that the expression "etcetera" occurring in sub-items (i) and (iii) of Item XVIII clearly establishes that the duties performed by the E Category Head Cashiers are not exhaustively mentioned therein and that they are only enumerated. The above expression "etcetera" only indicates that duties similar to discharging/endorsing bills, cheques or being Incharge of clearing and godown departments should be performed by a person claiming E Category special allowance. It is worthy of note that in sub-items (ii) and (iii) there is the conjunction "and" in between and not 'or'. This shows that opinion compilation and verification of vernacular signatures constitute one duty and being Incharge of clearing and godown departments constitute one duty. To put it differently, each sub-item mentioned in sub-items (ii) and (iii) mentions only one duty. The plain language of item 18 shows that if a head cashier is doing all the duties mentioned in sub-items (i) to (iv) or any of the duties mentioned in sub-items (i) to (iv) of item 18 in addition to the duties attached to A or B or C or D Category Head Cashiers, he will be entitled to E category special allowance. In other words, if a head cashier is not doing all the duties mentioned in sub-items (i) to (iv) of item 18 of Appendix B in Chapter V, he must atleast be doing the duties mentioned in sub-item (i) or (ii) or (iii) or (iv) in full in addition to the duties attached to A, or B or C or D Category Head Cashier to become entitled to E category special allowance. In the instant case the evidence of W.W. 1 and W.W. 2 shows that they were not only Incharge of Cash and Clearing Departments, though not godown department, but they were also doing opinion compilation work and verification of vernacular signatures (sub-item (ii) of Item 18 in full) and that therefore they are paid E category special allowance. That means each of them was doing the duties mentioned in sub-item (ii) in addition to being Incharge of opinion compilation work and being Incharge of the Cash Department. No doubt, M.W. 1 denies that there is no clearing department in his branch of Allahabad Bank but the other facts stated by him in his evidence belie the above statement. Further, W.W. 5, Balakrishna Reddy, has stated that there were cash and clearing departments in the Hyderabad Branch of the Bank. In addition, there is also the evidence of W.W. 4 which clearly supports the above evidence of W.W. 5. Hence I hold that the claimant is Incharge of Cash and Clearing Departments. Exs. W4 to W6 clearly establish that the claimant, Balakrishna Reddy, was doing opinion compilation work in 1967. No doubt he asserted that he had submitted a number of financial credit opinion reports in 1968 and some in the years 1969 but except his self-serving assertion there is no other material on record to substantiate his above statement. He has not summoned any record or given out any

instance to prove that he was performing the above work in 1968 or 1969. He was unable to say on how many occasions he had performed the above work in 1968. As against this, M.W. 1 has stated that since the commencement of the year 1968 there were 17 instances of credit reports and in all those cases he had collected the information and sent up financial credit opinion reports and that the last occasion when W.W. 5 had given the financial credit opinion report was in 1967 and not later. It is true that a suggestion had been made to M.W. 1 on behalf of the workmen that he had stopped asking W.W. 5 to submit financial credit opinion reports when W.W. 5 took the matter for conciliation. But it is significant to note that the claimant had failed to produce any material or cite even one instance to prove that he had given opinion compilation reports in 1968. Further, the case of the respondent Bank is that even before the Bank sent a reply to the original of Ex. W8 the application by the claimant to give him E Category special allowance, W.W. 5 took the matter for conciliation. Ex. W8 is dated 15th October 1968 and it is clear from paragraph 2 of the claims statement that the conciliation started on 26th October 1968. It is of materiality to note that the application of the claimant for giving him E grade special allowance was sent only in the middle of October, 1968, i.e., practically at the end of the year 1968. Hence the suggestion that the management stopped asking the claimant to give opinion compilation reports in 1968 only because he put in an application claiming E category special allowance and took the matter for conciliation cannot be accepted as true. That apart, the above suggestion made on behalf of the claimant virtually contradicts the evidence of the claimant himself that he was giving financial credit reports in 1968 and also to a certain extent in 1969. In the absence of proof that W.W.5 had given financial credit opinion reports in 1968 and 1969 it cannot safely be concluded that he had done that work during those years. That apart, W.W.5 had not mentioned in Ex. W.8 that he was giving financial credit opinion reports. In Ex. W.8 he bases his claim only on the ground that he was forming one of the duties mentioned in the duties of E Grade head cashier, viz., being incharge of the clearing department, and not on any other ground. The above circumstance has a material bearing against the claim of W.W.5 that he was giving the financial credit opinion reports even in 1968 and 1969. The contention advanced on behalf of the Bank is that the claimant had done the opinion compilation work on certain occasions in 1967 at the request of the M.W.1 and not as a regular assignment as M.W.1 was under pressure of work and that therefore the claimant could not be entitled to E category special allowance. But it may be pertinent to mention that the claimant was asserting from the beginning that he was doing all the duties which were performed by his predecessor-in-office. It appears to me that the claimant had regularly done opinion compilation work in 1967, i.e., from the time he was appointed as head cashier in the Hyderabad Branch of the Bank. However, it is seen from the material on record that the claimant was incharge of the clearing department only and not godown department and had given opinion compilation reports in 1967 and had not verified vernacular signatures in addition to being incharge of the cash department. So he had not complied with the requirements of Item 18 of Appendix B of Chapter V. So he is not entitled to the special allowance payable to E Category Head Cashier. Consequently the Management of the Allahabad Bank was justified in denying him the special allowance of Rs. 70 per month to the claimant, Balakrishna Reddy.

15. The next question that arises for determination is whether the claimant, Balakrishna Reddy, was entitled to any other relief. As stated already, the claimant had been doing the opinion compilation work in 1967 which his deceased predecessor-in-office was said to have been doing but he was being paid only Rs. 27 as special allowance which is payable to the A category head cashier. At page 67 of the printed book, which incorporates the terms of the Bi-partite Settlement dated 19th October, 1966, after mentioning the duties of the head cashiers of category A for Banks other than the Subsidiary Banks of the State Bank of India, there is a note appended to it which is to the following effect:—

NOTE—In Banks where such practice is in existence, the opinion compilation work and verification of vernacular signatures/endorsements may, if the bank so desires, be continued to be done by employees under this category without disturbance, in which case the Head Cashier shall be entitled for an additional Special Allowance of Rs. 5 p.m.

Even the Management has clearly stated in paragraph 5 of the additional pleas at page 4 of the written statement that the additional allowance that can be claimed in respect of the opinion compilation work would be Rs. 5 per mensem.

only and not Rs. 70/- per mensem in any circumstances. In view of the above, I hold that the claimant is entitled to additional special allowance of Rs. 5/- per mensem from May, 1967, i.e., the date of his appointment as Head Cashier till the end of December, 1967.

16. However, before parting in this case I am constrained to observe that the Management of the Hyderabad Branch of the Allahabad Bank was not fair in issuing Ex. W1 without mentioning the nomenclature used in Appendix B or specifying the duties of the claimant inspite of Rule 5.12 of the terms of settlement, vide page 16 of the printed book enjoining upon the management to specify the nomenclatures used in Appendix B of the Bi-partite Settlement for the appropriate duties.

The issue and the reference are answered as mentioned above.

AWARD passed accordingly.

Given under my hand and the seal of the Tribunal, this the 18th day of November, 1970.

Sd/- T. CHANDRASEKHARA REDDY
Industrial Tribunal.

APPENDIX OF EVIDENCE

IN

I.D. No. 20/69

Witnesses examined for Workmen:

W.W.1: B. M. Lahoti.

W.W.2: G. R. Warker.

W.W.3 P. Damadhara Rao.

W.W.4: Nalin Kumar Jain.

W.W.5: M. Balakrishnareddy.

Witnesses examined for Employers:

M.W.1: C. M. Chandran.

Documents exhibited for Workmen

- Ex. W1.—Appointment order 3rd January, 1968 of Balakrishna Reddy as Head Cashier at special allowance of Rs. 27/-.
- Ex. W2.—Local cash register for the period 23rd July, 1968 to 11th March 1969.
- Ex. W2(a).—Initials made by Sri Balakrishna Reddy in local cash register (Ex. W.2) to prove that he is the incharge of clearing department.
- Ex. W3.—Clearing credit voucher 28th July, 1967 to the credit of Ashra. Ali for Rs. 3,979.48 bearing Reddy's signature.
- Ex. W4.—Bunch containing four sheets regarding opinion compiler (solvency report of financial report of Mr. Alam Ali Khan).
- Ex. W5.—Bunch containing six papers regarding opinion compiler (solvency report or Financial report of Mrs. K. S. Mohinder Singh.)
- Ex. W6.—Charges debit voucher for Rs. 9/- 28th July, 1967 for obtaining the financial reports (conveyance charges paid to Sri Reddy by the bank).
- Ex. W7.—Clearing credit voucher for Rs. 1,001.53 of Hyderabad Cycle Stores 12th July, 1967 and it bears Sri Reddy's signature.
- Ex. W7(a).—Clearing credit voucher for Rs. 809.48 of Hyderabad Cycle Stores 12th July, 1967 and it bears Sri Reddy's signature.
- Ex. W7(b).—Clearing credit voucher for Rs. 1,000/- 12th July, 1967 of M/s. Makbans Traders and it bears Reddy's signature.
- Ex. W7(c).—Clearing credit voucher for Rs. 386.65 12th July, 1967 of M/s. Hazarimal Rawatmal and it bears Sri Reddy's signature.
- Ex. W8.—Claim application to the Management by Mr. Reddy 15th October, 1968 for special allowance under Category E.

Documents exhibited for Employers

- Ex. M 1.—Clearing credit voucher for Rs. 37,380.36 dated 28th July, 1969.
- Ex. M 1(a) } Clearing schedules of various banks.
to M.11(y) }
- Ex. M 2.—Clearing charges return debit voucher for Rs. 3,625 dated 28th July, 1967.
- Ex. M 3.—Cash credit voucher for Rs. 4,200 dated 28th July, 1967 of M/s. Harl Trading Co.
- Ex. M 4.—Clearing House Account debit voucher for Rs. 88,868.11 ps. dated 28th July, 1967.
- Ex. M 5.—Clearing settlement voucher for Rs. 51,487.75 ps. dated 28th July, 1967.
- Ex. M 6.—Bank Cheque return memorandum.
- Ex. M 7.—Blank credit voucher for cheques along with counterfoils.
- Ex. M 8.—Blank credit voucher for cash along with counterfoils.
- Ex. M 9.—Blank credit repot fols.

(Sd.) T. CHANDRASEKHARA REDDY,
Industrial Tribunal.

[No. 23/25/69/LRIII.]

S. S. SAHASRANAMAN, Under Secy.

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 7th December 1970

S.O. 3975.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Selected Kajora Jambad Colliery, Post Office Ukhra, District Burdwan, and their workmen, which was received by the Central Government on the 30th November, 1970.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

REFERENCE No. 47 OF 1970

PARTIES:

Employers in relation to the management of S. K. Jambad Colliery.

AND

Their workmen.

PRESENT:

Mr. B. N. Banerjee, Presiding Officer.

APPEARANCES:

On behalf of Employers.—Sri T. D. Tripathi, Agent.

On behalf of Workmen.—Sri Sunil Sen, Organising Secretary, Colliery Mazdoor Sabha, Asansol.

STATE: West Bengal.

INDUSTRY: Coal Mines.

AWARD

By Order No. 6/52/70-LRII, dated September 17, 1970, the Government of India, in the Ministry of Labour, Employment & Rehabilitation (Department of Labour and Employment), referred the following industrial dispute between the employers in relation to the management of Selected Kajora Jambad Colliery and their workmen, to this Tribunal, for adjudication, namely:

- "1. Whether the management of Selected Kajora Jambad Colliery, Post Office Ukhra, District Burdwan was justified in laying-off 264 workmen of the workmen with effect from the 1st August, 1970 and without paying any compensation? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?

2. Whether the management of Selected Kajora Jambad Colliery, Post office Ukhra, District Burdwan was justified in declaring lock-out with effect from the 7th August, 1970 and continuing the same thereafter? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?"

2. Neither the management nor the workmen filed any written statement in this reference. On November 11, 1970, there was a Memorandum of Settlement, sent by post to this Tribunal, covering the present dispute along with other disputes between the parties. To-day, there has been a petition filed before this Tribunal praying that since the present dispute along with other disputes have been mutually settled outside the Tribunal, there is no subsisting dispute which need be adjudicated. It was, therefore, prayed that a 'no dispute' award be passed in the present reference.

3. Since there is no subsisting dispute between the parties at the present moment, I pass a 'no dispute' award in this reference.

(Sd.) B. N. BANERJEE,
Presiding Officer.

Dated, November 23, 1970.

[No. 6/52/70-LR.II.]

New Delhi, the 10th December 1970

S.O. 3980.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of Shri B. S. Sachdev, Assistant Labour Commissioner (Central), Asansol, Arbitrator, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Western Kajora Colliery of Messrs Western Kajora Collieries Private Limited, Post Office Raniganj District Burdwan and their workmen, which was received by the Central Government on the 3rd December, 1970.

**BEFORE SHRI B. S. SACHDEV, ASSISTANT LABOUR COMMISSIONER
(CENTRAL), ASANSOL**

**AND
ARBITRATOR.**

PRESENT:

Shri B. S. Sachdev, Asst., Labour Commissioner (C), Asansol.

PARTIES:

Employers in relation to Western Kajora Colliery of M/s. Western Kajora Collieries (P) Ltd., P.O. Raniganj, Dist., Burdwan.

Vrs.

Their workmen represented by Colliery Mazdoor Sabha (AITUC), G.T. Road, Asansol.

APPEARANCES:

For employers.—Shri P. C. Roy, Labour Officer, Western Kajora Colliery, P.O. Raniganj, Dt. Burdwan.

For workmen.—Shri Sunil Sen, Organising Secretary, Colliery Mazdoor Sabha (AITUC), G.T. Road, Asansol.

STATE: West Bengal.

INDUSTRY: Coal Mine.

Dated, the 26th November, 1970

No. E. 2/25(1)/70.

AWARD

The Central Government having received the arbitration agreement dated 14th May, 1970, between the employers in relation to Western Kajora Colliery, P.O. Raniganj, Dist., Burdwan (hereinafter referred to as the management) and their workmen represented by Colliery Mazdoor Sabha (AITUC), Asansol, Dist., Burdwan (hereinafter referred to as the union) in pursuance of sub-section (I) of Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947, (14 of 1947), referring the industrial dispute between them, the specific matters in dispute being as detailed

below, to my arbitration, and the Central Government being of the opinion that the industrial dispute referred to above existed between the said management and the union, ordered publication of the said arbitration agreement in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) under its order No. 8/86/70-LR. II, dated 10/11th September, 1970.

"Whether the management of Western Kajora Colliery of M/s. Western Kajora Collieries Private Limited, P.O. Raniganj, Dist., Burdwan was justified in refusing the employment of 321 workers (list enclosed) of Western Kajora Colliery on 17th March, 1970, was justified? If not, to what relief are the workmen entitled?"

2. The arbitration agreement dated 14th May, 1970, also provided that the arbitrator shall make his award within a period of six months or within such time as is extended by mutual agreement between the parties in writing. During the course of hearing the parties filed written agreement on 4th November, 1970, extending the period for giving the award by one month i.e., 14th December, 1970.

3. On receipt of the arbitration agreement the parties were requested to submit their written statement. The union filed the written statement on 15th October, 1970, while the management submitted the same on 4th November, 1970. It is not necessary for me to go into the details of the case since the parties filed a petition on 24th November, 1970, before me intimating that they have amicably resolved the dispute on the terms mentioned in the said petition. They further requested me to pass an award on the lines of the aforesaid petition. A copy of the said petition dated 24th November, 1970, is appended herewith. I have gone through the terms of this settlement and I am satisfied that the same are reasonable and just. I, therefore, pass an award accordingly and submit to the Central Government under Section 10A (4) of the Industrial Disputes Act, 1947.

(Sd.) B. S. SACHDEV,

Assistant Labour Commissioner
(Central), Asansol
and
Arbitrator.

**BEFORE SHRI B. S. SACHDEV, ASSISTANT LABOUR COMMISSIONER
(CENTRAL) AND ARBITRATOR.**

In the matter of an arbitration agreement dated 14th May, 1970, U/s. 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 between the management of Western Kajora Colliery of M/s. Western Kajora Collieries Private Limited, P.O. Raniganj, Dist., Burdwan and their workmen represented by Colliery Mazdoor Sabha (AITUC).

Employers in relation to Western Kajora Colliery of M/s. Western Kajora Collieries Private Ltd., P.O. Raniganj, Dist., Burdwan.

Vrs.

Their workmen represented by the Colliery Mazdoor Sabha (AITUC), G.T. Road, Asansol.

Representing the employers.—Shri P. C. Roy, Labour Officer, Western Kajora Colliery, P.O. Raniganj, Dist. Burdwan.

Representing the employees.—Shri Sunil Sen, Organising Secretary, Colliery Mazdoor Sabha (AITUC), Asansol.

The parties jointly inform you that they have since settled the matter amicably on the following terms:—

- (a) All the workmen involved in the dispute shall be paid 35 per cent of their normal wages for 17th March, 1970.
- (b) In respect of piece-rated workmen the above-mentioned 35 per cent of the normal wages shall be calculated on the basis of their earning in the preceeding week.
- (c) These dues shall be paid to all the workmen by 31st December, 1970.

We therefore, request that the arbitrator may please pass an award accordingly.

(Sd.) Illegible,

Representing the employers.

(Sd.) Illegible.

Representing the employees.

Dated, Asansol, the 24th November, 1970.

[No. F. 8/86/70-LR.II.]

New Delhi, the 11th December 1970

S.O. 3981.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947). The Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 3), Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Ashakuty/Phularitand Colliery of Messrs Ashakuty Coal Company Limited, Post Office Katrasgarh, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 30th November, 1970.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 3) AT DHANBAD

REFERENCE NO. 15 OF 1969

PRESENT:

Sri Sachidanand Sinha, M.A.M.L.—Presiding Officer.

PARTIES:

Employers in relation to Ashakuty Phularitand Colliery.

AND

Their workmen

APPEARANCES:

For employers.—Sri P. N. Istwar, Manager, Ashakuty Phularitand Colliery.

For workmen.—Sri Lalit Burman, General Secretary Bihar Koyala Mazdoor Sabha.

STATE: Bihar.

INDUSTRY: Coal.

Dhanbad, dated the 23rd of November, 1970

AWARD

1 The Central Government, being of Opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Ashakuty/Phularitand Colliery of Messrs Ashakuty Coal Company Limited, Post Office Katrasgarh, District Dhanbad and their workmen by its order No. 2/5/69-LR II dated the 24th of February, 1969, referred under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, for adjudication the dispute in respect of the matters specified in the Schedule annexed thereto. The Schedule is extracted below:—

SCHEDULE

“Whether the management of Ashakuty/Phularitand Colliery of Messrs Ashakuty Coal Company Limited, Post Office Katrasgarh, District Dhanbad, was justified in refusing work to Shri Basdeo Sarkar, Fan Operator, with effect from the 17th April, 1968? If not, to what relief is Shri Basdeo Sarkar entitled?”

2. The parties have filed their written statements but it is unnecessary to state the respective cases of the parties because the dispute has been amicably settled. The parties have filed a memorandum of settlement which has been verified by the Manager of the Colliery Sri P. N. Istwar on behalf of the management and by Sri Lalit Burman, General Secretary of the Union on behalf of the workmen.

3. According to the terms of the memorandum of settlement it has been agreed that Shri Basdeo Sarkar will be paid an amount of Rs. 500 (Rupees five hundred only) in full and final settlement of all his claim against the management and that Sri Basdeo Sarkar will not be taken back in employment at the colliery. It has been further agreed that the concerned workman Sri Basdeo Sarkar will have no other or further claim against the employers of the Colliery and it finally resolves the dispute in the present reference and that the premises occupied by the workman concerned will be vacated within three month and any material issued to him during his service will be returned to the management.

4. The terms of settlement are fair and reasonable and the same are accepted. Accordingly an award is made in terms of the memorandum of settlement, a copy of which is enclosed with the award.

5. This may now be submitted to the Central Government under Section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

SACHIDANAND SINHA,
Presiding Officer.

BEFORE THE HON'BLE PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVT., INDUSTRIAL
TRIBUNAL (NO. 3) AT DHANBAD

REFERENCE NO. 15 OF 1969

PARTIES:

Employers in relation to Ashakuti Phularitand Colliery P.O. Katrasgarh, Dt.,
Dhanbad.

AND

Their workman

Joint petition of settlement

The parties above named respectfully beg to submit as under:

1. That the aforesaid matter is pending before this Hon'ble Tribunal for Adjudication;
2. That the parties in the meantime have mutually discussed the issue and have arrived at an amicable settlement in terms hereunder.

Terms of Settlement

- (i) It is agreed that Shri Basdev Sircar will be paid an amount of Rs. 500 (Rupees five hundred only) as full and final settlement of all his claim against the management;
 - (ii) It is agreed that Shri Basdev Sircar will not be taken back in employment at the colliery;
 - (iii) It is agreed that Shri Basdev Sircar will have no other or further claim against the Employers of the Colliery and it finally resolves the dispute in the present reference matter;
 - (iv) It is agreed that the premises occupied by the workman concerned will be vacated within three months and any material issued to him during his service will be returned to the management.
3. That in the circumstances the parties herein concerned respectfully beg to pray that this Hon'ble Tribunal may graciously be pleased to accept this settlement and pass an Award in terms hereof;

And for this act of kindness the parties as in duty bound shall ever pray.

Dated, Dhanbad the 24th day of October 1970

For the workman

1. LALIT BARMAN,

Genl. Secy.

Bihar Koyala Mazdoor Sabha.

2. BASDEV SIRCAR,

For the Employers

(Sd.) Illegible,

Manager,

Ashakuty-Phularitand (Colliery)

P. O. Katrasgarh (Dhanbad.)

[No. 2/5/69-LR. II.]

ORDERS

New Delhi, the 2nd December 1970

S.O. 3982.—Whereas by an order of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. 6/74/70-LR.II, dated the 2nd December, 1970, an industrial dispute between the employers in relation to the management of East Jambad Colliery (Messrs Amalgamated Jambad Syndicate Company Private Limited), Post Office Kajoragram, District Burdwan and their workmen has been referred to the Industrial Tribunal, Calcutta for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby prohibits the continuance of the strike in existence in the said colliery in connection with the said dispute.

[No. 6/74/70-LR.II.]

(श्रम और रोजगार विभाग)

अदेश

नई दिल्ली 2, दिसम्बर 1970

का० आ० 3982.—यतः भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मन्त्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) के आदेश सं० 6/74/70 एल आर०-2, तारीख 2/12/70 द्वारा ईस्ट जामबद्ध कोलियरी मैसर्स अमेलगेमेटेड जामबद्ध, सिन्डिकेट प्राइवेट लिमिटेड, ड. कघर काजोराग्राम, जिला बर्दवान के सम्बन्ध, तन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद को औद्योगिक अधिकरण कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित कर दिया गया है।

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त कोयला खान में उक्त विवाद के सम्बन्ध में विद्यमान हड़ताल के जारी रखने का प्रतिषेध करती है।

[सं० 6/74/70-एल० आर-2]

S O. 3983.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of South Jambad Colliery (Messrs South Jambad Coal Company Limited), Post Office Kajoragram, District Burdwan and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

“Whether the management of South Jambad Colliery (Messrs South Jambad Coal Company Private Limited), Post Office Kajoragram, District Burdwan are justified in not paying Variable Dearness Allowance at the rate of Rs. 1.53 per day with effect from the 1st April, 1970, in accordance with the recommendations of the Central Wage Board for Coal Mining Industry as accepted by the Government of India in their Resolution No. WB-16(5)/66, dated the 21st July, 1967? If not to what relief are the workmen entitled?”

[No. 6/75/70-LRII]

का० आ० 3983.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में साउथ जामबद्ध कोलियरी (मैसर्स साउथ जामबद्ध कोल कम्पनी लिमिटेड), कडाकघर काजोराग्राम, जिला वर्दमान के प्रदन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

“क्या साउथ जामबद्ध कोलियरी (मैसर्स साउथ जामबद्ध कोल कम्पनी लिमिटेड), डाकघर काजोराग्राम, जिला वर्दवान का कोयला खान उद्योग के लिए केन्द्रीय मजदूरी बोर्ड के अनुसार 1-4-70 से 1. 53 रु० प्रतिदिन की दर से बी० डी० ए० न देना, जिसे भारत सरकार ने अपने संकल्प सं० डब्ल्यू बी०-16(5)/66, तारीख 21-7-67 द्वारा स्वीकार किया था, न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कार्यकार किस अनुतोष के हकदार हैं ” ।

[सं० 6/75/70-एल० आर० 2]

S.O. 3984.—Whereas by an order of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. 6/76/70-LRII, dated the 2nd December, 1970 an industrial dispute between the employers in relation to the management of Jambad Colliery (Messrs North Adjai Coal Company Private Limited) Post Office Kajoragram, District Burdwan and their workmen has been referred to the Industrial Tribunal, Calcutta for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby prohibits the continuance of the strike in existence in the said colliery in connection with the said dispute.

[No. 6/76/70-LRII.]

KARNAIL SINGH, Under Secy.

आ० आ० 3984—यतः भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) के आदेश सं० 61/76/70-एल० आर०-2, तारीख द्वारा जामबद्ध कोलियरी (मैसर्स नार्थ अदजे कोल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, डाकघर काजोराग्राम, जिला वर्दवान) के प्रबंधतंत्रसे सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद को औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशन कर दिया गया है ।

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त कोयला खान में उक्त विवाद के सम्बन्ध में विद्यमान हड़ताल के जारी रखने का प्रतिशेध करती है ।

[सं० 6/76/70-एल० आर० -2]

करनेल सिंह, अधर सचिव ।

(Department of Labour & Employment)

New Delhi, the 8th December 1970

S.O. 3985.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947, (14 of 1947), Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Madras, in the industrial dispute between the employers in relation to M/s Modern Transport, Madras and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th November, 1970.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, MADRAS

Tuesday, the 3rd November 1970

PRESENT:

Thiru S. Swamiknnu, B.Sc., M.L., Industrial Tribunal.

INDUSTRIAL DISPUTE No. 40 of 1970

(In the matter of the dispute for adjudication V/s. 10(2) of the Industrial Dispute Act, 1947 between the workmen and the management of M/s. Modern Transport, Madras-1).

BETWEEN

The Secretary, Madras Harbour Workers' Union, "Bhagat House", No. 1/73, Broadway, Madras-1.

AND

The Manager, Modern Transport, No. 62, Northern Beach Road, Madras-1.
Reference:

Order No. 29/6/69-LW I-III, dated 16th July 1969 of the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) Government of India, New Delhi.

This dispute coming on this day for final disposal, upon perusing the reference and all other material papers on record and upon hearing the argument of Thiru R. Ramaswamy Naidu, Manager of M/s. Modern Transport, Madras-1 and the Secretary of the Union being absent and set *ex parte* and the claim statement not having been filed, this Tribunal made the following.

AWARD

I.D. No. 40 of 1970

This is a reference by the Central Government by its order dated 16th July 1969 Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation, of an industrial dispute between the employers in relation to Messrs. Modern Transport, No. 62, North Beach Road, Madras-1 and their workmen in respect to the dismissal of Shri N. Ramaswamy, Supervisor, by the management with effect from 9th October 1968.

2. In spite of several notices sent to the claimant Union, it has not chosen to appear or file any claim statement. The Union is set *ex parte*. The Union has not made out its claim before me. The issue referred to the Tribunal is found against the claimant. An award is passed accordingly.

(Sd.) S. SWAMMIKKANNU,
3-11-70.

Witness Examined

For both sides: None.

Documents Marked

For both sides: Nil.

[No. 29/6/69-P. & D.]

ORDERS

New Delhi, the 9th December 1970

S.O. 3986.—Whereas an industrial dispute exists between the employers in relation to the Management of the Calcutta Port Commissioners, Calcutta and their workmen represented by the Calcutta Port Shramik Union;

And whereas the said employers and their workmen have, by a written agreement under Sub-section (1) of Section 10(A) of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) agreed to refer the said dispute to arbitration and have forwarded to the Central Government, under Sub-section (3) of Section 10(A) of the said Act, a copy of the said arbitration agreement;

Now, therefore, in pursuance of Sub-section (3) of Section 10(A) of the said Act, the Central Government hereby publishes the said agreement which was received by it on the 17th November, 1970.

Agreement under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947

NAME OF PARTIES:

Representing Employers.—Shri T. R. Raghupathi, Secretary, Commissioners for the Port of Calcutta.

Representing Workmen.—Shri Makhan Chatterjee, General Secretary, Calcutta Port Shramik Union.

It is hereby agreed between the parties to refer the following industrial dispute to the arbitration of Shri L. P. Dave, C/o Shree I. L. Pandya, Advocate, Nagarwada, Nadiad (Gujarat).

- (i) *Specific matters in Dispute.*—Whether there is any anomaly in the pay structure of Trimming Porters, Trimming Mates, Trimming Sirdars and Trimming Foremen as evolved by the Central Wage Board for Port and Dock Workers? If so, how should it be removed and from what date?
- (ii) *Details of the parties to the dispute including the name and address of the establishment or undertaking involved.*—The Employers in relation to the Commissioners for the Port of Calcutta, 15, Strand Road, Calcutta-1 and their workmen viz., Trimming Porters, Trimming Mates, Trimming Sirdars and Trimming Foremen represented by the Calcutta Port Shramik Union, 26, Dr. Sudhir Basu Road, Calcutta-23.
- (iii) *Name of the workmen in case he himself is involved in the dispute or the name of the union, if any, representing the workman or workmen in question.*—Calcutta Port Shramik Union, 26, Dr. Sudhir Basu Road, Calcutta-23.
- (iv) *Total number of workmen employed in the undertaking affected.*—42,000 approximately.
- (v) *Estimated number of workmen affected or likely to be affected by the dispute.*—845 approximately.

The Arbitrator shall make his award within a period of six months or within such further time as is extended by mutual agreement between us in writing. In case the award is not made within the period aforementioned, the reference to arbitration shall stand automatically cancelled and we shall be free to negotiate for fresh arbitration.

Signature of the Parties:

Representing Employers—(Sd.) T. R. RAGHUPATHI,
Secretary,
Commissioners for the Port of
Calcutta.

Representing Workmen—(Sd.) MAKHAN CHATTERJEE,
General Secretary,
Calcutta Port Shramik Union.

Witnesses:

- (i) (Sd.) R. CHANDRA,
Secretary,
C.P.S.U.
- (ii) (Sd.) N. D. CHAKRABORTY,
Jr. Assistant Secretary,
Calcutta Port Commissioners.

[No. 72/30/70-P&D.]

आदेशों

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर, 1970

का० आ० 3986.—यतः कनकता पत्तन आयुक्त, कलकत्ता के प्रबन्धन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों, जिनका प्रतिनिधित्व कलकत्ता पत्तन श्रमिक यूनियन करती है, के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः उक्त नियोजकों और उनके कर्मकारों ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क की उपधारा (1) के अधीन लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को माध्यस्थ के लिए निर्देशित करने का करार कर लिया है और उक्त माध्यस्थ करार की एक प्रति उक्त अधिनियम की धारा 10-क की उपधारा (3) के अधीन केन्द्रीय सरकार को भेजी है ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क की उपधारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार उक्त माध्यस्थम् करार को, जो उसे 17 नवम्बर, 1970 को प्राप्त हुआ था, एतद्द्वारा प्रकाशित करती है।

औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10-क के अधीन करार
निम्नलिखित के बीच

पक्षकारों के नाम :

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले

श्री टी० आर० रघुपति, सचिव,
कलकत्ता पत्तन आयुक्त ।

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले

श्री माखन चटर्जी, महासचिव,
कलकत्ता पत्तन श्रमिक यूनियन ।

पक्षकारों के बीच निम्नलिखित औद्योगिक विवाद को एतद्द्वारा श्री एल० पी० दवे, द्वारा श्री आई० एल० पण्ड्या, एडवोकेट, नागरबाड़ा नड़ियाद (गुजरात) के माध्यस्थम् के लिए निर्देशित करने का करार किया गया है।

(1) विनिर्दिष्ट विवादग्रस्त विषय

क्या केन्द्रीय मजदूरी बोर्ड द्वारा पत्तन और डाँक कर्मकारों के लिए यथा निर्मित ट्रिमिंग पोर्टरों, ट्रिमिंग मेटों, ट्रिमिंग सरदारों और ट्रिमिंग फोरमैनो की वेतन संरचना में कोई असंगति है ? यदि हाँ तो, यह कैसे हटाई जानी चाहिए और किम तारीख से ?

(2) विवाद के पक्षकारों का विवरण जिनमें अन्तर्वलित स्थापन या उपक्रम का नाम और पता भी सम्मिलित है।

कलकत्ता पत्तन आयुक्त से सम्बद्ध नियोजक, 15 स्ट्रैंड रोड, कलकत्ता-1 और उनके कर्मकार अर्थात् ट्रिमिंग पोर्टर, ट्रिमिंग मेट, ट्रिमिंग सरदार और ट्रिमिंग फोरमैन, जिनका प्रतिनिधित्व कलकत्ता पत्तन श्रमिक यूनियन, 26 डा० सुधीर बसु रोड, कलकत्ता-23 करती है।

(3) यदि कर्मकार विवाद में स्वयं अन्तर्वलित हों तो उसका नाम या यदि कोई संघ प्रश्नगत कर्मकार या कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करता हो तो उसका नाम

कलकत्ता पत्तन श्रमिक यूनियन, 26 डा० सुधीर बसु रोड, कलकत्ता-23

(4) प्रभावित उपक्रम में नियोजित कर्मकारों की कुल संख्या

42,000 लगभग

(5) विवाद द्वारा प्रभावित या संभाव्यतः प्रभावित होने वाले कर्मकारों की प्राक्कलित संख्या

845 लगभग

माध्यस्थ अपना पंचाद छः मास की कालावधि के भीतर या इतने और समय के भीतर, जो हमारे बीच पारस्परिक लिखित करार द्वारा बढ़ाया जाय, देगा। यदि ऊपर वर्णित कालावधि के भीतर पंचाद नहीं दिया जाता तो माध्यस्थम् के लिए निर्देश स्वतः रद्द हो जाएगा और हम नए माध्यस्थम् के लिए बात-चीत करने को स्वतंत्र होंगे।

पक्षकारों के हस्ताक्षर

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले

ह०/— टी० आर० रघुपति, सचिव,
पत्तन आयुक्त, कलकत्ता

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले

ह०/— माखन चटर्जी, महासचिव,
कलकत्ता, पत्तन श्रमिक यूनियन

[सं० 72/30/70-पी एण्ड डी]

New Delhi, the 10th December 1970

S.O. 3987.—Whereas an industrial dispute exists between the employers in ex-
citation to the management of Messrs Narendra and Company, Bombay and their
workmen represented by the Transport and Dock Workers' Union, Bombay;

And whereas the said employers and their workmen by a written agree-
ment under Sub-section (1) of Section 10(A) of the Industrial Disputes Act, 1947
(14 of 1947) agreed to refer the said dispute to arbitration and have forwarded to
the Central Government, under Sub-section (3) of Section 10(A) of the said Act,
a copy of the said arbitration agreement;

Now, therefore, in pursuance of Sub-section (3) of Section 10(A) of the said
Act, the Central Government hereby publishes the said arbitration agreement.

Agreement under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947

BETWEEN

Names of Parties:

Representing employer.—1. Shri Narendra R. Merchant, Partner, Narendra
& Co. Bombay-1.

Representing the workmen.—1. Shri K. A. Khan, Secretary. 2. Shri I. S.
Sawant, Asstt. Secretary, Transport & Dock Workers' Union,
Bombay.

It is hereby agreed between the parties to refer the following industrial dis-
pute to the arbitration of Shri Jaisingh Vittal Das, Director, M/s. Wallace Flour
Mills, Wallace St., Fort, Bombay-1.

(i) *Specific matters in dispute.*—"Having regard to the mutual settlement
dated 10th September, 1969 between the Bombay Custom House
Clearing Agents' Association and Transport & Dock Workers' Union,
Bombay whether M/s. Narendra & Co. Bombay, are justified in not
paying the arrears on account of increase wages to their employees
from 1st of September, 1969 to 31st December, 1969 and amounts of
ad-hoc arrears of Rs. 400/350 to the employees concerned. If not, to
what relief the employees are entitled."

(ii) *Details of the parties to the dispute including the name and address
of the estt. or undertaking involved.*—(1) M/s. Narendra & Company,
211/19, Bharati Bhavan, P. D'Mello Road, Bombay-1. (2) Transport
& Dock Workers' Union, P. D'Mello Bhavan, P. D'Mello Road,
Bombay-1.

(iii) *Name of the Union, if any, representing the workmen in question.*—
Transport & Dock Workers' Union, Bombay.

(iv) *Total number of workmen employed in the undertaking affected.*—35.

(v) *Estimated number of workmen affected or likely to be affected by the
dispute.*—35.

We further agree that the decision of the arbitrator, shall be binding on us.

The arbitrator shall make his award within a period of three months or within such further time as is extended by mutual agreement between us in writing. In case the award is not made within the period aforementioned, the reference to arbitration shall stand automatically cancelled and we shall be free to negotiate for fresh arbitration.

Witnesses:

(1) (Sd.) N.M. SHARAF,

(2) (Sd.) G. RAMACHANDRAN.

Signature of the Parties:

for Narendra & Company
(Sd.) NARENDRA R. MERCHANT,
Partner,
Representing Employer.

for Transport & Dock Workers' Union
(Sd.) K. A. KHAN,
Secretary.

(Sd.) I. S. SAWANT,
Asstt. Secretary,
Representing workmen.

I, Jaisingh Vittal Das, hereby consent to act as Sole Arbitrator in this matter.

(Sd.) JAISINGH VITTAL DAS.

[No. 73/12/70-P&D.]

AJIT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर 1970

का० प्रा० 3987—यतः मेसर्स नरेन्द्र एंड कंपनी, मुम्बई के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों, जिनका प्रतिनिधित्व ट्रांसपोर्ट एंड डाक वर्कर्स यूनियन, मुम्बई करती है, के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है; और यतः उक्त नियोजकों और उनके कर्मकारों ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क की उपधारा (1) के अधीन उक्त विवाद को एक लिखित करार द्वारा माध्यस्थम् के लिए निर्देशित करने का करार कर लिया है और उक्त माध्यस्थम् करार की एक प्रति उक्त अधिनियम की धारा 10-क की उपधारा (3) के अधीन केन्द्रीय सरकार को भेजी है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क की उपधारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त माध्यस्थम् करार को, एतद्वारा प्रकाशित करती है।

करार

(औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10-क के अधीन)

पक्षकारों के नाम :

निम्नलिखित के बीच

नियोजक का प्रतिनिधित्व करने वाले :

1-श्री नरेन्द्र आर० मचन्द, भागीवार,
नरेन्द्र एंड कम्पनी मुम्बई-1

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले :

1-श्री के० ए० खाँ सचिव
2-श्री आर्द० एस० सावंत सहायक सचिव
ट्रांसपोर्ट एंड डाक वर्कर्स यूनियन, मुम्बई

पक्षकारों के बीच निम्नलिखित औद्योगिक विवाद को एतद्वारा श्री जैसिंह विठ्ठल दास निदेशक मेसर्स वैसेस फलोर मिल्स, वैसेस स्ट्रीट फोर्ट मुम्बई-1 के माध्यस्थम् के लिए निर्देशित करने का करार किया गया है :—

(1) विनिर्दिष्ट विवादप्रस्त विषय :—

“क्या मुम्बई कस्टम हाउस क्लियरिंग एजेन्ट्स एसोसिएशन और ट्रांसपोर्ट एंड डाक वर्कर्स यूनियन, मुम्बई के बीच तारीख 10 सितम्बर 1969 के पारस्परिक समझौते को ध्यान

रखने हुए मैक्स नरेन्द्र एंड कंपनी मुम्बई का अपने कर्मचारियों को प्रथम सितम्बर 1969 से 31 दिसम्बर 1969 तक बड़ी हुई मजदूरी के मद्दे बकाया का और संबंधित कर्मचारियों को 400'350 रु० के तर्ज बकाया की रकम का संदायन करना न्यायोचित है? यदि नहीं तो कर्मचारी किस अनुतोष के हकदार हैं?"

(ii) विवाद के पक्षकारों का व्यौरा जिसमें अन्तर्बलित स्थापन या उपक्रम का नाम और पता भी सम्मिलित है :

1. मैक्स नरेन्द्र एंड कंपनी 211/19 भारतीय भवन पी०डी० मैलो रोड मुम्बई-1।

2. ट्रांसपोर्ट एंड डॉक वर्कर्स यूनियन पी०डी० मैलो भवन पी०डी० मैलो रोड मुम्बई-1।

(ii) यदि कोई संघ प्रश्नगत कर्मचारों का प्रतिनिधित्व करता हो तो उसका नाम :
ट्रांसपोर्ट एंड डॉक वर्कर्स यूनियन, मुम्बई

(iv) प्रभावित उपक्रम में नियोजित कर्मचारों की कुल संख्या 35

(v) विवाद द्वारा प्रभावित या संभाव्यतः प्रभावित होने वाले कर्मचारों की प्राक्कलित संख्या 35

हम यह करार भी करते हैं कि मध्यस्थ का विनिश्चय हम पर आबद्ध कर होगा।

मध्यस्थ अपना पंचाट तीन मास की कालावधि के भीतर या इतने और समय के भीतर जो हमारे बीच पारस्परिक लिखित करार द्वारा बढ़ाया जाय, देगा। यदि ऊपर वर्णित कालावधि के भीतर पंचाट नहीं बिया जाता तो माध्यस्थम् के लिए निवेश स्वतः रद्द हो जाएगा और हम नए माध्यस्थम् के लिए बातचीत करने को स्वतंत्र होंगे।

साक्षी

(1) एन० एम० सर्राफ

(2) जी० रामचन्द्रम

पक्षकारों के हस्ताक्षर

कृते नरेन्द्र एंड कंपनी

(नरेन्द्र आर० मर्चेन्ट)

भागीदार

नियोजक का प्रतिनिधित्व करने वाला

कृते ट्रांसपोर्ट एंड डॉक वर्कर्स यूनियन

(के० ए० खां)

सचिव

(आई० एस० साबन्त)

सहायक सचिव

कर्मचारों का प्रतिनिधित्व करने वाले

मैं जैसिह विट्ठल दास एतद्वारा इस मामले में एकमात्र मध्यस्थ के रूप में कार्य करने की सहमति देता हूँ।

कृते।-

(जैसिह विट्ठल दास)

मुम्बई:

तारीख 24-9-70

[सं० 73/12/70-पी० एंड डी०]

अजीत चन्द्र, अवर सचिव।

(Department of Labour and Employment)

ORDERS

New Delhi, the 27th November 1970

S.O. 3988.—Whereas the industrial dispute specified in the Schedule hereto annexed is pending before Shri B. M. Jayamahadeva Prasad, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Bangalore;

And whereas the services of Shri B. M. Jayamahadeva Prasad have ceased to be available;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and sub-section (1) of section 33B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri R. V. Kollali, as the Presiding Officer, with headquarters at Bangalore, withdraws the proceedings in relation to the said dispute from Shri B. M. Jayamahadeva Prasad and transfers the same to the said Industrial Tribunal, Bangalore for the disposal of the said proceeding with the direction that the said Tribunal shall proceed with the proceeding from the stage at which it is transferred to it and dispose of the same according to law.

SCHEDULE

Sl. No.	Parties to the dispute	Reference No. and date of industrial dispute	S.O.No. of Gazette year of publication
1	2	3	4
1.	Messrs. Dalmia Cement (Bharat) Limited, Hospet and their Workmen, represented by Industrial and General Labour Union, Agali Compounds, Hospet.	37/37/69 LRIV, dated the 22nd January, 1970.	357 of 1970.

[No. 37/37/69/LRIV.]

(श्रम और रोजगार विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1970

का० भा० 3988.—यतः इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट औद्योगिक विवाद, श्री बी० एम० जयामहादेवा प्रसाद, पीठासीन अधिकारी, औद्योगिक अधिकरण, बंगलूर के समक्ष लम्बित है;

अतः, अब, श्री बी० एम० जयामहादेवा प्रसाद की सेवाएं उपलब्ध नहीं रही हैं;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 33-ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री आर० बी० कोलाली होंगे जिनका मुख्यालय बंगलूर होगा, श्री बी० एम० जयामहादेवा प्रसाद से उक्त विवाद से सम्बद्ध कार्यवाही को वापिस लेती है और उसे उक्त कार्यवाही के निपटान के लिए उक्त औद्योगिक अधिकरण, बंगलूर को इस निर्देश के साथ स्थानांतरित करती है कि उक्त अधिकरण और आगे कार्यवाही उस प्रक्रम से करेगा जिस पर वह उसे स्थानांतरित की जाए और विधि के अनुसार उसका निपटान करेगा।

अनुसूची

क्रम सं०	विवाद के पक्षकार	औद्योगिक विवाद की निर्देश संख्या और तारीख	राजपत्र में का० आ० संख्या/प्रकाशन का वर्ष
1—	मैमर्स डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड, होस्पेट और उनके कर्मकार जिनका प्रति नधित्व इंडस्ट्रियल एन्ड जनरल लेबर यूनियन, अगली कम्पा-उड्स होस्पेट करती है।	37/37/69-एल० आर० -4, तारीख 22 जनवरी, 1970	357/70

[सं० 37/37/69-एल० आर० 4]

S.O. 3989.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Karim Stone Contractor, Morak Station District Kota and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri Gopal Narain Sharma, as Presiding Officer with headquarters at Jaipur and refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Karim Stone Contractor, Morak Station, Kota, in terminating the services of Shri Ram Narain S/o Ram Kunwar, Cultar and Shrimati Sampat D/o Dhanna Kuli, female Mazdoor, with effect from the 21st June, 1970 was legal and justified? If not, to what relief these workmen are entitled?”

[No. 12(25)/70-LRIV.]

का० आ० 3989.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में करीम स्टोन कंट्रेक्टर मोरक स्टेशन, जिला कोटा के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध योजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री गोपाल नारायण शर्मा होंगे, जिनका मुख्यालय जयपुर होगा और उक्त विवाद को औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

“क्या करीम स्टोन कंट्रेक्टर, मोरक स्टेशन, कोटा के प्रबन्धतंत्र की श्री राम नारायण, सुपुत्र राम कुंवर, कटर और श्रीमती सम्पत सुपुत्री धन्ना कुली, महिला मजदूर की सेवाओं को 21 जून, 1970 से समाप्त करने की कार्यवाही वैध और न्यायोचित थी, यदि नहीं तो, ये कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं ?”

[सं० 12(25)/70-एल० आर०-4]

S.O. 3990.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Venkajigudda Iron Ore Mines, Chicknayakanahalli owned by Shri P. K. Sarangapani Mudaliar and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri B. L. Rao, as Presiding Officer, with headquarters at Bhubaneswar and refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal.

SCHEDULE

“Whether Shri P. K. Sarangapani Mudaliar, 31, Race Course Road, Bangalore-1 Mine Owner, is justified in denying wages as per (i) 1st Interim Recommendations, dated the 1st January, 1964 (ii) 2nd Interim Recommendations dated the 1st April, 1966 and (iii) Final Recommendations dated the 1st January, 1967 of the Central Wage Board for Iron Ore Mining Industry to his workmen employed in his Iron Ore Mines at Venkajigudda, Chicknayakanahalli Taluk, Tumkur District (Mysore State)? If not to what relief are the workmen entitled and from which date ”

[No. 10(49)/70-LRIV.]

P. C. MISRA, Under Secy.

का०अ० 3990.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में श्री पी०के० सारंगापानी मुदलियारके स्वामित्वाधीन वेन्काजीगुन्डा आयरन ओर माइन्स, चिकनाया-कानाहालू ली के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उन के कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है,

और यतः, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 की 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय एतद्द्वारा सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिस के पीठासीन अधिकारी श्री बी० एल० राव होंगे, मुख्यालय भुवनेश्वर होगा और उक्त विवाद उस औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित जिनका करती है।

अनुसूची

“क्या श्री पी०के० सारंगापानी मुदलियार, 31-रेस कोर्स रोड, बंगलूर-1, खान स्वामी का लेकाजिगुड्डा, चिकनायाकानाहालू ली तालुक, तुमकुर जिला (मैसूर राज्य) में स्थिति अपनी लौह अयस्क खान में नियोजित अपने कर्मचारों को लौह अयस्क खनन उद्योग सम्बन्धी केन्द्रीय मजदूरी बोर्ड की (i) पहली अंतरिम सिफारिशों तारीख पहली जनवरी, 1964, (ii) दूसरी अंतरिम सिफारिशों, तारीख पहली अप्रैल, 1966 और (iii) अंतिम सिफारिशों, तारीख पहली जनवरी, 1967 के अनुसार मजदूरी देने से इनकार करना न्यायोचित है? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं और किस तारीख से ?

[सं० 10(49)/70-एल० आर०-4]

पी० सी० मिश्र,

अवर सचिव।

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 14th December 1970

S.O. 3991.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (85 of 1951), the Central Government hereby makes the following further amendment in the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S.O. 5052/18A/IDRA/69, dated the 26th December, 1969, namely,—

In paragraph 2 of the said order under the heading "Chairman", for the entry against Serial Number 1, the following entry shall be substituted, namely:—

"Shri Prem Kumar, Special Secretary to the Government of Uttar Pradesh, Industries Department, Lucknow".

[No. F. 9(9)/Lic.Pol./69.]

S. GANESAPANDIAN, Under Secy.

औद्योगिक विकास और आन्तरिक व्यापार मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर 1970

का० आ० 3991.—उद्योग (विकास और विनियमन), अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार और कम्पनी कार्य मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 5052/18ए/आई डी कार ए/69 तारीख 26 दिसम्बर, 1969 में और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त आदेश के पैरा 2 में "अध्यक्ष" शीर्षक के नीचे क्रम संख्या 1 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

"श्री प्रेम कुमार, विशेष सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार, उद्योग विभाग, लखनऊ"

[सं० 9(9) लि० पोल०/69]

एस० गणशपाण्डयन,

उप सचिव, भारत सरकार

(Department of Industrial Development)

(Indian Standards Institution)

New Delhi, 17th November 1970

S. O. 3992.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulation 195, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that licences No. CM/L-1672 and CM/L-1673, particulars of which are given below, have been cancelled with effect from 16 November 1970 due to change in the name of the firm. Fresh licences granted to the new firm are being gazetted separately.

Sl. No.	Licence No. & Date	Name and address of the licensee	Article/process covered by the licence cancelled	Relevant Indian Standard
1.	CM/L—1672 8-4-1968	M/s Western India Strip Mills, Agra Road, Bhandup, Bombay—78	Structural Steel (Standard quality)	IS: 226—1969 Specification for structural steel (standard quality) (fourth revision)
2.	CM/L—1673 8-4-1968	M/s Western India Strip Mills, Agra Road, Bhandup, Bombay—78	Structural Steel (ordinary quality)	IS: 1977—1969 Specification for structural steel (ordinary quality) (first revision)

[No. CMD/55 : 1672]

(औद्योगिक विकास विभाग)

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 17 नवम्बर, 1970

सं. ओ० 3992—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाण चिन्ह) विनियम 1955, के विनियम 14 के उपनियम (4) के अनुसरणार्थ भारतीय मानक संस्था द्वारा सूचित किया जाता है कि लाइसेंस सं० सी एम/एल०—1672 जिनके व्यौरे नीचे दिये हैं 16 नवम्बर 1970 से फर्म का नाम बदल जाने के कारण रद्द कर दिये गये हैं। नई फर्म को स्वीकृत नए लाइसेंस गजट में अलग से दिए जा रहे हैं।

क्र० और तारीख	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन बस्तु अथवा प्रक्रिया	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक
1 सी एम/एल—1672 8-4-1968	मेसर्स वेस्टर्न इंडिया स्ट्रिप मिल्स, आगरा रोड, भांडुप बम्बई—78	संरचना इस्पात (मानक किस्म)	IS : 226-1969 संरचना इस्पात (मानक किस्म) (चौथा पुनरीक्षण)
2 सी एम/एल—1673 8-4-1968	मेसर्स वेस्टर्न इंडिया स्ट्रिप मिल्स, आगरा रोड, भांडुप बम्बई—78	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)	IS : 1977-1969 संरचना इस्पात (साधारण किस्म) (पहला पुनरीक्षण)

[सी० एम० डी०/55 : 1672]

New Delhi, the 19th November, 1970

S. O. 3993.—In partial modification of the then Ministry of Industrial Development & Company Affairs (Indian Standards Institution) notification No. S.O. 2648/A dated 19th July 1967, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 5th August 1967, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee per unit for compounded feeds for cattle has been revised. The revised rate of marking fee, details of which are mentioned in the Schedule given hereafter shall come into force with effect from 1 November 1970.

THE SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking fee per unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Compounded feeds for cattle	IS: 2052—1968 Specification for compounded feeds for cattle (<i>first revision</i>)	One tonne	25 paise

[No. CMD/13:10.]

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 1970

एस० ओ० 3993—भारतीय राजपत्र के भाग II खण्ड 3, के उपखण्ड 2 में दिनांक 5 अगस्त, 1967 को प्रकाशित तत्कालीन औद्योगिक विकास और कम्पनी मामलों (भारतीय मानक संस्था) की अधिसूचना सं० एस० ओ० 2648/ए, दिनांक 19 जुलाई 1967 के आंशिक संशोधन के रूप में भारतीय मानक संस्था द्वारा सूचित किया जाता है कि पशुओं के मिश्रित आहारों की मुहरांकन फीस की दर में संशोधन हो गया है। यह संशोधन दर जिसके व्योरे अनुसूची में दिए हैं, 1 नवम्बर, 1970 से लागू हो गई है।

अनुसूची

क्रमांक	उत्पाद/उपाय का वर्ग	सम्बद्ध भारतीय मानक पद संख्या और शीर्षक	इकाई	प्रतिइकाई मुहर लगाने की फीस
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	पशुओं के मिश्रित आहार	IS- : 2052—1968 पशुओं के मिश्रित आहारों की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	25 पैसे

[सं० सी० एम० डी०/13 : 10.]

S.O. 3993—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee per unit for mineral mixtures for supplementing cattle feeds, details of which are given in the Schedule hereto annexed, has been determined and the fee shall come into force with effect from 1 November, 1970 :

THE SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Products	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	Mineral mixture for supplementing cattle feeds	IS : 1664-1968 Specification for mineral mixtures for supplementing cattle feeds (<i>first revision</i>)	one tonne	(i) Rs 2.00 per unit upto 500 units and (ii) Re. 1.00 per unit for the remaining units.

[No. CMD/13 : 10.]

एस० प्रो० 3994—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह), विनियम 1955, के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से सूचित किया जाता है कि पशु आहार पूरक के रूप में खनिज मिश्रण की प्रति इकाई मुहर फीस, जिसका व्यौरा नीचे अनुसूची में दिया है, निर्धारित की गई है और यह फीस 1 नवम्बर, 1970 से लागू हो जाएगी।

अनुसूची

क्रमांक उत्पाद/उत्पाद का वर्ग	सम्बद्ध भारतीय मानक पद-संख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस
(1)	(2)	(3)	(5)
1. पशु आहार पूरक के रूप में खनिज-मिश्रण	IS : 1664-1968 पशु आहार पूरक के रूप में खनिज-मिश्रण की विशिष्टि	एक मीटरी टन	(1) रु० 2.00 प्रति इकाई 500 इकाई तक (2) रु० 1.00 प्रति इकाई आगों की इकाइयों के लिए।

[संख्या सी० एम० डी०/13:10.]

New Delhi, the 20th November 1970

S. O. 3995.—In pursuance of the provisions of sub-rule (2) of rule 3 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules 1955, as amended from time to time, it is hereby notified that the Institution have, during the quarter ending 30 September 1970, recognized Federal Specification, LLL-P-400 as IS : 5757-1970 Indian Standard specification for pine oil.

[No. CMD/13 : 3.]

नई दिल्ली, 20 नवम्बर 1970

एस० प्रो० 3995—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन मुहर,) नियम 1955, के नियम 3 के उपनियम 2 के प्रावधानों के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा सूचित किया जाता है कि 30 सितम्बर, 1970 को समाप्त त्रैमासिक अवधि में संस्था ने फेडरल विशिष्टि, आई एस० एल० पी०-400 को IS : 5757-1970 पीड़ के तेल की भारतीय मानक विशिष्टि के रूप में मान्यता प्रदान की है।

[सं० सी० एम० डी०/13 : 3.]

S.O. 3996.—Certification Marks Licences, details of which are mentioned in the schedule given below, have lapsed or their renewals deferred.

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Licensees Name & Address	Article/Process and the relevant IS : Designation	S. O Number and date of the Gazette Notifying Grant of Licence	Remarks
1	2	3	4	5	6
1	CM/L-12 24-7-1956	M/s Jayant Metal Mfg Co., 16 Sayani Road, Bombay	Hard-drawn copper conductors for overhead power transmission-IS : 282-1963	S.O. 1799 11-8-1956	It was deferred after 31.7.1964 and has now to be treated as lapsed after that date.
2	CM/L-322 18-7-1961	M/s Rajsthan Cycle Industries (Regd.) Tripolia Bazar, Jaipur	Bicycle frames-IS : 623-1955	S.O. 1948 19-8-1961	It was deferred after 31.8.1963 and has now to be treated as lapsed after that date.
3	CM/L-368 22-12-1961	M/s Electrical Instruments Mfg. Co. Ltd., Opp. API, Bombay-Agra Road Bombay	Metal clad switches-IS : 1567-1960	S.O. 199 20-1-1962	It was deferred after 31.12-1963 and has now to be treated as lapsed after that date.
4	CM/L-423 19.6.1962	M/s Vikon Electrical Works (Pvt.) Ltd. G.T. Road, Goraya (Punjab)	Rewirable electric fuses, 15 amps, 250 Volts with HC and MEM type fuse bases and carriers-IS : 2086-1963	S.O. 2146 14-7-1962	Deferred after 31-7-1970.
5	CM/L-560 18.7.1963	M/s Electrical Co. of India Pvt. Ltd, 49, Parsi Panchayat Road, Andheri East Bombay	Metal clad switches-IS : 1567-1960	S.O. 2372 24.8.1963	It was deferred after 14.8.1965 and has now to be treated as lapsed after that date.
6	CM/L-673 18.5.1964	M/s Elite Electrical Industries, 5332 Chandrawal Road, Subzimandi, Delhi	Electric irons, non-thermostat type, of voltage not exceeding 250 Volts (450 & 2600 watts only)-IS : 366-1965	S.O. 2173 20.6.1964	It was deferred after 15.6.1968 and has now to be treated as lapsed after that date.
7	CM/L-706 29.6.1964	M/s Rama Rolling Mills, 156 Manicktola Main Road, Calcutta	Structural steel (standard quality)-IS : 226-1969	S.O. 2590 1.8.1964	Deferred after 31.7.1970.
8	CM/L-707 29.6.1964	—do—	Structural steel (ordinary quality)-IS : 1977-1969	S.O. 2590 1.8.1964	Deferred after 31.7.1970.

1	2	3	4	5	6
9	CM/L-901 23.11.1964	M/s Shree Ambica Jute Mills (Pvt.) Ltd., P. O. Bellurmath, Howrah (Office : 23 Netaji Subhas Road Calcutta-1)	i) Jute hessian-IS : 2818-1964 and ii) Hessian bags-IS : 3790-1966	S.O. 79 2.1.1965	It was deferred after 31.5.1970 and has now to be treated as lapsed after that date.
10	CM/L-1061 22.4.1965	M/s Lawkim Ltd., Chitalkar, Ghodbunder Road, Thana	Single-phase small ac and uni- versal electric motors with class 'A' insulation-IS : 996- 1964	S.O. 1592 22.5.1965	It was deferred after 30.4.1969 and has now to be treated as lapsed after that date.
11	CM/L-1115 28-7-1965	The Laboratory Glassware Co, 3612 Tim- ber Market, Ambala Cantt.	One-mark pipettes-IS : 1117- 1958	S.O. 2667 28.8.1965	Deferred after 31.7.1970.
12	CM/L-1294 30.6.1966	M/s Welding Electrodes & Metallic Alloys Ltd, Plot No. 4, Kalwe Industrial Area, Thana Belapur Road, Distt. Thana.	Covered electrodes for metal arc welding of mild steel of normal penetration type-IS : 814-1967	S.O. 2248 30.7.1966	It was deferred after 15.7.1969 and has now to be treated as lapsed after that date.
13	CM/L-1341 30.9.1966	The Aluminium Industries, Ltd., No. 1, Ceramic Factory Road, Kundera (Kerala)	Polyethylene insulated and po- lyethylene sheathed cables, single core, 650/1100 Volts with aluminium conductors- IS : 3035 (Part III)-1967	S.O. 3299 5.11.1966	Deferred after 31.8.1970
14	CM/L-1427 14.4.1967	M/s British-India Rolling Mills, 23-A, Canal West Road, Calcutta	Structural steel (standard qua- lity)—IS : 226-1962	S.O. 2769 12.8.1967	These were deferred after 15-4- 1969 and have now to be treated as lapsed after that date.
15	CM/L-1428 14.4.1967	—do—	Structural steel (ordinary qua- lity)—IS : 1977-1962	S.O. 2769 12.8.1967	
16	CM/L-1656 20.3.1968	M/s Esso Standard Eastern Inc., Survey No. 24/3A & B, Chikkabiderakullu Village Neelamangala Taluka, Bangalore—; Tumkur Road, Bangalore Distt.	BHC dusting powders-IS : 561- 1962	S.O. 1470 27.4.1968	It was deferred after 31.3.1970 and has now to be treated as lapsed after that date.
17	CM/L-1749 18.7.1968	Singhal Pesticides, 9/122 Moti Bagh, Jamuna Par, Agra-6	Aldrin emulsifiable concentrates IS : 1307-1956	S.O. 3190 14.9.1968	Deferred after 31.7.1970—
18	CM/L-1819 23.10.1968	M/s Fairman Enterprise, 13, Baliaghata Road, Calcutta	Tea-chest metal fittings-IS : 10-1964	S.O. 4257 30.11.1968	It was deferred after 31.10.1969 and has now to be treated as lapsed after that date.

19 CM/L-1890 9.1.1969	M/s New Bishalalakhmi Mech. Works Private Limited, 24/5, Brindaban Mullick Lane, Kadamtola, Howrah	Domestic gas stoves for use with liquefied petroleum gases, IS : 4246-1967	S.O. 720 22.2.1969	It was deferred after 15.1.1970 and has now to be treated as lapsed after that date.
20 CM/L-1926 25.2.1969	M/s Saindia Centre, A-2/33, Rajouri Garden New Delhi.	Buty rometers, 10% IS : 1223-1958	S.O. 1256 5.4.1969	It was deferred after 28.2.1970 and has now to be treated as lapsed after that date.
21 CM/L-2022 23.7.1969	M/s Gupta Engineering Works, Railway Road, Kapurthala	Domestic pressure cookers (pressed)—IS : 2347-1966	S.O. 3585 6.9.1969	Deferred after 31.7.1970.

[No. CMD/13:14]

A. K. GUPTA,

Deputy Director General.

एस० ओ० 3996:—यहां जिन प्रमाणन मुहर लाइसेंसों के व्यौरे दिए गए हैं वे या तो अवधिपूर्ण होने पर रद्द हो गए हैं अथवा उनका नवीकरण स्थगित कर दिया गया है।

अनुसूची

क्रमांक	लाइसेंस संख्या	लाइसेंसधारी का नाम और पता	वस्तु/प्रक्रिया और तत्सम्बन्धी भारतीय मानक का पद नाम	लाइसेंस मंजूरी प्रकाशित करने वाले गजट की एस० ओ० संख्या और दिनांक	विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	सी एम/एल-12 24-7-1956	मेसर्स जयन्त मेटल मैनुफैक्चरिंग कं० 16 सायनी रोड बम्बई।	सिरोपरि बिजली पारेषण के लिए सख्त खिंचे तांबे के चालक IS: 282-1963	एस ओ 1799 11-8-1956	इसे 31-7-1964 को स्थगित कर दिया गया था अब तभी से इसे रद्द माना जाय।
2.	सी एम/एल-322 18-7-1961	मेसर्स राजस्थान साइकिल इंडस्ट्रीज (रजि०) लि-पीलिया बाजार जयपुर।	साइकिल के फ्रेम IS: 623-1955	एस ओ० 1948 20-1-1962	इसे 31-8-1963 को स्थगित कर दिया गया था अब तभी से इसे रद्द माना जाय।
3.	सी एम/एल-368 22-12-1961	मेसर्स इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रमेन्ट्स मैनुफैक्चरिंग कं० लि० सामने-एपी आई, बम्बई-आगरा रोड, बम्बई।	धातु के ढक्कनदार स्विच IS : 1567-1960	एस ओ 199 20-1-1962	इसे 31-12-1963 को स्थगित कर दिया गया था अब तभी से इसे रद्द माना जाय।

4.	सी एम/एल-423 19-6-1962	मेसर्स विकान इलेक्ट्रिकल वर्क्स (प्रा०) लि० जी टी रोड गोराया (पंजाब)।	एच सी और एम ई एम नुमा फ्यूज आघारों और कैरि- यर वाले 15 अम्पी 250 वोल्ट के दुबारा तार लग सकने वाले विद्युत फ्यूज IS: 2086-1963	एस ओ 2146 14-7-1963	31-7-1970 के बाद स्थ- गित ।
5.	सी एम/एल-560 18-7-1963	मेसर्स इ इलेक्ट्रिकल कं० आफ इंडिया प्रा० लि० 49 पारसी पंचायत रोड अं- धेरी पूर्व, बम्बई ।	घातु के ढक्कनदार स्विच IS : 1567-1960	एस ओ 2372 24-8-1963	इसे 14-8-1965 को स्थगित कर दिया गया था अब तभी से इसे रद्द माना जाय ।
6.	सी एम/एल-673 18-5-1964	मेसर्स इलाइट इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज 5332 चंद्रावल रोड सम्भीमन्डी दिल्ली ।	बिजली की इस्तिरियां अनापस्थायी प्रकार की 250 वोल्ट से अधिक वोल्टता (450 और 600 वाट सिर्फ) वाली, IS: 366-1965	एस ओ 2173 20-6-1964	इसे 15-6-1968 को स्थगित कर दिया गया था अब तभी से इसे रद्द माना जाय ।
7.	सी एम/एल-706 29-6-1964	मेसर्स रामा रोलिंग मिल्स 156 मानिकटोला मेन रोड कलकत्ता ।	संरचना इस्पात (मानक किस्म) IS: 226- 1969	एस ओ 2590 1-8-1964	31-7-1970 के बाद स्थगित कर दिया गया है ।
8.	सी एम/एल-707 29-6-1964	मेसर्स रामा रोलिंग मिल्स 158 मानिकटोला मेन रोड कलकत्ता ।	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) IS: 1977- 1969	एस ओ 2590 1-8-1964	31-7-1970 के बाद स्थगित कर दिया गया ।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
9.	सी एम/एल-901 28-11-1964	मेसर्स अम्बिका जूट मिल्स (प्रा०) लि० पो० आ० बेल्लूरमठ, हावड़ा (कार्य- लय : 23 नेता जी सुभाष रोड कलकत्ता-1) ।	(1) पटसन हेसियन IS : 28/8-1964, और (2) हेसियन बोरे IS : 3790 -1966	एस ओ 79 2-1-1965	इसे 31-5-1970 को स्थगित कर दिया गया था अब तभी से रह समझा जाय ।
10.	सी एम/एल-1061 22-4-1965	मेसर्स लॉकिम लि० चित्तल- कय, बीड़बन्दर रोड, थाना	ए श्रेणी का रोचन लगे एक- हरेपेज छोटे ए सी के और युनोवर्सल बिजली के मोटर IS : 996-1964	एस ओ 1592 22-5-1965	इसे 30-4-1969 को स्थगित कर दिया गया था अब तभी से रह समझा जाए ।
11.	सी एम/एन-1115 28-7-1965	दिलेकोरेटरी ग्लासवेयर कं० 3612 टिम्बर मार्केट अम्बाला कृष्ट ।	एक निशान वाला रिपेट- IS : 117-1958	एस ओ 2667 2 -8-1965	31-7-1970 के बाद स्थगित किया गया ।
12.	सी एम/एन-1294 30-6-1966	मेसर्स वेल्डिंग इलेक्ट्रोड एंड मेडिकल एक्वाय लि० प्लाट सं० 4, काल्वे इंडस्ट्रियल एरिया, थाना-बेलापुर सड़क जिला थाना ।	सामान्य प्रयोग वाले मृदु इस्पात की मेटल आर्क वेल्डिंग के लिए इके इने- इलेक्ट्रोड IS : 814-1967	एस ओ 2249 30-7-1966	इसे 15-7-1969 को स्थगित किया गया था अब तभी से रह समझा जाय ।

13.	सी एम/एल-1341 30-9-1966	दि एल्युमिनियम इंडस्ट्रीज लि० सं० 1, सिरैमिक फ़ैक्टरी रोड कुंडारा (केरल) ।	650/1.100 वोल्ट वाले एल्युमिनियम चालक युक्त एकहरे कोर वाले पालीइथलीन रोधित और पालीइथाइलीन कवच चड़े केबल- IS : 3035 (भाग 3)- 1967	एस ओ 3299 5-11-1966	31-8-1970 के बाद स्थगित ।
14.	सी एम/एल-1427 14-4-1967	मेसर्स ब्रिटिश इंडिया रोलिंग मिल्स, 23-ए कैंनाल वेस्ट रोड कलकत्ता ।	संरचना इस्पात (मानक किस्म) IS: 226- 1962	एस ओ 2769 12-8-1967	ये 15-4-1969 को स्थगित किए गए थे और अब तभी से रद्द माने जाएँ ।
15.	सी एम/एल-1428 14-4-1967	”	संरचना इस्पात (साधारण- किस्म) IS : 1977- 1962	एस ओ 2769 12-8-1967	
16.	सी एम/एल-1656 20-3-1968	मेसर्स एसो स्टैंडर्ड ईस्टर्न इंक सर्वोक्षण नम्बर 24/ ए और बी चिक्कविदर- कुल्लू गांव नीलमंगल तालुका बंगलौर-टुमकुर रोड बंगलौर जिला ।	बी एच सी धूलन पाउडर IS : 561-1962	एस ओ 1470 24-4-1968	इसे 31-3-1970 को स्थगित किया गया अब इसे रद्द समझा जाय ।
17.	सी एम/एल-1749 18-7-1968	सिंघल पेस्टीसाइड्स 9/122 मोतीबाग जमुना पार आगरा-6 ।	एडिजिन पयासनीय तेज चूर्ण चूर्ण IS: 1307- 1956	एस ओ 3150 14-9-1968	31-7-1970 के बाद स्थगित कर दिया गया ।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
18.	सी एम/एल-1819 23-10-1968	मेसर्स फेयरमन इंटर प्राइजेज 13, बलियाघाट रोड कलकत्ता ।	चाय की पेटियों के घातु के फिटिंग IS: 10-1964	एस ओ 4257 30-11-1968	इसे 31-10-1969 को स्थगित किया गया था अब तभी से रद्द माना जाय ।
19.	सी एम/एन-1890 9-1-1969	मेसर्स विशाल लक्ष्मी मकेनि- कल वर्क्स प्रा० लि०, 24/ 5 वृंदावन मलिक लेन कदमटोला, हवड़ा ।	द्विवित पेट्रोलियम गैस से चलने वाले घरेलू गैस स्टोव IS: 4246-1967	एस ओ 720 22-2-1969	इसे 15-1-1970 को स्थगित किया गया था और अब तभी से रद्द समझा जाय ।
20.	सी एम/एल-1926 25-2-1969	मेसर्स सैन्दिया सेंटर ए-2/ 33 रजौरीगार्डन नई दिल्ली ।	नवनीत मापी 10% IS : 1223-1958	एस ओ 1256 5-4-1969	इसे 28-2-1970 को स्थगित किया गया था अब तभी से रद्द समझा जाय ।
21.	सी एम/एल-2022 23-7-1969	मेसर्स गुप्ता इंजीनियरिंग वर्क्स रेलवे रोड कपूरथला ।	घरेलू प्रेशर कुकर (दबाकर बनाए गए) IS: 2347-- 1966	एस ओ 3585 6-9-1969	31-7-1970 के बाद स्थगित कर दिया गया ।

[सं० सी० एम० डी०/13 : 14]

ए० के० गुप्ता,
उप महानिदेशक ।

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

MERCHANT SHIPPING

New Delhi, the 9th December 1970

S.O. 3997.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 1 of the Merchant Shipping (Amendment) Act, 1970 (25 of 1970), the Central Government hereby appoints the nineteenth day of December, 1970, as the date on which the following sections of the said Act shall come into force, namely:—

Section 18;

Section 19;

Section 20.

[No. 42-MA(11)/70.]

HARBANS SINGH, Deputy Secy.

पोतपरिवहन तथा परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

व्यापारिक पोतपरिवहन

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर, 1970

का० आ० 3997.—व्यापारपोत (मंशोधन) अधिनियम, 1970 (1970 का 25) की धारा 1 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दिसम्बर 1970 के उन्नीसवें दिन को दन अधिनियम की निम्नलिखित धाराओं के लागू होने की तारीख के रूप में निश्चित करती है; अर्थात्:—

धारा 18,

धारा 19,

धारा 20,

[स० 42-एम ए (11)/70.]

हरबन्स सिंह, उप-सचिव

